रजिस्ट्री सं० डी(डी)-73

REGISTERED No. D(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 5, 1977/माघ 16, 1898

No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 5, 1977/MAGHA 16, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1977

(शास प्राप्त लेखापाल)

का०आ० 411.—शास प्राप्त लेखापाल विनियम, 1964 के विनियम 181 के उप नयम (2) के साथ पठित विनियम 2 के खण्ड (7) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व वित्त मंत्रालय (आर्थिक मामलों के विभाग) की अधिसूचना स० 62(43) आई०सी०एल०(ए)/50 तारीख 4 अप्रैल, 1951 में निम्नलिखित और सशोधन एतद्द्वारा करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में :—

"बंगला देश में विश्वविद्यालय" शीर्ष और उसके संबंध में प्रविष्टियों के नीचे निम्नलिखित शीर्ष और प्रविष्टियां समाविष्ट की जाएगी, नामश:

अफगानिस्तान में विश्वविद्यालय

काबुल विश्वविद्यालय

[फा०स० 7/28/73-आई जी सी]

जी० सी० खुल्लर, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 15th January, 1977

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

S.O. 411.—In pursuance of clause (vii) of regulation 2, read with sub-regulation (2) of regulation 181 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. 62(43)-CL(A)/50, dated the 4th April, 1951, namely :—

In the said notification—

(i) after the heading "Universities in Bangla Desh" and the entries relating thereto, the following heading and entries shall be inserted, namely :—

"UNIVERSITIES IN AFGHANISTAN
The Kabul University."

[F. No. 7/28/73-IGC]

G. C. KHULLAR, Under Secy.

134 GI/76—1

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1977

का०आ० 412.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स भोर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या 196/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं० 2/11/74-एम-2]
अशोक नाथ, उप सचिव

New Delhi, the 17th January, 1977

S.O. 412.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s The Bhor Industries Ltd under the said Act (Certificate of Registration No 196/70).

[F. No. 2/11/74-M.II.]
ASHOK NATH, Dy. Secy.

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

का०आ० 413.—लेख्य-प्रमाणक (नोटेरीज) अधिनियम, 1952 (1952 का 53वां) की धारा 6 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा वर्ष 1977 के आरम्भ में नियुक्त किये गये और कार्य कर रहे लेख्य-प्रमाणकों (नोटेरीज) की सूची प्रकाशित करती है :—

क्र० सं०	लेख्य-प्रमाणक (नोटेरी) का नाम	निवास स्थान तथा व्यावसायिक पता	योग्यता	किस क्षेत्र में काम करने के लिये प्राधिकृत है	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
1.	श्री चक्रवर्ती श्रीरास्वामी	कैथोलिक सेंटर (दूसरी मंजिल), 6, आर्मेनियन स्ट्रीट, मद्रास-1	अधिवक्ता, मद्रास उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	--
2.	श्री रुस्तम अर्देशेर गगरात	द्वारा मैसर्स गगरात एंड कम्पनी सालिसिटर्स एण्ड नोटेरी पब्लिक, अली चैम्बर्स, मोडोज स्ट्रीट, बम्बई-1	अधिवक्ता, बम्बई उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	--
3.	श्री बाटा कृष्ण बनर्जी	कुंज निवास, 23-ए, सरदार शंकर रोड, थाना टालीगंज, कलकत्ता	अधिवक्ता, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
4.	श्री भगवती प्रसाद खैतान	1-बी, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता।	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
5.	श्री रवीन्द्रकृष्ण देव	टेम्पल चैम्बर्स, 6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
6.	श्री हिमांशु प्रकाश गंगुली	4, इसर दत्त लेन हावड़ा (पश्चिम बंगाल)	अधिवक्ता, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
7.	श्री सुधीर कुमार दे मलिक	द्वारा मार्टिन बर्न लि०, 12, मिशनरी एक्सटेंशन, कलकत्ता-1	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
8.	श्री राम मोहन चटर्जी	द्वारा मैसर्स आर०, दिगनम एण्ड को०, सालिसिटर्स, 29, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता	सालिसिटर, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब।	--
9.	श्री प्रभुदयाल हिमतसिंगका	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
10.	श्री पुण्यव्रत बोस	10, किरण शंकर राय रोड, कलकत्ता-1	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
11.	श्री विक्टर इलियास मोसेज	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	--
12.	श्री मुल्खराज बधावन	अधिवक्ता, जलंधर सिटी, पंजाब	अधिवक्ता, पंजाब उच्च न्यायालय	पंजाब तथा उत्तर प्रदेश	--
13.	श्री मनोहर लाल कपूर	3/9, पटेल नगर (पूर्व), नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ शासित	--
14.	श्री हर प्रसाद मेहरा	नं० 3060, चर्खावालान, दिल्ली	अधिवक्ता, पंजाब उच्च न्यायालय	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	--
15.	श्री गंगा विशन कपूर	318, जी० टी० रोड, जलंधर सिटी, पंजाब	अधिवक्ता, पंजाब उच्च न्यायालय	पंजाब तथा उत्तर प्रदेश	--
16.	श्री राम दित्ता मल	7/13, पटेल नगर (पूर्व), नई दिल्ली	अधिवक्ता, उच्च न्यायालय	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र, राजस्थान, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश	--

1	2	3	4	5	6
17.	श्री ब्रज बहादुर अग्निहोत्री	सीतापुर, उत्तर प्रदेश	वकील	जिला सीतापुर (उत्तर प्रदेश)	—
18.	श्री चमनलाल अरोड़ा .	. 10, न्यू कोर्ट रोड अमृतसर (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला अमृतसर, पंजाब	—
19.	श्री दामोदर देवजी दामोदर	. द्वारा मैसर्स कांगा एण्ड को०, सालिसिटर्स मैंशन्स, 43, वीर निर्माण रोड, बम्बई	सालिसीटर	महाराष्ट्र	—
20	श्री देव प्रसाद घोष .	. 12, गवर्नमेंट प्लेस (पूर्व), कलकत्ता-1	न्यायवादी	पूरे भारत मे	—
21	श्री नाथमल हिमतसिंगका	6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी	पूरे भारत मे	—
22.	श्री नवल एस० फतरफेकर	द्वारा मैसर्स क्राफोर्ड बेली एण्ड को०, स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट, बम्बई-1	एडवोकेट	पूरे भारत में	—
23.	श्री राम किशन गर्ग	. वकील नं० 6456, रावतपाड़ा, आगरा (उत्तर प्रदेश)	वकील, आगरा	जिला आगरा	—
24.	श्री सी०एच० पार्डीवाला	सालिसीटर द्वारा मैसर्स क्राफोर्ड बेले एण्ड को०, स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट, बम्बई	सालिसीटर	पूरे भारत में	—
25.	श्री भविन्द्र सी० सेन	. न्यायवादी, टेम्पल चैम्बर्स, पहली मंजिल, 6, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी	कलकत्ता	—
26	श्री सुबोध कुमार मलिक	सालिसीटर, द्वारा मैसर्स संदरसन्स एण्ड मोरगन्स, सालिसीटर्स रायल इंशोरेन्स बिल्डिंग, 5 व 7, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता	सालिसीटर	पूरे भारत मे	—
27.	श्री डी० ए० मेहता	. अधिवक्ता, 43-बी, हनुमान रोड, नई दिल्ली	बार-एट-ला	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
28.	श्री दुर्गा प्रसाद तुलस्यान	. अधिवक्ता, झुनझुनु (राजस्थान)	अधिवक्ता	जिला झुनझुनु	—
29.	श्री जसवन्त नारायण	. अधिवक्ता, उदय मंदिर, जोधपुर (राजस्थान)	अधिवक्ता	जोधपुर (राजस्थान)	—
30	श्री मनोहरलाल गिरधरलाल दीक्षित	सालिसीटर, द्वारा भाई शंकर कांगा एण्ड गिरधरलाल, सालीसिटर्स, गुजरात समाचार भवन, खानपुर, अहमदाबाद	न्यायवादी, बम्बई उच्च न्यायालय	गुजरात और महाराष्ट्र	—
31.	श्री हैदर मिर्जा .	. अधिवक्ता, फाटक शेख सलीम, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	अधिवक्ता	वाराणसी डिवीजन (उत्तर प्रदेश)	—
32	श्री नूर मोहम्मद	. अधिवक्ता, उदयपुर, राजस्थान	अधिवक्ता	जिला उदयपुर	—
33	श्री सुधीर कुमार शील	द्वारा मैसर्स संदरसन्स एंड मोरगन्स, सालिसीटर्स रायल इंशोरेन्स भवन, 5 व 7, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1	सालिसीटर	पूरे भारत में	—
34.	श्री जितेन्द्र नाथ सन्याल	. द्वारा मैसर्स संदरसन्स एंड मोरगन्स, इंशोरेन्स भवन, 5 व 7, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1	सालिसीटर	पूरे भारत में	—
35.	श्री इन्द्र सेन इसरानी	. अधिवक्ता, जे०-51, कृष्ण मार्ग, जयपुर (राजस्थान)	अधिवक्ता	जयपुर शहर और जिला	—
36.	श्री पी०सी० कुरियन	. 333, पम्मू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1	अधिवक्ता	मद्रास तथा केरल	—
37	श्री गुरदयालसिंह सिंधु	. नं० 1, देकोहा, जलंधर (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला जलंधर	—
38	श्री सी० एस० वेंकटसुब्रमणियन्	140, राम नगर रोड, कोयम्बटूर-12	अधिवक्ता	जिला कोयम्बटूर	—
39	श्री पुष्कर लाल जुनेजा	एफ० 2, भगतसिंह मार्केट, लेडीहार्डिंग रोड, नई दिल्ली तथा एफ०-1 शंकर मार्केट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली	अधिवक्ता	पूरे भारत में	—
40.	श्री चुन्नी लाल भाटिया	. सी 4ए/68सी, जनकपुरी, नई दिल्ली	अधिवक्ता	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—

1	2	3	4	5	6
41	श्री जगन नाथ	मोगा, जिला फिरोजपुर (पंजाब)	एडवोकेट	मोगा मुख्यालय सहित फिरोजपुर जिला। मोगा मुख्यालय सहित पूरे फरीदकोट जिले में वकालत करने के लिये भी प्राधिकृत है।	—
42	श्री रामजीदास मित्तल	गुरद्वारा स्ट्रीट, भटिंडा (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला भटिंडा	—
43.	श्री जी० बी० भट्ट	मैसर्स भट्ट एण्ड साल्दना, मफर भवन, 63, न्यू मैरिन लाइन्स, बम्बई 20	एटार्नी तथा एडवोकेट	पूरे भारत में	—
44.	श्री देवराज सिंह त्यागी	अधिवक्ता, कलक्टोरेट कोर्ट, बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश	अधिवक्ता	जिला बुलन्दशहर (उत्तर प्रदेश)	—
45	श्री बाल कृष्ण	अधिवक्ता, हनुमानगढ़ टाउन, जिला गंगानगर (राजस्थान)	अधिवक्ता	जिला गंगानगर मुख्य कार्यालय हनुमानगढ़ (राजस्थान) में	—
46.	श्री एम० आर० मेहता	अधिवक्ता, बलोत्रा (राजस्थान)	अधिवक्ता	जिला बाड़मेर व जालोर मुख्य कार्यालय बलोत्रा (राजस्थान)	—
47.	श्री डी०डी० कक्कर	अधिवक्ता, 36/9, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली-8।	अधिवक्ता	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
48.	श्री जी०सी० वर्मा	अधिवक्ता, ओथ कमिश्नर, ई०/12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।	अधिवक्ता व ओथ कमिश्नर	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
49.	श्री पी०एल० गांधी	अधिवक्ता, गांधी बाग के सामने, सूरत	अधिवक्ता	सूरत जिला	—
50.	श्री ए०आर० मल्कानी	अधिवक्ता, बी०बी० जेड०-6, गांधी धाम, (कच्छ)	अधिवक्ता	जिला कच्छ का अंजार तालुक	—
51.	श्री एन०सी० शाह	द्वारा खैतान एण्ड को०, सालिसीटर, 1बी, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता-1	अधिवक्ता, कलकत्ता	कलकत्ता और नई दिल्ली।	—
52.	श्री टी० दलीपसिंह	द्वारा मैसर्स किंग एण्ड पर्ट्रिज, दूसरी मंजिल कैथोलिक सेंटर, अर्मेनियन स्ट्रीट, पो० बाक्स नं० 121, मद्रास-1।	अधिवक्ता, मद्रास	पूरे भारत में	—
53.	श्री जे० आर० गगरात	द्वारा मैसर्स गगरात एण्ड को०, अल्ली चेम्बर्स, नागिनदास मास्टर रोड, फोर्ट, बम्बई-1।	अधिवक्ता, बम्बई	पूरे भारत में	—
54.	श्री आर० सेतलूर	द्वारा आफर्ड बैले एण्ड को०, स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट, बम्बई-1।	अटार्नी तथा अधिवक्ता, बम्बई	पूरे भारत में	—
55.	श्री ब्रज मोहन मेहता	13-ए/2, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-7	अधिवक्ता, नई दिल्ली	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
56.	श्री नैनी गोपाल दत्ता	56/1, एम०एन० सेन लेन, बोलीगंज, जिला 24 परगना, पं० बंगाल।	अधिवक्ता, कलकत्ता	जिला 24 परगना अलीपुर, कलकत्ता	—
57.	श्री सुरजीत सिंह सूद	23, नेताजी पार्क, जलंधर सिटी (पंजाब)	अधिवक्ता, जलधर	जलंधर	—
58.	श्री जगजीत सिंह	376-एल, मडेल टाउन जलधर सिटी (पंजाब)।	अधिवक्ता	जलंधर	—
59	श्री के० के० खम्बाता	राजभ महल, 144 क्वीन्स रोड, बम्बई-20	अधिवक्ता, बम्बई	पूरे भारत मे	—
60.	श्री अम्बेलाल बाबाभाई पटेल	विद्या स्ट्रीट, डाकखाना नवसारी, जिला बुलसार (गुजरात)।	अधिवक्ता	बुलसार जिला (गुजरात)	—
61.	श्री पूनम चन्द सोमचन्द शाह	द्वारा मैसर्स पूर्णानन्द एंड को०, सालिसीटर्स, गुजरात सरकार, 'श्रद्धेय' हरिदास कालोनी, नवजीवन प्रेस रोड, अहमदाबाद-14।	अधिवक्ता	गुजरात	—

1	2	3	4	5	6
62	श्री बी० टी० मर्चेन्ट	द्वारा मैसर्स ठाकुर दास एण्ड मडगांवकर, फोर्ट चैम्बर्स, डीन लेन, फोट, बम्बई-400001।	अटार्नी तथा अधिवक्ता	पूरे भारत में	—
63.	श्री रूस्तम आर० दादाचन्जी	धुम बिल्डिंग, प्रथम मंजिल, 23/25, घोगा स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।	अधिवक्ता	ग्रेटर बम्बई-1	—
64.	श्री एच० एम भगत	द्वारा अम्बूभाई व दीवाजी, मेटिन चैम्बर्स, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई। तथा द्वारा अम्बूभाई व दीवानजी सालिसीटर्स एण्ड एडवोकेट्स, बैंक आफ इंडिया बिल्डिंग, अहमदाबाद-380001।	अधिवक्ता तथा सालिसीटर	गुजरात	—
65	श्री ए० बी० छत्रपति	द्वारा मैसर्स भाई शंकर कागा एंड गिरधरलाल मनिकजी वाडिया बिल्डिंग बेल लेन, फोर्ट, बम्बई-400001। तथा द्वारा मैसर्स भाई शकर कांगा एंड गिरधरलाल, गुजरात समाचार भवन, खानपुर, अहमदाबाद-380001।	अधिवक्ता तथा सालिसीटर	गुजरात	—
66.	श्री जी० एम० व्यास	35, लावण्य नगर, जीवराज पार्क रोड, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-7।	अधिवक्ता	अहमदाबाद	—
67.	श्री अमर सिंह	जमियत सिंह रोड, मोगा, जिला फरीदकोट, पंजाब।	अधिवक्ता	मोगा, जिला फरीदकोट (पंजाब)	—
68.	श्री बी० एम० अनिता	द्वारा मैसर्स मुल्ला एण्ड मुल्ला एण्ड क्रेगी ब्लन्ट एण्ड कारों, सालिसीटर्स एण्ड नोटेरीज, जहांगीर वाडिया बिल्डिंग, 51, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-400001	अटार्नी तथा अधिवक्ता	पूरे भारत में	—
69	श्री वी० पी० शुक्ल	रूगनाथ बिल्डिंग, टाउन हाल के सामने राजकोट (गुजरात)।	अधिवक्ता	राजकोट तथा जूनागढ़ जिले	—
70.	श्री बी० के० शाह	मनसुख निवास, नानी छिपवाड, बड़ौदा-6	अधिवक्ता	बड़ौदा	—
71.	श्री रमेश जे० मेहता	अधिवक्ता, नडियाद (जिला कैरा), गुजरात राज्य।	अधिवक्ता	कैरा तथा पंचमहल जिले।	—
72.	श्री अमर चन्द दत्त	द्वारा मैसर्स फौलर एंड को०, 12 गवर्नमेंट प्लेस, ईस्ट, कलकत्ता-1।	अधिवक्ता	कलकत्ता	—
73.	श्री बसन्तलाल डी० मेहता	द्वारा माल्वी रंचोदास एण्ड को०, सालिसीटर्स एंड एडवोकेट्स युसुफ बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, बम्बई-400001।	सालिसीटर	महाराष्ट्र	—
74.	श्री प्रकाश चन्द जैन	82, खुरबारा, देहरादून	अधिवक्ता	पश्चिम उत्तराखंड (यू०पी०) के साथ मुख्य कार्यालय देहरादून।	—
75.	श्री मोइज एफ० करमालावाला	चर्च गेट, चेम्बर 5, नई मेरीन लाईन, कमरा नं० 611, 6 फ्लोर, बम्बई-400020।	सालिसीटर	पूरे महाराष्ट्र के साथ मुख्य कार्यालय, बम्बई।	—
76.	श्री दर्शन सिंह	ए-321, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।	एडवोकेट	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
77	श्रीमती के० वी० देसाई	5, भरत कालोनी, सरदार पटेल कालोनी, के नजदीक, अहमदाबाद-14।	एडवोकेट	अहमदाबाद	—
78.	श्री मोहिन्दर सिंह	277, सरदार गेट, जलंधर (पंजाब)।	वकील	जलंधर	—
79.	श्री राजेन्द्र कुमार भट्ट	एस-401, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48	एडवोकेट	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
80.	श्री नारायण प्रसाद गोयल	4082, कूचा दिलवाली सिंह अजमेरी गेट, दिल्ली-6।	एडवोकेट	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
81.	श्री के० वी० थोमस	विराजपेट, कुर्ग जिला, कर्नाटक	एडवोकेट	कुर्ग जिला	—

[सं० 22/1/77—न्याय]

आर० वासुदेवन, उप सचिव

(Department of Justice)

New Delhi, the 19th January, 1977

S. O. 413.—In pursuance of the provisions of Section 6 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Central Government hereby publishes a list of Notaries appointed by them and in practice at beginning of the year 1977 :—

Sl. No.	Name of Notary	Residential & Professional address	Qualifications	Area in which he is authorised to practice.	Remarks
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Chakravarthi Doraswamy	Catholic Centre (2nd Floor) 6, Armanian Street, Madras-1.	Advocate Madras High Court.	Whole of India.	—
2.	Shri Rustam Ardeshir Gagrat	C/o M/s Gagrat & Co., Solicitors & Notary Public, Alli Chambers, Medows Street, Bombay-1.	Advocate Bombay High Court.	Whole of India.	—
3.	Shri Bata Krishna Banarji	Koonja Nibas, 23-A, Sardar Shankar Road, P. S. Tollygunj Calcutta.	Advocate Calcutta High Court.	Whole of India	—
4.	Shri Bhagwati Prasad Khaitan	1-B Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India.	—
5.	Shri Rabindra Krishna Deb	Temple Chambers, 6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India.	—
6.	Shri Himansu Prakash Ganguli	4 Issur Dutt Lane, Howrah (West Bengal).	Advocate Calcutta High Court.	Whole of India.	—
7.	Shri Sudhir Kumar Dey Mullick.	C/o Martin Burn Ltd., 12 Mission Row Extension, Calcutta-1.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India.	—
8.	Shri Rash Mohan Chatterjee.	C/o M/s Orr. Dignam & Co., Solicitors, 29 Neetaji Subhas Road, Calcutta.	Solicitor, Calcutta High Court.	West Bengal, Assam, Bihar, U.P., and Punjab.	—
9.	Shri Prabhudayal Himatsingka	6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India.	—
10.	Shri Punyabrata Bose	10 Kiran Shankar Roy Road, Calcutta	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India.	—
11.	Shri Victor Elias Moses	6, Old Post Office Street, Calcutta	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India.	—
12.	Shri Mulkh Raj Wadhwan	Advocate, Jullundur City, Punjab.	Advocate, Punjab High Court.	Punjab & U.P.	—
13.	Shri Manoharlal Kapur	3/9 Patel Nagar (East) New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
14.	Shri Herpershad Mehra	No. 3060, Charkhewalan, Delhi.	Advocate, Punjab High Court.	Union Territory of Delhi.	—
15.	Shri Ganga Bishan Kapur	318, G.T. Road Jullundur City, Punjab.	Advocate, Punjab High Court.	Punjab and U.P.	—
16.	Shri Ram Ditta Mall	7/13, Patel Nagar (East) New Delhi.	Advocate, Supreme Court.	Union Territory of Delhi. Rajasthan, Punjab and U.P.	—
17.	Shri Brij Bahadur Agnihotri	Sitapur, U.P.	Vakil	Sitapur District, U.P.	—
18.	Shri Chaman Lal Arora	10 New Court Road, Amritsar Punjab.	Advocate.	Amritsar District (Punjab)	—
19.	Shri Damodar Devji Damodar	C/o M/s Kanga & Co., Solicitors Ready—money Mansions, 43 Veer Nirman Road, Bombay.	Solicitor	Maharashtra	
20.	Shri Deba Prasad Ghosh	12, Govt. Place East, Calcutta-1.	Attorney	Whole of India.	
21.	Shri Nathmal Himatsingka	6, Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney	Whole of India.	
22.	Shri Nawal S. Phatarphekar	C/o M/s Crawford Bayley & Co., State Bank Building, Bank Street, Bombay-1.	Advocate	Whole of India.	
23.	Shri Ram Kishan Garg	Vakil, No. 6456, Rawatpara, Agra (U.P.)	Vakil Agra	Agra District.	

1	2	3	4	5	6
24.	Shri C. H. Pardiwala	Solicitor, C/o M/s.Crowford Bayley & Co., State Bank Bldgs., Bank St. Bombay.	Solictor	Whole of India	—
25	Shri Sachindra C San	Attorney-at-law Temple Chambers Ist Floor, 6 Old Post Office St. Calcutta.	Attorney	Calcutta	—
26.	Shri Subodh Kumar Mullick	Solicitor, C/o M/s. Sandersons & Morgans, Solicitors, Royal Insurance Bldgs., 5 & 7 Netaji Subhas Road, Calcutta.	Solicitor	Whole of India	—
27	Shri D.A Mehta	Adovcate, 43-B Hanuman Road, New Delhi.	Bar-at-Law	Union Territory of Delhi	—
28.	Shri Durga Prasad Tulsyan	Advocate, Jhunjhunu (Rajasthan).	Advocate	Jhunjhunu District (Rajasthan).	—
29.	Shri Jaswant Narain	Advocate, Udai Mandir Jodhpur (Rajasthan).	Advocate	Jodhpur (Rajasthan).	—
30.	Shri Manoharlal Girdharlal Doshit	Solicitor, C/o Bhai Shankar Kanga & Girdhar Lal, Solicitors, Gujarat Samachar Bhawan, Khanpur, Ahmedabad.	Attorney High Court Bombay	Gujarat & Maharashtra	—
31.	Shri Haider Mirza	Advocate, Phatak Sheikh Saleem Varanasi (U.P.)	Advocate	Varanasi Division (U.P.),	—
32.	Shri Noor Mohammed	Advocate, Udaipur (Rajasthan)	Advocate	Udaipur (District),	—
33.	Shri Sudhir Kumar Seal	C/o M/s. Sandersons & Morgans, Solicitors Royal Insurance Bldgs. 5 & 7 Netaji Subhash Road, Calcutta-1.	Solicitor	Whole of India.	—
34.	Shri Jitendra Nath Sanyal	C/o M/s Sandersons & Morgans, Solicitors Royal Insurance Buildings, 5 & 7 Netaji Subhas Road, Calcutta-1.	Solicitor	Whole of India	—
35.	Shri Indersen Israni	Advocate, J-54 Krishna Marg, Jaipur (Raj.)	Advocate	Jaipur City & District.	—
36.	Shri P. C Kurian	333, Thembu Chetty Street, Madras-1.	Advocate	Madras & Kerala.	—
37.	Shri Gurdyal Singh Sindhoo	No. 1 Dekoha Jullundur (Punjab)	Advocate	Jullundur District.	—
38.	Shri C. S Venkata-Subramanian	140, Cross Cut Road, Coimbatore-12	Advocate	Coimbatore District.	—
39.	Shri Pushkar Lal Juneja	F-2 Bhagat Singh Market, Lady Hardinge Road, New Delhi and F-1, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi.	Advocate	Whole of India.	—
40.	Shri Chuni Lal Bhatia	C4A/68C, Janakpuri, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
41.	Shri Jagan Nath	Moga, District Ferozepore (Punjab)	Advocate	Ferozepur Distt. with Headquarters at Moga. Also authorised to practice in and throughout Faridkot Distt. with Headquarters at Moga.	
42.	Shri Ramji Das Singal	Gurdwara Street, Bhatinda (Punjab)	Advocate	Bhatinda District.	—
43.	Shri G. V. Bhatt	M/s. Bhatt & Saldana Maker Bhawan, 63 New Marine Lines, Bombay-20.	Attorney & Advocate	Whole of India.	—
44.	Shri Deoraj Singh Tyagi	Advocate, Collectorate's Courts, Bullandshahr (U.P.)	Advocate	District Bulandshahr (U.P.)	—
45.	Shri Bal Krishan	Advocate, Hanumangarh Town, District Ganganagar (Rajasthan)	Advocate	District Ganganagar with Headquarters at Hanumangarh (Rajasthan).	—

1	2	3	4	5	6
46.	Shri S. R. Mehta .	Advocate Balotra (Rajasthan)	Advocate	District of Barmer and Jalore with Headquarters at Balotra (Rajasthan).	—
47.	Shri D. D. Kakkar . .	Advocate 36/9 East Patel Nagar, New Delhi-8.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
48.	Shri G. C. Verma . .	Advocate Oath Commissioner E/12, Gren Park New Delhi.	Advocate cum-Oath Commissioner.	Union Territory of Delhi	—
49.	Shri P. L. Gandhi . .	Advocate Opposite Gandhi Baug, Surat.	Advocate	Surat Distt.	—
50.	Shri A. R. Malkani . .	Advocate BBZ-N-6 Gandhidham (Kutch).	Advocate	Anjar Taluka of Kutch District.	—
51.	Shri N. C. Shah . .	C/o Khaitan & Co., Solicitors, 1-B Old Post Office Street Calcutta.-1.	Advocate Calcutta.	Calcutta and New Delhi.	—
52.	Shri T. Dulipsingh . .	C/o Messrs King & Partridge, 2nd Floor, Catholic Centre, Armanian Street, Post Box No. 121, Madras-1.	Advocate Madras.	Whole of India.	—
53.	Shri J. R. Gagrat . .	C/o M/s. Gagrat & Company, Alli Chambers, Nagindas Master Road Fort Bombay-1.	Advocate Bombay.	Whole of India.	—
54.	Shri R. Setlur . . .	C/o Crawford Baylay & Co., State Bank Bldgs. Bank Street, Bombay-1.	Attorney & Advocate Bombay.	Whole of India.	—
55.	Shri Brij Mohan Mehta .	13A/2, Rajinder Nagar, New Delhi-7.	Advocate New Delhi.	Union Territory of Delhi.	—
56.	Shri Nani Gopal Datta .	56/1, M. N. Sen Lane, Tollygunge, Distt. 24 Parganas, West Bengal	Advocate, Calcutta.	District 24 Parganas Alipore Calcutta.	—
57.	Shri Surjit Singh Sood .	23, Netaji Park Jullundar City (Punjab).	Advocate Jullundur.	Jullundur.	—
58.	Shri Jagjit Singh Bains . .	376-L Model Town Jullundur City (Punjab)	Advocate Julundur	Jullundur.	—
59.	Shri K. J. Khambata . .	Rajab Mahal, 144, Queens Road, Bombay-20.	Advocate, Bombay.	Whole of India.	—
60.	Shri Ambelal Bhauabhai Patel	Vaidya Street, P.O. Navsari District Bulsar (Gujarat).	Advocate	Bulsar District (Gujarat).	—
61.	Shri Punamchand Somchand Shah	C/o Messrs Purnanand and Co., Solicitors to Govt. of Gujarat 'Shradhe' Haridas Colony, Navjiwan Press Road, Ahmedabad-14	Advocate	Gujarat.	— —
62.	Shri B. T. Merchant . .	C/o Messrs Thakordas & Madgavkar, Fort Chambers, Dean Lane Fort, Bombay-400001.	Attorney & Advocate	Whole of India.	—
63.	Shri Rustam R Dadachanji .	Dhun Building, 1st Floor, 23/25 Ghoga Street, Fort Bombay.	Advocate	Greater Bombay.	—
64.	Shri H. M. Bhagat . .	C/o Ambubhai & Diwaji, Lentin Chambers, Dalal Street, Fort, Bombay. AND C/o Ambubhai & Diwanji, Solicitors & Advocates, Bank of India Building, Ahmedabad-380001.	Advocate and Solicitor.	Gujarat	—
65.	Shri H. V. Chhatrapati .	C/o Messrs Bhaishanker Kanga & Girdharilal, Manakji Wadia Building Bell Lane, Fort, Bombay400001. AND C/o Messrs Bhaisankar Kanga and Girdharlal, Gujarat Samachar Bhawan, Khanpur, Ahmedabad-380001.	Advocate and Solicitor.	Gujarat	—

1	2	3	4	5	6
66.	Shri G. S. Vyas .	35, Lavanuanagar Jivraj Park Road, Ellis Bridge, Ahmedabad-7	Advocate	Ahmedabad	—
67.	Shri Amar Singh . .	Jamiat Singh Road Moga, District Faridkot (Punjab).	Advocate	Moga Distt. Faridkot (Punjab).	—
68.	Shri B. M. Anita . .	C/o Messrs Mulla & Mulla & Craigie Blunt & Caroe, Solicitors and Notaries, Jahangir Wadia Building, 51 Mahatma Gandhi Road ,Bombay-500001.	Attorney & Advocate	Whole of India.	
69.	Shri B. P. Shukla . .	Rugnath Building Opp Town Hall Rajkot (Gujarat)	Advocate	Rajkot & Junagadh District.	—
70.	Shri B. K. Shah . . .	Mansukh Niwas Nani Chhipwad Baroda-6.	Advocate	Baroda	—
71.	Shri Ramesh J. Mehta .	Advocate, Nadiad District Kaira, Gujarat State.	Advocate	Kaira & Panchmahals Districts.	—
72.	Shri Amar Chand Dutt	C/o Messrs Fowler and Co., 12 Government Place, East., Calcutta-1.	Advocate	Calcutta	—
73.	Shri Vasantlal D. Mehta. .	C/o Malvi Ranchodas & Co., Solicitors and Advocates, Yusuf Building, Mahatma Gandhi Road, Fort Bombay-400001.	Solicitor	Maharashtra	—
74.	Shri Prakash Chand Jain .	82, Khurbara Dehradun.	Advocate	Judgeship of West Uttarkhand (U.P.) with office at Dehradun.	—
75.	Shri Moiz F. Karmalawala..	Churchgate Chambers 5, New Marine Lines, Room No. 611, 6th Floor Bombay-400020.	Solicitor	Whole of the State of Maharashtra with Hqr. at Bombay.	—
76.	Shri Darshan Singh . .	A-321, Defence Colony, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
77.	Mrs. K. V. Desai . .	5, Bharat Colony, Near Sardar Patel Colony, Ahmedabad-14.	Advocate	Ahmedabad	—
78.	Shri Mohinder Singh .	277, Sardar Gate Jullundur (Punjab).	Pleader	Jullundur	—
79.	Shri Rajendra Kumar Bhatt	S-401, Greater Kailash New Delhi-48.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
80.	Shri Narain Parshad Goyal	4082, Kutcha Dilwali Singh, Ajmeri Gate, Delhi-6.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
81.	Shri K. V. Thomas . .	Virajpet Coorg Distt. Karnataka.	Advocate	Coorg District.	—

[No. 22/1/77-Jus.]
R. VASUDEVAN, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

पुणा, 2 जून, 1976

आयकर

का०आ० 414—चूंकि केन्द्र सरकार का विचार है कि यह लोकहित की दृष्टि से आवश्यक एवं समीचीन है कि ऐसे निर्धारितियों के नाम एवं उनसे सम्बद्ध अन्य विवरण प्रकाशित कर दिये जाए जिनके मामलों में

1 अप्रैल, 1975 से 31 मार्च, 1976 की अवधि के दौर रु० एक लाख से अधिक की आयकर संबंधी मांगें बट्टे खाते डाली गई हैं।

अतएव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश दिया जाता है कि ऐसे निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित किये जाएं। निम्नलिखित सूची में ये नाम एतद्द्वारा प्रकाशित किये जा रहे हैं।

उन निर्धारितियों की सूची जिनके मामले में वित्तीय वर्ष 1975-76 में रु० एक लाख से अधिक की राशि बट्टे खाते डाली गयी थी (आयकर अधिनियम 1961, की धारा 287 के उपबन्धों के अधीन प्रकाशित)

क्र० सं०	निर्धारिती का नाम व पता	हैसियत	निर्धारण-वर्ष	बट्टे खाते डाली गयी राशि रु०	बट्टे खाते डालने/ माफ़ी घटाने के संक्षिप्त कारण
1	2	3	4	5	6
1.	श्री अब्दुल रजाक अहमद साहेब कोकनी नासिक	व्यक्ति	1950-51 1951-52 1952-53 1953-54 1954-55 1955-56 1956-57 1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64 1965-66	13,88,196	वसूली के लिए उपलब्ध आस्तियों का अधिकतम मूल्य रु० 4 लाख से अधिक नहीं है जब कि बकाया रु० 17,88,196 है, अतः रुपये 13,88,196 की रकम वसूल न हो सकने वाली रकम मानी गयी है और इसलिए बट्टे खाते डाली गयी है ।

टिप्पणी :—किसी व्यक्ति से प्राप्य कर राशि बट्टे खाते डाल दी गयी है इस कथन का आशय मात्र यह है कि आयकर विभाग की राय में, प्रकाशन की तिथि तक उपरोक्त राशि निर्धारिती की ज्ञात परिसंपत्तियों से वसूल नहीं की जा सकती थी । इस कथन के प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि यह राशि कानूनी तौर पर वसूल नहीं की जा सकती अथवा निर्धारिती की इस राशि की अदायगी के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है ।

[सं० प्रकाशन/ब०खा०/75-76 (वसूली)/पूना-1]

सी० एन० वैष्णव, आयकर आयुक्त

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

Pune, the 2nd June, 1976

INCOME TAX

S.O. 414—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to assessees in whose cases Income-tax demands over Rs. 1 lakh have been written off during the period from 1st April, 1975 to 31st March, 1976.

And now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act (43 of 1961) direct that the names and other particulars of the assessee's aforesaid be published. The same are hereby published as per the list below :-

List of the assessees in whose case amounts over Rs. One lakh were written off in the Financial Year 1975-76 (published under the provisions of Section 287 of the Income-tax Act, 1961.

Sr. No.	Name and address of the assessee	Status	Assessment Year	Amount written off (Rs.)	Brief reasons for write off/scaling down
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Abdul Razak Ahmed Saheb Kokani of Nasik	Individual	1950-51 1951-52 1952-53 1953-54 1954-55 1955-56 1956-57 1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64 1965-66	13,88,196	The maximum value of assets available for recovery will not exceed Rs. 4 lakhs whereas the arrears outstanding are Rs. 17,88,196. An amount of Rs. 13,88,196 is therefore considered as irrecoverable & hence written off.

NOTE :—The Statement that the tax due from a person has been written off only means that, in the opinion of the I.T Department, it cannot on the date of publication, be realised from the known assets of the assessee. The Publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from the liability to pay the amount in question.

[No. Pub/WO/74-75/(REC)/Pune-I]

C. N. VAISHNAV, Commissioner of Income-Tax

आय-कर

का०आ० 415.—चूंकि केन्द्र सरकार का विचार है कि यह लोकहित की दृष्टि से आवश्यक एवं समीचीन है कि ऐसे निर्धारितियों के नाम एवं उनसे सम्बद्ध अन्य विवरण प्रकाशित कर दिये जाएं जिनके मामलों में 1 अप्रैल, 1975 से 31 मार्च, 1976 की अवधि के दौरान रु० एक लाख से अधिक की आय-कर संबंधी मांगें बट्टे खाते डाली गई हैं ।

अतः एव आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश दिया जाता है कि ऐसे निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित किये जाएं । निम्नलिखित सूची में ये नाम एतद्द्वारा प्रकाशित किये जा रहे हैं ।

उन निर्धारितियों की सूची जिनके मामले में वित्तीय वर्ष 1975-76 में रु० 1 लाख से अधिक की राशि बट्टे खाते डाली गयी थी । (आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 287 के उपबंधों के अधीन प्रकाशित)

क्रम सं०	निर्धारिती का नाम व पता	हैसियत	निर्धारण-वर्ष	बट्टे खाते डाली गयी राशि रु०	बट्टे खाते डालने/ माफ़ी घटाने के संक्षिप्त कारण
1	2	3	4	5	6
1.	मैसर्स तिरुपति एंड कं० भवानी पेठ, सोलापुर	अ० प० फ०	1960-61 1961-62	4,00,673	वसूली योग्य कुल उपलब्ध आस्तियां मात्र रु० 7500 मूल्य की हैं । इस लिए रु० 4,00,673 की राशि वसूल न हो सकने वाली राशि मान ली गई है और बट्टे खाते डाल दी गई है ।

टप्पणी :— किसी व्यक्ति से प्राप्य कर राशि बट्टे खाते डाल दी गयी है इस कथन का आशय मात्र यह है कि आय कर विभाग की राय में, प्रकाशन की तिथि तक उपरोक्त राशि निर्धारिती की ज्ञात परिसंपत्तियों से वसूल नहीं की जा सकती थी। इस कथन के प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि यह राशि कानूनी तौर पर वसूल नहीं की जा सकती अथवा निर्धारिती को इस राशि की अदायगी के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

[सं० प्रकाशन/ब०खा०/74-75/(वसूली)/पूना-II]
डी० जी० प्रधान, आयकर आयुक्त

INCOME TAX

S.O. 415.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to assessees in whose cases Income-tax demands over Rs. 1 lakh have been written off during the period from 1st APRIL, 1975 to 31st MARCH, 1976.

And now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act (43 of 1961) direct that the names and other particulars of the assessees aforesaid be published The same are hereby published as per the list below.

List of the assessees in whose case amounts over Rs. One lakh were written off in the Financial Year 1975-76 (published under the provisions of Section 287 of the Income-tax Act, 1961).

Sr. No.	Name and address of the assessee	Status	Assessment Year	Amount written off (Rs.)	Brief reasons for write off/scaling down
1	2	3	4	5	6
1.	M/s. Tirupati & Co., Bhawani Peth Solapur.	URF	1960-61 1961-62	4,00,673	Assets available for recovery are worth Rs. 7,500 only. Amount of Rs. 4,00,673 is therefore considered irrecoverable and hence written off.

NOTE : The statement that the tax due from a person has been written off only means that, in the opinion of the IT Department, it cannot on the date of publication, be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from the liability to pay the amount in question.

[No. Pub/WO/74-75(REC)/Pune-II]
D.G. PRADHAN, Commissioner

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1976

आय-कर

का०आ० 416.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि उक्त वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान छूट के अधीन उसके द्वारा संग्रहीत निधियों का हिसाब पृथक से रखेगा।

(ii) यह कि ऐसी संग्रहीत निधियां समाज में विज्ञान अनुसंधान की अभिवृद्धि मात्र के लिए ही खर्च की जाएंगी।

(iii) उक्त विद्यापीठ भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान, परिषद्, नई दिल्ली को अपने द्वारा संग्रहीत निधियों और उन्हें व्यय करने की रीति दर्शाते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भेजेगा।

संस्था

वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान।

यह अधिसूचना 9-10-1976 से प्रभावी होगी।

[सं० 1567/फा० सं० 203/75/75 आईटीए-II]

(Revenue Wing)

New Delhi, the 30th November, 1976

INCOME TAX

S.O. 416.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the fulfilment of the following conditions :—

(i) That the Banasthali Vidyapith, Rajasthan shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.

(ii) That such funds shall be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences ; and

(iii) That the Vidyapith shall send an Annual Report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Banasthali Vidyapith, Rajasthan

This notification takes effect from 9-10-1976.

[No. 1567/F. No. 203/75/75-ITA.II]

आय-कर

का०आ० 417—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने श्री मल्लपुडी वेंकटरमणम्मा स्मारक अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र टानुकु (आन्ध्र प्रदेश) को आय -कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि उक्त संस्था वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया -कलापों की बाबत वार्षिक रिपोर्ट परिषद् को देगी ।

(ii) उक्त संस्था केवल अनुसंधान संबंधी कार्यों के लिए प्राप्त और व्यय की गई रकमों की बाबत जब-जब और जिस रीति से परिषद् द्वारा अपेक्षा की जाए, वार्षिक विवरणी देगी ।

संस्था

श्री मल्लपुडी वेन्कटरमणम्मा अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र टानुकु (आन्ध्र प्रदेश)

यह अधिसूचना प्रकाशन की तारीख से दो वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी होगी ।

[सं० 1569/फा० सं० 203/167/76-आई० टी० ए०-II]

INCOME TAX

S.O. 417.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 on the following conditions :—

(i) The institute will submit annual report regarding its research activities to the Council.

(ii) The institute will submit yearly returns about the amounts received and spent exclusively for research work in the manner as and when required by the Council.

INSTITUTION

SREE MULLAPUDI VENKATARAMANAMMA MEMORIAL HOSPITAL & RESEARCH CENTRE, TANUKU, (ANDHRA PRADESH).

This notification will be effective for a period of two years from the date of this notification.

[No. 1569/F. No. 203/167/76-ITA. II]

आय-कर

का०आ० 418—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि उक्त विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा ।

(ii) उक्त विश्वविद्यालय प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं ।

संस्था

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला ।

यह अधिसूचना 25-6-1976 से प्रभावी होगी ।

[सं० 1568/फा० सं० 203/94/76-आई० टी० ए०-II]

INCOME TAX

S.O. 418.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of Sub-section (i) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

(i) That the Himachal Pradesh University, Simla will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

(ii) That the said University will furnish the annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

The Himachal Pradesh University, Simla.

This notification takes effect from 25-6-1976.

[No. 1568/F. No. 203/94/76-ITA.II]

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1976

आय-कर

का०आ० 419—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश) को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि उक्त विश्वविद्यालय वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा ।

(ii) उक्त विश्वविद्यालय प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया कलापो की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेंगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और से सूचित किए जाएं ।

संस्था

श्री वेन्कटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश)

यह अधिसूचना 13-8-1976 से प्रभावी होगी ।

[सं० 1570/फा० सं० 203/126/76-आई० टी० ए० II]

New Delhi, the 3rd December, 1976

INCOME TAX

S.O. 419.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

(i) That Sri Venkateswara University, Tirupati will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

(ii) That the said University will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Sri Venkateswara University, Tirupati, (Andhra Pradesh).

This notification takes effect from 13-8-1976.

[No. 1570/F. No. 203/126/76-ITA.II]

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1976

का० आ० 420.—अधिसूचना सं० 1076 (फा० सं० 203/75 आई० टी० ए० II) तारीख 9 सितम्बर 1975 के अनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था को विहित प्राधिकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए 1 अप्रैल, 1976 से तीन वर्ष की और अवधि के लिए अनुमोदित किया है।

संस्था

कर्नाटक इंस्टीच्यूट आफ अप्लाइड एग्रीकल्चर रिसर्च, समीरवाड़ी, जिला बीजापुर, मैसूर।

[सं० 1573/फा० सं० 203/81/86-आई०-टी०ए०-II]

टी० पी० झुनझुनवाला, निदेशक

New Delhi, the 7th December, 1976

INCOME TAX

S.O. 420.—In continuation of Notification No. 1076 (F. No. 203/47/75-ITA.II) dated 9th September, 1975, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (il) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, for a further period of three years with effect from 1st April, 1976.

INSTITUTION

Karnataka Institute of Applied Agricultural Research, Sameerawadi, District Bijapur, Mysore.

[No. 1573/F. No. 203/81/76-ITA.II]

T. P. JHUNJHUNWALA, Director

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1977

का० आ० 421.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री पी० सी० नायक को श्री आर० वी० रामन् के स्थान पर भारतीय औद्योगिक वित्त निगम का निदेशक एतद्द्वारा नामित करती है।

[सं० एफ० 2(66)-आई० एफ० आई/76]

वी० के० शुगलू, निदेशक

New Delhi, the 13th January, 1977

S.O. 421.—In pursuance of clause (b) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) the Central Government hereby nominates Shri P. C. Nayak, Joint Secretary, Department of Industrial Development as a Director of the Industrial Finance Corporation of India vice Shri R. V. Raman.

[No. F. 2(66)-IFI/76]

V. K. SHUNGLU, Director

भारतीय रिजर्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

New Delhi, the 19th January, 1977

का० आ० 422.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में जनवरी 1977 के दिनांक 7 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

S. O. 422:—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 7th day of January, 1977

इशु विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपए Rs.	रुपए Rs.	आस्तियां Assets	रुपए Rs.	रुपए Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	8,64,42,000		सोने का सिक्का और बुलियन :— Gold Coin and Bullion:—		
संचलन में नोट Notes in circulation			(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	182,52,44,000	
जारी किए गए कुल नोट	7406,08,62,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India		
Total notes issued		7414,73,04,000	विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	921,73,97,000	
			जोड़ Total		1104,26,41,000
			रुपए का सिक्का Rupee Coin		15,07,33,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6295,39,30,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
कुल देयताएं Total Liabilities		7414,73,04,000	कुल आस्तियां Total Assets		7414,73,04,000

दिनांक 12 जनवरी, 1977
Dated 12th day of January, 1977

के० आर० पुरी, गवर्नर
K. R. PURI, Governor,

7 जनवरी, 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 7th January, 1977

देयताएं Liabilities	रुपए Rs.	आस्तियां Assets	रुपए Rs.
चुकता पूंजी		नोट	
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	8,64,42,000
आरक्षित निधि		रुपए का सिक्का	
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	4,35,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि		छोटा सिक्का	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	Small Coin	3,70,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि		खरीदे और भुनाए गए बिल	
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन) प्रवर्तन निधि		(क) देशी	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	(a) Internal	162,43,26,000
जमाराशियां.—		(ख) विदेशी	
Deposits:—		(b) External	..
(क) सरकारी		(ग) सरकारी खजाना बिल	
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	213,82,93,000
(i) केन्द्रीय सरकार		(i) विदेशों में रखा हुआ बकाया	
Central Government	61,43,71,000	Balances Held Abroad	1359,20,93,000
(ii) राज्य सरकारें		निवेश	
State Governments	13,13,23,000	Investments	42,57,74,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम	
(b) Banks		Loans and Advances to:—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक		(i) केन्द्रीय सरकार को	
Scheduled Commercial Banks	769,00,35,000	Central Government	..
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक		(ii) राज्य सरकारों को	
Scheduled State Co-operative Banks	26,94,95,000	State Governments	96,44,76,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक		ऋण और अग्रिम	
Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,72,33,000	Loans and Advances to:—	
(iv) अन्य बैंक		(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को	
Other Banks	82,82,000	Scheduled Commercial Banks	936,23,94,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	
		State Co-operative Banks	360,95,31,000
		(iii) दूसरों को	
		Others	4,35,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम.—	
		(a) Loans and Advances to:—	
		(i) राज्य सरकारों को	
		State Governments	75,44,56,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	
		State Co-operative Banks	17,68,90,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को	
		Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को	
		Agricultural Refinance & Development Corporation.	138,45,00,000
(ग) अन्य		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	
(c) Others	1932,88,41,000	(b) Investment in Central land Mortgage Bank Debentures	9,04,16,000

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable		104,50,59,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund		
अन्य देयताएं Other Liabilities		752,56,70,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks		85,75,44,000
			राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long term Operations) Fund		
			(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank . . .		478,72,56,000
			(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किए गए बाडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank		
			अन्य आस्तियां Other Assets . . .		913,16,13,000
	रुपए Rupees	4903,03,09,000		रुपए Rupees	4903,03,09,000

के० आर० पुरी, गवर्नर
K. R. PURI, Governor
[सं० एफ० 10/2/77-बी० ओ० आई०]
[No. F. 10/2/77-B.O.I.]
च० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव
C. W. MIRCHANDANI, Under Secy

दिनांक : जनवरी, 1977
Dated : 12th day of January, 1977

जैसा नियम 5 के खण्ड (घ) में उल्लिखित है, इस शक्ति का प्रयोग युनाइटेड किंगडम में भारत के हाई कमिशनर करेंगे।"

[सं० फा० 14(6)-ई० बी० ए०, 76]

(व्यय विभाग)

मई दिल्ली, 10 जनवरी, 1977

का० आ० 423.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारतीय संपरीक्षा और लेखा विभाग में काम करने वाले व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, सिविल पेन्शन (संराशिकरण) नियमों में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम सिविल पेन्शन (संराशिकरण) संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सिविल पेन्शन (संराशिकरण) नियमों में, नियम 2क के स्थान पर निम्नलिखित नियम की रखा जाएगा, अर्थात्:—

"2क. पेन्शन के संराशिकरण की मंजूरी की शक्ति का प्रयोग कार्यालयाध्यक्ष करेगा। भारत से बाहर पेन्शन लेने वालों के संबंध में,

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 10th January, 1977

S.O. 423.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Civil Pensions (Commutation) Rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Civil Pensions (Commutation) Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Civil Pensions (Commutation) Rules, for rule 2A, the following rule shall be substituted, namely :—

"2A. The power to sanction commutation of pension shall be exercised by the Head of Office. In respect

of persons who draw pension outside India, as mentioned in clause (d) of rule 5, this power shall be exercised by the High Commissioner for India in the United Kingdom"

[No. F 14(6)-EVA/76]

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1977

का० आ० 424.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक तथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग मे सेवा कर रहे व्यक्तियो के सबध मे नियत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, सिविल पेंशन (संराशिकरण) नियम मे और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् –

1 (1) इन नियमो का नाम सिविल पेंशन (संराशिकरण) (दूसरा संशोधन) नियम, 1977 है ।

(2) ये 11 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2 सिविल पेंशन (सराशिकरण) नियम मे, नियम 6 के खंड (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् —

"(2) इस नियम के खंड (3) में उपबधो तथा खंड (1) के परन्तुक मे आवेदन की वापसी की बाबत उपबधो के अधीन रहते हुए, संराशिकरण आत्यन्तिक हो जाएगा, अर्थात् जिस तारीख को चिकित्सा बोर्ड/प्राधिकारी चिकित्सा-प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करता है उस तारीख को पेंशनभागी सराशिकृत रकम प्राप्त करने का हकदार हो जायगा । सराशिकृत मूल्य का संदाय यथासंभव शीघ्र किया जायेगा किन्तु असमर्थ व्यक्ति की दशा मे तब तक कोई संदाय नही किया जायेगा जब तक सराशिकरण की लिखित स्वीकृति प्राप्त नहीं हो जाती अथवा वह अवधि समाप्त नही हो जाती जब तक संराशिकरण के आवेदन को वापस लिया जा सकता है । संराशिकरण के परिणामस्वरूप पेंशन की रकम में से कमी करना, पेंशनभोगी द्वारा पेंशन के संराशिकृत मूल्य की प्राप्ति की तारीख से अथवा महालेखापाल द्वारा पेंशनभोगी को पेंशन के सराशिकृत मूल्य का सग्रहण कर लेने के लिए प्राधिकार जारी करने के तीन मास के पश्चात्, दोनो मे से जो भी पूर्वतर हो, प्रभावी हो जाएगा । खजाना अधिकारी, महालेखापाल को समुचित करते हुए, इस तारीख को पेंशन संदाय आदेश के दोनो भागो मे वर्ज करेगा।"

व्याख्यात्मक ज्ञापन

सिविल पेंशन (सराशिकरण) नियमो मे, इस मामले मे सरकार के निर्णय की तारीख से लाभ देने के लिए पूर्वव्यापी तारीख से प्रभाव देकर, संशोधन कर दिया गया है । पूर्व-व्यापी संशोधन के कारण किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नही पड़ेगा।

[सख्या 14(2)-सस्था V (ए)/75]

एस० एस० एल० मल्होत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 14th January, 1977

S O. 424.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Civil Pensions (Commutation) Rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Civil Pensions (Commutation) (Second Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 11th day of July, 1975.

2 In the Civil Pensions (Commutation) Rules, for clause (2) of rule 6 the following shall be substituted, namely :—

"(2) Subject to the provisions contained in clause (3) and subject to the provisions for withdrawal of an application contained in the proviso to clause (1) of this rule, the commutation shall become absolute that is, the pensioner shall become entitled to receive the commuted value, on the date on which the Medical Board or Authority signs the medical certificate. Payment of the commuted value shall be made as expeditiously as possible, but in the case of an impaired life no payment shall be made until either a written acceptance of the commutation has been received or the period within which the application for the commutation may be withdrawn has expired. The reduction in the amount of pension on account of commutation shall become operative from the date of receipt of the commuted value of the pension by the pensioner or three months after the issue of the authority asking the pensioner to collect the commuted value of pension by the Accountant General, whichever is earlier This date will be entered in both halves of the Pension Payment Order by the Treasury Officer under intimation to the Accountant General."

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Civil Pensions (Commutation) Rules have been amended with retrospective effect to extend the benefit from the date of the Government decision in the matter. The interest of no one would be prejudicially affected by reason of the retrospective amendment.

[No. 14(2)-EV(A)/75]

S S L MALHOTRA, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1976

आय-कर

का० आ० 425.— आयकर केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए अधिसूचना स० 1445 [फा० सं० 191/30/76 आ० का० (एI)], तारीख 20-8-76 और अधिसूचना स० 1487 तारीख 16-9-76 द्वारा यथासशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 [फा० सं० 189/2/74 आ० का० (एI)] तारीख 20-7-74 मे निम्नलिखित सशोधन करता है । अनुसूची के स्तंभ 1 से 3 के नीचे की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

आय-कर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
19 पुणे 1	पुणे	1 क–वार्ड, पुणे, ख–वार्ड, पुणे, ग–वार्ड, पुणे, घ–वार्ड, पुणे, छ–वार्ड, पुणे, ङ–वार्ड, पुणे, ढ–वार्ड, पुणे, त–वार्ड, पुणे, थ–वार्ड, पुणे, द–वार्ड, पुणे, भ–वार्ड, पुणे, एस एस सी-1, पुणे, वाणिज्य सर्किल-1, पुणे और वाणिज्य सर्किल-11, पुणे । 2 अहमदनगर 3 बारसी

1	2	3
		4. इचलकरंजी 5. कोलाबा 6. कोल्हापुर 7 रत्नगिरि 8 सांगली 9. सातारा 10. शोलापुर
19क पुणे-II	पुणे	1 घ–वार्ड, पुणे च–वार्ड, पुणे, ज–वार्ड, पुणे, झ–वार्ड, पुणे, ट–वार्ड, पुणे, ठ–वार्ड, पुणे, त–वार्ड, पुणे, घ–वार्ड, पुणे, न–वार्ड, पुणे, प–वार्ड, पुणे, साधारण मुख्यालय सर्किल-I, पुणे, साधारण मुख्यालय सर्किल-II, पुणे साधारण मुख्यालय सर्किल-III, पुणे वेतन और प्रतिदाय सर्किल-I, पुणे वेतन और प्रतिदाय सर्किल-II, पुणे वेतन और प्रतिदाय सर्किल-III, पुणे वेतन और प्रतिदाय सर्किल-IV, पुणे और एस एस सी - II पुणे 2 धूलिया 3 जलगाव 4 मालेगांव 5. नासिक 6. पलगढ़ 7 थाणा

[सं० 1575/फा० सं० 191/30/76-आयकर (ए-I)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 9th December, 1976

INCOME TAX

S.O. 425.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to its notification No. 679 (F. No. 187/2/74-IT (AI) dated 20-7-74, as amended by Notification No. 1445 (F. No. 191/30/76-IT (AI) dated 20-8-76 and Notification No. 1487 dated 16-9-76. The existing entries under Col. 1 to 3 of the Schedule shall be substituted by the following :—

Commissioner of Income-tax	Head-quarters	Jurisdiction
1	2	3
19. Pune-I	Pune	1. A-Ward, Pune, B-Ward, Pune, C-Ward, Pune E-Ward, Pune, G-Ward, Pune, M-Ward, Pune, N-Ward, Pune, R-Ward, Pune, S-Ward, Pune, W-Ward, Pune, X-Ward, Pune, SSC-I, Pune, Com. Circle-I, Pune and Com. Circle-II, Pune.
		2. Ahmednagar. 3. Barsi. 4. Ichalkaranji. 5. Kolaba. 6. Kolhapur. 7. Ratnagiri. 8. Sangli. 9. Satara. 10. Sholapur.
19A. Pune-II	Pune	1. D-Ward, Pune, F-Ward, Pune, H-Ward, Pune, J-Ward, Pune, K-Ward, Pune, L-Ward, Pune, P-Ward, Pune, Q-Ward, Pune, T-Ward, Pune, U-Ward, Pune, G.H.Q. Circle-I, Pune, G.H.Q. Circle-II, Pune, G.H.Q. Circle-III, Pune. Salaries & Refunds Circle-I, Pune, Salaries and Refunds Circle II, Pune, Salaries and Refunds Circle-III, Pune, Salaries & Refunds Circle-IV, Pune, and S.S.C.-II, Pune.
		2. Dhule 3. Jalgaon 4. Malegaon 5. Nasik. 6. Palghar 7. Thane.

[No. 1575/F.No. 191/30/76-IT (AI)]

M. SHASTRI, Under Secy

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कानपुर

कानपुर, 13 दिसम्बर, 1976

का० आ० 426.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173–छ के उपनियम (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्द्वारा 'कार्बन ब्लैक की छोड़ रबर के मामले में एक मूल कच्ची सामग्री के रूप में निर्धारित करता हूं। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क लगने योग्य अथवा अन्य माल के विनिर्माण में उपयुक्त कच्ची सामग्री और संघटकों का लेखा, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के अध्याय 7क में निरूपित है प्रत्येक निर्धारिती को, जो स्वयं निकासी प्रक्रिया के अधीन काम करता हो, स्वयं निकासी प्रक्रिया की पुस्तिका के परिशिष्ट 2 के फार्म V में रखना होगा।

[अधिसूचना सं० 8/1976/पत्रांक V (16क) (30) 103-प्रा० VI 76/56988]

कु० श्री दिलिपसिंहजी, समाहर्ता

(Central Excise Collectorate, Kanpur)

Kanpur, the 13th December, 1976

S.O. 426.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (4) of Rule 173-G of the Central Excise Rules, 1944, I hereby prescribe Carbon Black as one of the principal raw materials in the case of Tread Rubber, on account of which shall be maintained in Form IV Annexure II of the S.R.P. Hand Book by every assessee working under the Self Removal Procedure laid down in Chapter VIIA of the Central Excise

Rules, 1944 for accounting of raw materials and components consumed in the manufacture of excisable or other goods.

[Notification No. 8/76/C. No. V(16A) (30) 103/Tech/VI/76/56988]

K. S. DILIPSINGJI, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय (केन्द्रीय लाईसेंस क्षेत्र) नई दिल्ली

रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1976

का० आ० 427.—सर्वश्री गोविन्द राम किशन चन्द, 2725—कूचा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली-6 को अपरिष्कृत दवा का आयात करने के लिए 13,750-रुपए के लिए आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1807268, दिनांक 15-6-74 प्रदान किया गया था। उन्होंने बताया है कि उस लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति बिल्कुल उपयोग में लाए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. पार्टी ने उक्त बयान के समर्थन में, आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक, 1976-77 की कंडिका 320 के अन्तर्गत एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

3. आयात व्यापार नियंत्रण आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी० सी०) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर, मैं उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूं।

4. आवेदक ने बिना उपयोग में लाए उक्त लाइसेंस को रद्द करने के लिए वापस कर दिया है।

[सं० पी/जी-10/ए एम-75/एयू-यूटी/सी एल ए/3512]

के० आर० धीर, उप-मुख्य नियंत्रक, कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports) (Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 2nd November, 1976

S.O. 427.—M/s. Gobind Ram Kishan Chand, 2725, Kucha Chellan, Daiya Ganj, Delhi-6 were granted import licence No. P/S/1807268 dated 15-6-1974 for Rs. 13750 for import of Crude Drugs. They have reported that Custom Purposes copy of the same have been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. The firm has filed an affidavit in support of the above statement as required under Para 320 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1976-77. I am satisfied that the original custom purpose copy of the above licence has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(66) of Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended, I order the cancellation of the said original custom purpose copy of the said licence.

4. The applicant has surrendered the said licence unutilised for cancellation.

[No. P/G-10/AM-75/AU-UT/CLA/3512]

K. R. DHEER, Dy. Chief Controller for Joint Chief Controller

नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1977-01-03

का० आ० 428.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 68 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए है, लाइसेंसधारियों को मानक संबंधी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए माह अगस्त 1975 में स्वीकृत किए गए है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल०)	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी IS : पदनाम
1	2	3	4	5	6
1.	सी एम/एल—4539 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	एसाएड केमिकल इंडस्ट्रीज, हैजो रोड, अमीनगांव, गुवाहाटी (कार्यालय. जी० एन बारदोली रोड, गुवाहाटी 781003, (असम)	बी०एच०सी० जलविसर्जनीय धूलन पाउडर IS : 562—1972
2.	सी एम/एल—4540 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	एच० डी, अजमेरा एण्ड कं०, डाकघर पत्थरडीह,, जिला धनबाद (बिहार), (कार्यालय: 22 कौनिंग स्ट्रीट कलकत्ता-1)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786—1966
3.	सी एम/एल—4541 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	श्रीफार्म केमिकल्स (प्रा०) लि०, सी०—485 इंडस्ट्रियल एस्टेट, बारगल-7	बी०एच०सी० जल विसर्जनीय तेजचूर्ण IS : 562—1972
4.	सी एम/एल—4542 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	रैलिस इंडिया लिमिटेड, (फर्टिलाइजर्स एण्ड पेस्टीसाइड्स विभाग), टाटा फाइन पेस्टीसाइड्स फार्मूलेटिंग इकाई) 431/34 वलराजेश्वर रोड, मुलुंद, बम्बई-80	एल्ड्रिन धूलन पाउडर— IS : 1308—1974
5.	सीएम/एल—4543 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	तथैव	क्लोरडोन धूलन पाउडर— IS : 2864—1973

1 2	3	4	5	6
6. सीएम/एल—4544 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	ऐग्रीमम कैमिकल्स प्रा० लि०, प्लाट संख्या एच—2 एम ग्राई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, तलोजा, पनवेल तालुक, कोलाबा जिला (महाराष्ट्र)	डी डी टी पायसनीय तेजद्रव— IS : 633—1956
7. सीएम/एल—4545 11-8-1975	16-7-1975	15-7-1976	मधुसूदन इंडस्ट्रीज, 21/4 इलय्या मुदाली स्ट्रीट मद्रास—600081 (कार्यालय: 2/40 गोडाउन स्ट्रीट, मद्रास)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1972
8. सीएम/एल—4546 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	मर्दन इंसेक्टीसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स 1-ए-जेड इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रम्बात्तूर-मद्रास—600090।	डी डी टी पायसनीय तेजद्रव— IS : 633—1956
9. सीएम/एल-4547 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	इंडियन ग्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड, एडीशनल कोल यार्ड एरिया, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास उनके एजेंट के माध्यम से दि साउथ इंडिया एक्सपोर्ट क० लि०, पी० बी० संख्या 37 मद्रास—60000।	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786—1966
10. सीएम/एल- 4548 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976.	स्वदेशी मेटल्स प्रा० लि०, 659, इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961
11. सीएम/एल—4549 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	हिन्दुस्तान फाउंड्री एण्ड इंजी० कारपोरेशन ई एस ग्राई ग्रस्पताल के सामने, ग्रजमेर रोड, जयपुर—ए 302006	फ्लश की टंकियां (वाल्व रहित साइफननुमा 12.5 लिटर समाई वाली,— IS : 774—1971
12. सीएम/एल—4550 11-8-1975	1-8-1975	31-7-1976	रामकृष्ण कुलवतराय स्टील्स लि०, 403-टी एच रोड, तिरुवात्तियूर, मद्रास-19 कार्यालय. ग्रम्मुदास स्ट्रीट, मद्रास-1	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
13. सीएम/एल—4551 11-8-1975	1-8-1975	31-7-1976	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
14. सीएम/एल—4552 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	दि इंडियन ट्रांसफार्मर्स लिमिटेड, एच एम टी रोड, कालमासरी ग्रलवाय-4 (केरल)	पावर ट्रांसफार्मर 3 फेजी, 160 कि वो ग्र, 11000/433 वोल्ट— IS : 2026—1962
15. सीएम/एल—4553 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	श्री गणेश पुल्वाराइजिंग मिल्स पतेरी रोड, कन्नकुरिची सलेम-8 (तमिलनाडु)	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564—1961
16. सीएम/एल—4554 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	उषा एल्वायज एण्ड स्टील्स लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, ग्रादित्यापुर, जमशेदपुर	स्वचल गाड़ियों के निलम्बन के लिए शाखनुमा कुण्डलीदार और परतदार कमानियों के लिए इस्पात (केवल इंगट)— IS : 3431—1965
17. सीएम/एल—4555 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	जी० ग्रार० स्टील एण्ड एल्वायज प्रा० लि०, के० ग्रार० पुरम, व्हाइट-फील्ड रोड, व्हाइटफील्ड, बंगलौर छावनी (कार्यालय 150/3, न्यू कलासीपलयम् एक्सटेंशन, बंगलोर-560002)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
18. सीएम/एल—4556 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	नार्दन मिनरल्स (प्रा०) लि०, दौलताबाद रोड, गुड़गांव (हरयाणा)	मालाथियोन पायसनीय तेजद्रव — IS : 2567—1973
19 सीएम/एल—4557 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	एलाइण्ड स्टील्स लि०, तातीबंद डाकघर तातीबंद, रायपुर (म० प्र०) (कार्यालय 1ए—ग्रलीपुर एवेन्यू, कलकत्ता-27)	परतदार कमानियां बनाने में प्रयुक्त इस्पात (रेल के डिब्बों के लिए) केवल इंगट)— IS . 3885(भाग 1)—1966

1	2	3	4	5	6
20.	सीएम/एल–4558 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	खानदेश पेस्टीसाइड्स प्रा० लि०, स्टेशन रोड, धरनगांव, जिला जलगांव, (महाराष्ट्र)	एल्ड्रिन पायसनीय तेजद्रव— IS : 1307–1973
21.	सीएम/एल–4559 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	रामकिशन इस्पात लि०, सी-7 तलोजा इंडस्ट्रीयल एरिया, गांव पंढर ग्रौर पढ़घे तालुक पनवेल (कार्यालय : 32/34 अशोक चैम्बर्स भड़ोच स्ट्रीट, बम्बई-400009)	संरचना इस्पात (मानक किस्म के रूप में वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट इंगट— IS : 6914–1973
22.	सीएम/एल–4560 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट इंगट— IS : 6915–1973
23.	सीएम/एल–4561 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	कामधेनु पेस्टीसाइड्स, 50-ए, हेडाप्सर इंडस्ट्रियल इस्टेट, पुणे-13 (कार्यालय कृषि भवन, भवानीपैठ, पुणे-2)	डी डी टी जल विसर्जनीय तेजद्रव— IS : 565–1963
24	सीएम/एल–4562 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	माधवी स्टील कम्पनी, प्लाट संख्या 12, एम आई डी सी एरिया, तलोजा, जिला कोलाबा (कार्यालय : 99 महावीर दर्शन चौथी मंजिल, नरसीनाथ स्ट्रीट बम्बई-400069)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां विलेट इंगट— IS : 6914–1973
25.	सीएम/एल–4563 11-6-1975	16-8-1975	15-8-1976	अंटिया लोहा शिल्प प्रतिष्ठान, 52/9, कैनाल पूर्व रोड, कलकत्ता-11 (कार्यालय : 4 नारिकेलडांगा मेनरोड, कलकत्ता-11)	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10–1970
26.	सीएम/एल–4564 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	दुर्गा मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, 8-कासीपुर रोड, कलकत्ता-2	निम्नलिखित टाइप के ऐस्बेस्टास सीमेंट के फिटिंग— गादे मुड़े 101.6 मि मि साइज एक जंकशन 76.2 मि मी साइज के जूते 76.2 मि मि— साइज के— IS : 1626–1970
27.	सीएम/एल–4565 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	नेशनल इंसुलेटेड केबल कं० ऑफ इंडिया लिमिटेड, शामनगर पूर्व रेलवे, 24-परगना (पं० बंगाल) (कार्यालय : 'निक्को हाउस' ह्रेयर स्ट्रीट, कलकत्ता 700001 (पं० बंगाल)	विस्फोट के लिए प्रयुक्त केबल, पी वी सी रोधित: (1) एक छर्रा दुहरी कोर वाले (2) बहु-छर्रा इकहरी कोर वाले IS : 5960–1971
28.	सीएम/एल-4566 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	,,	कोयला खानों में उपयोग के लिए रबड़ रोधित लचकीले ट्रेलिंग केबल, टाइप एफ टी 4 और एफ टी डी-3— IS : 691–1966
29.	सीएम/एल-4567 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	विजय स्टील रोलिंग मिल्स (प्रा०)लि०, प्लाट संख्या 37, पीन्या इंडस्ट्रियल एरिया, II फेज, बंगलोर-22 (कार्यालय : 270 पैलेस अपर आर्चर्ड, बंगलोर-6)	ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786–1966
30.	सीएम/एल-4568 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	स्टील (इंडिया) प्रा० लि०, ई-37, चिकलठाणा इंडस्ट्रियल एरिया, औरंगाबाद (कार्यालय : 14, भगवान मैंशन सिनेमा रोड, बम्बई-400020)	पूर्व प्रबलित कंक्रीट के लिए खांचदार तार— IS : 6003–1970

1	2	3	4	5	6
31.	सीएम/एल-4569 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	माकमारी स्टील एण्ड एलायज लि०, 39, एम ग्राई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, हिंगणा रोड, नागपुर-16	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट-इंगट-- IS : 6915-1973
32.	सीएम/एल-4570 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	इंडस्ट्रियल कैमिकल्स एण्ड मिनरल्स, 25-बी लोनी रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, मोहन नगर, गाजियाबाद	मालाथियोन धूलन पाउडर IS : 2568-1973
33	सीएम/एल-4571 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	जयपुर मेटल्स एण्ड इलैक्ट्रीकल्स लि०, निकट रेलवे स्टेशन, जयपुर	ए० सी० बिजली के मीटर: (1) एक फेजी 2 तार पूर्ण धारा वाटघंटा मीटर, 2.5-5 अम्पी रेटिंग श्रेणी 2.0 के-- IS : 722(भाग 2)--1969 (2) तीन फेज 4-तार की सप्लाई के असंतुलित भार के लिए 3×100/5 अम्पी रेटिंग के ट्रांसफार्मर चालित वाटघंटा मीटर श्रेणी 2.0 IS : 722(भाग 3)-1966 (3) तीन फेज 4 तार की सप्लाई के असंतुलित भार के लिए 10 और 20 अम्पी रेटिंग के पूर्ण धारा वाटघंटा मीटर, श्रेणी 2.0 IS : 722 (भाग 3)-1966
34.	सीएम/एल-4572 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	मराठवाड़ा एलॉय स्टील्स कं० लि०, प्लाट संख्या ई-36, एम ग्राई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, चिकलठाणा, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	परतदार कमानियां (रेल के डिब्बों के बनाने के लिए इस्पात (केवल इंगट) IS : 3835 (भाग 1)-1966 और IS : 3835 (भाग 2)-1966
35.	सीएम/एल-4573 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	काना फ्लेवरिंग इंडस्ट्रीज, ए-15 रायल इंडस्ट्रियल इस्टेट, नईगांव क्रास रोड, वडाला बम्बई-400031	कोलतार से बनी खाद्य रंग निर्मितियां और मिश्रण-- IS : 5346-1975
36.	सीएम/एल-4574 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	हिन्दुस्तान मिनरल प्रोडक्ट्स कं० प्रा०, लि०, 27 मैंगनीज डिपो, सेवरी, बम्बई-15 (कार्यालय : 111 इंडस्ट्रियल एरिया, सायन-बम्बई-22)	कार्बेरिल धूलन पाउडर IS : 7122-1973
37.	सीएम/एल-4575 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	हिन्दुस्तान स्टील लि०, सेक्टर 5 फरीदाबाद (हरयाणा)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया IS : 1786-1966
38.	सीएम/एल-4576 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	मर्करी रबड़ मिल्स, 18, 7वां मील, जी टी करनाल रोड, गांव रसोई, तहसील सोनीपत (हरयाणा)	सामान्य कार्यों के लिए वाहकों (कनवेयरों) और एलिवेटरों के रबड़ चढ़े कैनवस के पट्टे, ग्रेड 'ग्रार' IS : 1891 (भाग 1)-1968
39.	सीएम/एल-4577 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	रैलिस इंडिया लिमिटेड, टाटा फाइसन वेस्टोसाइड्स फार्मूलेटिंग इकाई, पम्पापल्लम डाकघर, पालघाट-7	डाइमेथोएट पायसनीय तेज द्रव की दुबारा भराई-- IS : 3903-1975
40.	सीएम/एल-4578 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	के० एम० ऐसोसिएट्स (प्रा०) लि०, 16, कोहनूर बिल्डिंग, 105 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16	स्वतः सुरक्षित संकेत घंटी के लिए ज्वालासह खोल टी एस बी मार्क 1, 110/15 बो, 5 मिली ग्रो० ग्रुप-1-- IS : 2148-1968

1	2	3	4	5	6
41.	सीएम/एल-4579 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	एरिस ऐग्रोवेट इंडस्ट्रीज प्रा० लि० अगार्दा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल मेरोषी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई (कार्यालय: 304, कमकड़ चम्बर्स डा० ऐनीबसंत रोड, वर्ली, बम्बई-18)	मुर्गियों के चुग्गे के पूरक रूप में प्रयुक्त खनिज मिश्रण—— IS : 5672—1970
42.	सीएम/एल-4580 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	इंडस्ट्रियल केमिकल्स एण्ड मिनरल्स, 25-बी, लोनी रोड, इंडस्ट्रियल एरिया मोहन नगर, गाजियाबाद (उ०प्र०)	बी एच सी धूलन पाउडर IS : 561—1972
43.	सीएम/एल-4581 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	नर्दर्न इंडिया फाइनेन्स कम्पनी, 20/3वां मील, मथुरा रोड, फरीदाबाद-1 (हरियाणा)	रचचल गाड़ियों में निलम्बन के लिए प्रयुक्त शंखनुमा, कुण्डलीदार और परतदार कमानियों के लिए इस्पात ग्रेड 55Si7एम एन 90 IS : 3431—1965
44.	सीएम/एल-4582 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	,,	गढ़ी वस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात की सरिया—— IS : 1875—1971
45.	सीएम/एल-4583 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	चैम्पियन पेंट कलर एण्ड वार्निश कम्पनी, ए-5/1, ग्रुप 2 इंडस्ट्रियल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110032	खिड़कियों के चौखटों के लिए प्रयुक्त पुट्टी—— IS : 419—1967
46.	सीएम/एल-4584 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	हिन्दुस्तान कोकोकु वायर लि०, 12/2वां मील, मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिए तार IS : 1785 (भाग 1)—1966, और IS : 1785 (भाग 2)—1967
47.	सीएम/एल-4585 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	बी०आर० हरमन एण्ड मोहट्टा (वारुणी) प्रा० लि०, मुर्बेद रोड, उल्हासनगर, जिला ठाणे (महाराष्ट्र)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट इंगट — IS : 6915—1973
48.	सीएम/एल-4586 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	बी०आर० हरमन एण्ड मोहट्टा (वारुणी) प्रा० लि०, मुर्बेद रोड, उल्हासनगर, जिला ठाणे (महाराष्ट्र)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट-इंगट— IS : 6914—1973
49.	सीएम/एल-4587 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट-इंगट—— IS : 6915—1973
50.	सीएम/एल-4588 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	गुजरात ऐग्रोकेम इंडस्ट्रीज, सी-12, ओधव इंडस्ट्रियल इस्टेट, जी आई डी सी, ओधव, अहमदाबाद	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव IS : 2567—1973
51.	सीएम/एल-4589 22-8-1975	1-8-1975	31-7-1976	जिंदल इंडस्ट्रीज लि०, दिल्ली रोड, मॉडल टाऊन, हिसार (हरियाणा)	मृदु इस्पात की नलियां, हल्की, मध्यम और भारी ग्रेड, जस्तीकृत और काली—— IS : 1239 (भाग 1)—1973
52.	सीएम/एल-4590 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	गुल आवर्स इंडस्ट्रीज, जैड-39, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2, नई दिल्ली-110020	प्लास्टिक की अंग्रेजी टट्टियां, सीट और ढक्कन, टाइप 'ए'—— IS : 2548—1967
53.	सीएम/एल-4591 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	वेस्टर्न इंडिया लिमिटेड, मिल रोड, वलिया-पट्टम, कन्नानौर	मानक गत्ते (हार्डबोर्ड) IS : 1658—1966
54.	सीएम/एल-4592 29-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	नेशनल रोलिंग एंड स्टील रोप्स लि०, श्यामनगर, 24 परगना (पं० बंगाल) (कार्यालय : 'निको हाउस', 1 और 2 हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता-700001) (पं० बंगाल)	इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों की कोर के लिए इस्पात के तार IS : 398—1961

1	2	3	4	5	6
55	सीएम/एल–4593 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	बल्लभ पेस्टीसाइड्स मैन्यु० कम्पनी, आनन्द सोजित्र रोड, बल्लभ विद्यानगर आनन्द, जिला खेड़ा (गुजरात राज्य)	बी० एस० सी० धूलन पाउडर—IS 561–1972
56	सीएम/एल–4594 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	सोजात ऐग्रो इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, एनीकेपाडु, विजयवाड़ा (आ० प्र०)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक—IS 398–1961
57	सीएम/एल–4595 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	कानोहर इलेक्ट्रिकल्स (प्रा०) लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, परतापुर मेरठ, (कार्यालय हरीनगर, मेरठ)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए सख्त खिचे लड़दार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक—IS 398–1961
58	सीएम/एल–4596 29-8-1975	1-9-1975	31–8–1976	पायोनियर आयरन फाउंड्री प्रा० लि०, डिगियाना, जम्मू तवी (जम्मू एवं कश्मीर)	बालू ढले लोहे के मल पाइप, साइज केवल 50 मिमी और 100 मिमी—IS 1729–1964
59	सीएम/एल–4597 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	स्पनपाइप (इंडिया) प्रा० लि० 29 बी० इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद	प्रबलित कंक्रीट के हल्के काम वाले, अदाबी पाइप, 600 मिमी साइज तक के, श्रेणी NP_2 और NP_3 IS 458–1971
60	सीएम/एल–4598 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	गीता आयरन एंड ब्रास वर्क्स लि०, बजुवा (जिला बड़ोदरा)	80 मिमी के भूमिगत आग बुझाने के नल IS 909–1965
61	सीएम/एल–4599 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	वेंकटेश्वर पैस्टीसाइड्स एंड एलाइड्स केमिकल्स (प्रा०) लि० डी० 4, 5 और 6, इकाइयां, इंडस्ट्रियल इस्टेट, महबूबनगर-509001 (आ० प्र०)	एन्ड्रिन पायसनीय तेजद्रव IS 1310–1974
62	सीएम/एल–4600 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	गैमिस इंडिया लिमिटेड (फर्टिलाइजर्स एंड पेस्टीसाइड्स डिवीजन) टाटा फाइशन पेस्टीसाइड्स फार्मूलेशन इकाई, 431/34, बलराजेश्वर रोड, मुलुंद, बम्बई-80	ताम्र आक्सीक्लोराइड धूलन पाउडर—IS 1506–1967
63	सीएम/एल–4601 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	चांपदानी जूट क० लि०, विलिंगटन जूट मिल डाकघर रिसरा, जिला हुगली (कार्यालय 2 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001)	दुहरे ताने के आटे के बोरे IS 3984–1967
64	सीएम/एल–4062 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	रिलायन्स जूट इंडस्ट्रीज लि०, भटपुरा डाकघर, रेलवे स्टेशन ककीनाड़ा (पूर्वी रेलवे) (24 परगना)	दुहरी ताने के आटे के बोरे—IS 3984–1967
65	सीएम/एल–4603 29-8-1975	16-9-1975	15-9-1976	ऐग्रीमास केमिकल्स प्रा० लि० प्लाट संख्या एन० 2 एम० आई० डी० सी० इंडस्ट्रियल एरिया, नासिक, नासिक जिला (महाराष्ट्र) (कार्यालय 7 होमजी स्ट्रीट पो० आ० स० 731 बम्बई-400001)	डी० डी० टी० धूलन पाउडर—IS 561–1961
66	सीएम/एल–4604 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	भारत केमिकल इंडस्ट्रीज के-14 इंडस्ट्रियल इस्टेट, मद्रास-58	ताम्र सल्फेट, तकनीकी IS 261–1965
67	सीएम/एल–4605 29-8-1975	16-9-1975	15-9-1976	सरदार पटेल केमिकल्स, के०-10, जी० आई० डी० सी० शेड, ओधव रोड, अहमदाबाद-21	डी० डी० टी० पायसनीय तेज द्रव—IS 633–1956
68	सीएम/एल–4606 29-8-1975	16-9-1975	15-9-1976	अमीचन्द प्यारेलाल, टांडा रोड, जलन्धर शहर	पानी, भाप और तेल के लिए गन मेटल के ग्लोब वाल्व, केवल 15 मिमी और 20 मिमी—IS 778–1971

[सं० सी० एम० डी०/13 11]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

INDIAN STANDARD INSTITUTION

New Delhi, the 1977-01-13

S.O. 428.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that sixtyeight licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of August 1975 authorizing the licensees to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Period of Validity		Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
		From	To		
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-4539 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Allied Chemical Industries, Hazo Road Amingaon, Gauhati-781031 (Assam) (Office : G.N. Bordoloi Road, Gauhati-781003 (Assam).	BHC WDP— IS : 562-1972
2.	CM/L-4540 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	H.D. Ajmera & Co., P.O. Pathardih, Distt. Dhanbad (Bihar). (Office : 22, Canning Street, Calcutta-1)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966
3.	CM/L-4541 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Shree Farm Chemicals (Pvt.) Ltd., C-485, Industrial Estate, Warangal-7	BHC water dispersible powder concentrates— IS : 562-1972
4.	CM/L-4542 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Rallis India Ltd., (Fertilizers & Pesticides Division), Tata Fison Pesticides Formulating Unit, 431/34, Balrajeshwar Road, Muland, Bombay-80	Aldrin dusting powders— IS : 1308-1974
5.	CM/L-4543 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Do.	Chlordane dusting powders— IS : 2864-1973
6.	CM/L-4544 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Agrimas Chemicals Pvt. Ltd., Plot H-2, MIDC Industrial Area, Taloja, Panvel Taluk, Kolaba Distt. (Maharashtra)	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1956
7.	CM/L-4545 11-8-1975	16-7-1975	15-7-1976	Madhusudan Industries, 21/4, Ellaya Mudali Street, Madras-60081 (Office : 2/40 Godown Street, Madras)	BHC dusting powders— IS : 561-1972
8.	CM/L-4546 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Southern Insecticides & Fertilizers, 1-A/Z, Industrial Estate, Ambatur, Madras-600098	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1956
9.	CM/L-4547 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Indian Iron & Steel Co. Ltd., Additional Coal Yard Area, Madras Port Trust, Madras through their Agent, The South Indian Export Co. Pvt. Ltd Mysore Bank Building, P. B. 37, Madras-600001.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966
10.	CM/L-4548 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Swadeshi Metals Private Limited, 659, Industrial Area, Chandigarh.	AAC & ACSR conductors IS : 398-1961
11.	CM/L-4549 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Hindustan Foundry & Engg. Corpn., Opp. E.S.I. Hospital, Ajmer Road, Jaipur-302006	Flushing cistern Valveless siphonic type; 12.5 litres capacity— IS : 774-1971
12.	CM/L-4550 11-8-1975	1-8-1975	31-7-1976	Ramkrishan Kulwantrai Steels Ltd., 403-A, T.H Road, Tiruvattiyur, Madras-19 (Office : Sembudass Street, Madras-1)	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
13.	CM/L-4551 11-8-1975	1-8-1975	31-7-1976	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969

1	2	3	4	5	6
14.	CM/L-4552 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	The Indian Transformers Limited, HMT Road, Kalamassery, Alwaye-4 (Kerala)	Power transformers, 3-phase, 160 KVA, 11000/433 volts— IS : 2026-1962
15.	CM/L-4553 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Sri Ganesh Pulverising Mills, Putheri Road, Kannankurichi, Salem-8 (Tamil Nadu)	DDT dusting powders— IS : 564-1961
16.	CM/L-4554 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Usha Alloys & Steels Ltd., Industrial Area, Adilyapur, Jamshedpur	Steel for volute helical and laminated springs for automotive suspension (Ingots only)— IS : 3431-1965
17.	CM/L-4555 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	G.R. Steel & Alloys Pvt. Ltd., K.R. Puram, Whitefield Road, Whitefield, Bangalore Distt. (Office : 150/3, New Kalasipalayam Extension, Bangalore-560002)	Structural steel (standard steel)— IS : 226-1969
18.	CM/L-4556 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Northern Minerals (P) Ltd., Daulatabad Road, Gurgaon, (Haryana)	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1973
19.	CM/L-4557 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Allied Steels Ltd., Tatiband, P.O. Tatiband, Raipur (M.P.) (Office : 1A, Alipur Avenue, Calcutta-27)	Steel for the manufacture of laminated springs (for railway rolling stock) (ingots only)— IS : 3885 (Part I)-1966
20.	CM/L-4558 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Khandesh Pesticides Pvt. Ltd., Station Road, Dharangaon, Distt. Jalgaon (Maharashtra)	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307-1973
21.	CM/L-4559 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Ram Kishan Ispat Ltd., C-7, Taloja Industrial Area, Village Pandher & Padghe, Taluka-Panvel, Distt. Kolaba (Office : 32/34, Ashok Chambers, Broach Street, Bombay-400009)	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Standard quality)— IS : 6914-1973
22.	CM/L-4560 11-8-75	16-8-1975	15-8-1976	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915-1973
23.	CM/L-4561 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Kamdhenu Pesticides, 50A Hadapsar Industrial Estate, Poona-13 (Office : Krishi Bhavan, 1379, Bhavani Peth, Poona-2)	DDT water dispersible concentrates— IS : 565-1961
24.	CM/L-4562 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Sanghvi Steel Ltd., Plto No. 12, MIDC Area, Taloja, District Kolaba. (Office : 99, Mahavir Darshan, 4th Floor, Narsi Natha Street, Bombay-400069)	Carbon steel cast billets, ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914-1973
25.	CM/L-4563 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Jatiya Louha Silpa Pratisthan, 52/9, Canal East Road, Calcutta-11 (Office : 4, Narkeldanga Main Road, Calcutta-11)	Tea-Chest metal fittings— IS : 10-1970
26.	CM/L-4564 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Durga Manufacturing Company, 8, Cossipore Road, Calcutta-2	Asbestos cement fittings of the following types— Plain bends upto 101.6 mm size single junctions upto 76.2 mm size shoes upto 72.2 mm size— IS : 1626-1960
27.	CM/L-4565 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, E. Rly., 24 Parganas (W.B.) (Office : "Nicco House" Hare Street, Calcutta-700001 (W.B)	Shot firing cables, PVC insulated (i) Single-shot, twin core, (ii) Multi-shot, single core. IS : 5960-1971
28.	CM/L-4566 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Do.	Rubber insulated flexible trailing cables for use in coal mines, type FT-4 and FTD-3— IS : 691-1966

1	2	3	4	5	6
29.	CM/L-4567 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Vijaya Steel Rolling Mills (P) Ltd., Plot No. 37 Peenya Industrial Area, II Phase, Bangalore-22 (Office : 270, Palace Upper Orchards, Bangalore-6)	Cold twisted deformed steel bars— IS : 786–1966
30.	CM/L-4568 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Steel (India) Private Ltd., E-37, Chikalthana Industrial Area, Aurangabad (Office : 14, Bhagwan Mansion, Cinema Road, Bombay-400020)	Indented wire for prestressed concrete— IS : 6003—1970
31.	CM/L-4569 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Sakamari Steel & Alloys Ltd., 39, MIDC Industrial Area, Hingha Road, Nagpur-16	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ordinary quality)— IS : 6915–1973
32.	CM/L-4570 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Industrial Chemicals & Minerals 25-B, Loni Road, Industrial Area, Mohan Nagar, Ghaziabad	Malathion dusting powders— IS : 2568–1973
33.	CM/L-4571 11-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Jaipur Metals & Electricals Ltd., Near Railway Station, Jaipur	AC Electricity meters : (i) Single phase 2 wire whole current watthour metres of 2.5—5 amp rating class 2.0— IS : 722 (Part II)–1969 (ii) Transformer operated watthour meters of 3 × 100/5 amp rating for unbalanced load for use in three-phase 4 wire supplies class 2.0— IS : 722 (Part III)—1966 (iii) Whole current watthour meters of 10 & 20 amp rating for unbalanced load for use in three-phase 4 wire supplies class 2.0— IS : 722 (Part III)–1966
34.	CM/L-4572 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Marathwada Alloy Steels Co. Ltd., Plot No. E-36 MIDC Industrial Area, Chikalthana, Aurangabad (Maharashtra)	Steel for the manufacture of laminated springs (railway rolling stock) (ingots only)— IS : 3835 (Part I)–1966 & IS : 3855 (Part II)–1966
35.	CM/L-4573 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Kanta Flavouring Industries, A-15, Royal Industrial Estate, Naigaum Cross Road, Wadala, Bombay-400031	Coal tar wood colour preparations and mixtures— IS : 5346–1975
36.	CM/L-4574 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd., 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15 (Office : 111, Industrial Area, Sion, Bombay-22)	Carbaryl dusting powders— IS : 7122–1973
37.	CM/L-4575 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Hindustan Steel Ltd., Sector 5, Faridabad (Haryana)	Cold Twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786–1966
38.	CM/L-4576 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Mercury Rubber Mills, 18.7 Milestone, G.T. Karnal Road, Village Rasoi, Teh. Sonepat (Haryana)	Rubberised canvas belting for conveyors and elevators for general purpose Grade 'R'— IS : 1891 (Part I)–1968
39.	CM/L-4577 14-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	Rallis India Ltd., Tata Fison Pesticides Formulating Unit, Pampampallam Post, Palghat-7	Repacking of dimethoate emulsifiable concentrates— IS : 3903–1975
40.	CM/L-4578 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	K.S. Associates (Pvt.) Ltd., 16, Kohinoor Buildings, 105 Park Street, Calcutta-16	Flameproof enclosures for intrinsicaly safe signal bell, TSB-Mark I, 110/1 V, 5m A, Group I— IS : 2148–1968
41.	CM/L-4579 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Aries Agro-Vet Industries Pvt. Ltd., Aghadi Industrial Estate, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay (Office : 304, Kakad Chambers, Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-18)	Mineral Mixtures for supplementing popultry feeds— IS : 5672–1970

1	2	3	4	5	6
42.	CM/L-4580 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Industrial Chemicals & Minerals, 25-25-B, Loni Road, Industrial Area, Mohan Nagar, Ghaziabad (U.P.)	BHC dusting powders— IS : 561–1972
43.	CM/L-4581 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Northern India Finance Co., 20/3, Milestone, Mathura Road, Faridabad-4 (Haryana)	Steel for volute, helical and laminated springs for automotive suspension Grade 55 SiMn 90— IS : 3431–1965
44.	CM/L-4582 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Northern India Finance Co., 20/3 Milestone, Mathura Road, Faridabad-4 (Haryana)	Carbon steel bars for forgings— IS : 1875–1971
45.	CM/L-4583 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Champion Paint Colour & Varnish Co., A-5/1 & 2 Industrial Area, Shahdara, Delhi-110032	Putty, for use on window frames— IS : 419–1967
46.	CM/L-4584 20-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Hindustan Kokoku Wire Ltd., 12/2, Milestone, Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Prestressed concrete wire— IS : 1785 (Part I)–1966 & IS : 1785 (Part II)–1967
47.	CM/L-4585 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	B.R. Herman & Mohatta (Varunee) Pvt. Ltd., Murad Road, Ulhasnagar, Distt. Thana (Maharashtra)	Carbon Steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915–1973
48.	CM/L-4586 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	B.R. Harman & Mohatta (India) Pvt. Ltd., Murbed Road, Ulhasnagar, Distt. Thana (Maharashtra)	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914–1973
49.	CM/L-4587 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915–1973
50.	CM/L-4588 22-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Gujarat Agrochem Industries, C-12, Odhav Industrial Estate, G.I.D.C., Odhav, Ahmedabad.	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567–1973
51.	CM/L-4589 22-8-1975	1-8-1975	31-7-1976	Jindal Industries Limited, Delhi Road, Model Town, Hissar, (Haryana)	Mild steel tubes, light, medium and heavy grade, galvanized and black— IS : 1239 (Part I)–1973
52.	CM/L-4590 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Gulbros Industries, Z-39, Okhla Industrial Area, Phase II, New Delhi-110020	Plastic water closets seats and covers, type 'A'— IS : 2548—1967
53.	CM/L-4591 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Western India Ltd., Mill Road, Baliapatam, Cannanore Distt. (Kerala)	Standard Hardboard— IS : 1658–1966
54.	CM/L-4592 29-8-1975	16-8-1975	15-8-1976	National Rolling & Steel Ropes Ltd., Shamnagar, 24 Parganas (W.B.) (Office : 'NICCO HOUSE', 1 and 2, Hare Street, Calcutta-700001 (W.B.)	Steel wire for the core of steel cored aluminium conductors— IS : 398–1961
55.	CM/L-4593 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Vallabh Pesticides Mfg. Co., Anand-Sojitra Road, Vallabh Vidyanagar, Anand, Distt. Kaira, (Gujarat State)	BHC dusting powders— IS : 561–1972
56.	CM/L-4594 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Bojat Agro Industrial Corporation, Enikepadu, Vijayawada-5 (A.P.)	All aluminium conductors and ACSR conductors— IS : 398–1961
57.	CM/L-4595 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Kanohar Electricals (P) Ltd., Industrial Area, Partapur, Meerut (Office : Harinagar, Meerut)	Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398–1961
58.	CM/L-4596 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Pioneer Iron Foundry Pvt. Ltd., Digiana, Jammu-Tawi, (J & K)	Sand cast iron soil pipes, sizes 50 mm and 100 mm only— IS : 1729–1964
59.	CM/L-4597 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Spun Pipe (India) Private Limited, 29-B, Industrial Area, Faridabad	Reinforced concrete light duty non-pressure pipes, upto and including 600 mm size, class NP2, & NP3 IS : 458–1971
60.	CM/L-4598 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Geeta Iron & Brass Works Limited, Bajuva (Distt. Baroda)	80mm underground fire hydrant IS : 909–1865
61.	CM/L-4599 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Venkateswara Pesticides & Allied Chemicals (P) Ltd., D-4, 5 and 6 Units Industrial Estate, Mahaboob nagar-509001 (A.P.)	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310–1974

1	2	3	4	5	6
62.	CM/L-4600 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Rallis India Ltd., (Fertilizers and Pesticides Division), Tata Fison Pesticides Formulating Unit, 431/34, Balarajeshwar Road, Mulund, Bombay-80.	Copper oxychloride dusting powders— IS : 1506-1967
63.	CM/L-4601 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Champdany Jute Co. Ltd., Willington Jute Mill, P.O. Rishra, Distt. Hooghly (Office : 2, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001)	DW flour bags— IS : 3984-1967
64.	CM/L-4602 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Reliance Jute Industries Ltd., Bhatpura P.O. Railway Station Kankinara, (Eastern Railways), (24 Parganas)	DW flour bags— IS : 3984-1967
65.	CM/L-4603 29-8-1975	16-9-1975	15-9-1976	Agrimas Chemicals Pvt. Ltd., Plot H2, MIDC Industrial Area, Taloja, Kolaba Distt. (Maharashtra) (Office : 7, Homji Street, Post Box No. 780, Bombay-400001)	DDT dusting powders— IS : 564-1961
66.	CM/L-4604 29-8-1975	1-9-1975	31-8-1976	Charag Chemical Industries, K-14, Industrial Estate, Madras-58	Copper sulphate, technical— IS : 261-1966
67.	CM/L-4605 29-8-1975	16-9-1975	15-9-1976	Sardar Patel Chemicals, K-10, GIDC Shed, Odhav Road, Ahmedabad-21	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1956
68.	CM/L-4606 29-8-1975	16-9-1975	15-9-1976	Amin Chand Payare Lal, Tanda Road, Jullundur City	Gun metal globe Valves for water, steam and oil, 15 mm and 20 mm only— IS : 778-1971

[No. CMD/13 : 11]

नई दिल्ली, 1977-01-14

का० आ० 429.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (2) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि IS: 1988–1962 चूड़ीदार टोंटियों की विशिष्टि से सम्बन्धित चूड़ीदार टोटियों का मानक चिह्न जिसके ब्यौरे एस० ओ० 3251 दिनांक 1969-08-01 के अधीन भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1969-08-16 में छपे थे, 1976-09-01 से रद्द कर दिया गया है।

[संख्या सी० एम० डी०/13 : 9]
ए० बी० राव, उप-महानिदेशक

New Delhi, 1977-01-14

S.O. 429.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the standard mark for screwing taps, relating to IS : 1988–1962 Specification for screwing taps, details of which were published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-08-16 under S.O. 3251 dated 1969-08-01, has been rescinded with effect from 1976-09-01.

[No. CMD/13 : 9]
A. B. RAO, Dy. Director General

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1977

का० आ० 430.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1237 तारीख 10-3-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर जी० जी० एस० नम्बर 3 से ट्रंक पाइप लाइन का जकसन पयन्त तक की पाइप लाइन

राज्य : असम जिला : सिबसागर तालुक—मेतेका बनगांव

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	एरे	सेन्टी एरे
जोलागाव	353 ख		0	94
	355 ख		4	95
	678 ख		5	35
	358 ख		3	88
	360 ख		4	55
	362 ख		4	95
	390 ख		12	71
	679 ख		1	07
	406 ख		3	88
	407 ख		0	13
	392 ख		6	96
	391 ख		0	13
	413 ख		12	04
	412 ख		7	63
	411 ख		4	82
	410 ख		1	01
	437 ख		1	74
	409 ख		3	34
	408 ख		4	01
	438 ख		4	01
	439 ख		6	15
	441 ख		5	35
	433 ख		0	80
	440 ख		4	28
	442 ख		5	35
	363 ख		0	13
	396 ख		2	68

[सं० 12020/8/75-एल एण्ड एल/1]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 4th January, 1977

S.O. 430.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1237 dated 10-3-1976 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar GGS No. 3 to Trunk Pipeline

State : Assam Distt. : Sibsagar Taluk : Meteke Bongaon

Village	Survey No.	Hector	Are	Centiare
Jolagaon	353 Kha	—	0	94
	355 Kha	—	4	95
	678 Kha	—	5	35
	358 Kha	—	3	88
	360 Kha	—	4	55
	362 Kha	—	4	95
	390 Kha	—	12	71
	679 Kha	—	1	07
	406 Kha	—	3	88
	407 Kha	—	0	13
	392 Kha	—	6	96
	391 Kha	—	0	13
	413 Kha	—	12	04
	412 Kha	—	7	63
	411 Kha	—	4	82
	410 Kha	—	4	01
	437 Kha	—	1	74
	409 Kha	—	3	34
	408 Kha	—	4	01
	438 Kha	—	4	01
	439 Kha	—	6	15
	441 Kha	—	5	35
	433 Kha	—	0	80
	440 Kha	—	4	28
	442 Kha	—	5	35
	363 Kha	—	0	13
	396 Kha	—	2	68

[No. 12020/8/75-L & L/I]

का० आ० 431.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1238 तारीख 10-3-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम, प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिओं में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक

गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

रुद्रसागर कुप नम्बर 21, 51, 48, 62, 56, 66 से रुद्रसागर जी० जी० एस नम्बर 4 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम जिला : शिवसागर तालुक : कोवरपुर

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टी-ऐरे
1	2	3	4	5
कइजान	281 ख		3	61
	282 ख		14	18
	282 घ		5	89
	287 ख		10	97
	298 ख		0	13
	301 ख		1	61
	300 ख		1	07
	299 ख		0	80
	297 ख		0	80
	296 ख		0	80
	309 ख		4	68

[सं० 12020/8/75-एल एंड एल/II]

S.O. 431.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1238 dated 10-3-1976 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines ;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of the power conferred oy sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well Nos. 21, 51, 48, 62, 56 and 66 to Rudrasagar GGS No. 4

State : Assam Distt. : Sibsagar Taluk : Konwarpur

Village	Survey No.	Hector	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Koljan	281 Kha	—	3	61
	282 Kha	—	14	18
	282 Gha	—	5	89
	287 Kha	—	10	97
	298 Kha	—	0	13
Koijan (contd.)	301 Kha	—	1	61
	300 Kha	—	1	07
	299 Kha	—	0	80
	2987 Kha	—	0	80
	296 Kha	—	0	80
	309 Kha	—	4	68

[No. 12020/8/75-L & L/II]

का० आ० 432.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1239 तारीख 10-3-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिओं के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम, प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधार (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिओं में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, यत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमिओं में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनो से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

रुद्रसागर जी० जी० एस नं० 4 से बंक पाइप लाइन तककी पाइप लाइन

राज्य : असम जिला : शिवसागर तालुक : मेते का अलगांव

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्सी-ऐरे
नभंगनीया	165 ख		5	89
	166 ख		8	43
	164 ख		0	67
	169 ख		0	40
	176 ख		6	42
	177 ख		13	78
	180 ख		0	13
	181 ख		5	89
	180 ग		4	01
	178 ख		1	51
	185 ख		0	27

[सं० 12020/8/75-एल एंड एल/III]

S.O. 432.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1239, dated 10-3-1976 under sub-section (1) of Secton 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar GGS No. 3 to Trunk Pipeline

State : Assam   Distt. : Sibsagar   Taluk : Meteka Bongaon

Village	Survey No.	Hector	Are	Centi-are
Na-Vangania	165 Kha	—	5	89
	166 Kha	—	8	43
	164 Kha	—	0	67
	169 Kha	—	0	40
	176 Kha	—	6	42
	177 Kha	—	13	78
	180 Kha	—	0	13
	181 Kha	—	5	89
	180 Ga	—	4	01
	178 Kha	—	1	61
	185 Kha	—	0	27

[No. 12020/8/75-L & L/III]

का० आ० 433.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1236, तारीख 10-3-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम, प्राधिकारी, ने उक्त, अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बन्धनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर जी० जी० एस० सं० 4 से रुद्रसागर जी० जी० एस० नं० 1 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम   जिला : शिवसागर   तालुक : कोबरपुर

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टी-ऐरे
फाकुम कमार फदिया	16 ख		38	93
	80 ख		12	44
	85 ख		0	80
	86 ख		3	75
	614 ख		3	61
	130 ख		7	22
	133 ख		18	73
	132 ख		5	22
	609 घ		0	67

[सं० 12020/8/75-एल एंड एल/IV]

S.O. 433.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S. O. No. 1239, dated 10-3-1976 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Feeder Line from Rudrasagar GGS No. 4 to Rudrasagar GGS No. 1

State : Assam Distt. : Sibsagar Taluk : Konwarpur

Village	Survey No.	Hector	Are	Centi-are
Fakum Komarfodia	16 Kha	—	38	93
	80 Kha	—	12	44
	85 Kha	—	0	80
	86 Kha	—	3	75
	614 Kha	—	3	61
	130 Kha	—	7	22
	133 Kha	—	18	73
	132 Kha	—	5	22
	609 Gha	—	0	67

[No. 12020/8/75-L & L/IV]

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1977

का० आ० 434.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया–मथुरा पाईप लाइन प्रोजक्ट, बी-18, शिवमार्ग, बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तहसील : आबू रोड जिला : सिरोही राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा सं०	क्षेत्रफल		
		हैक्टर	ऐयर	वर्ग-मीटर
1	2	3	4	5
खारा	26	0	01	26
	32	0	21	50
	33	0	05	06
	38	1	78	31
वासड़ा	550	0	10	12
	552	0	01	26
	556	0	01	26
वासड़ा (क्रमशः)	561	0	15	18
	562	0	16	44
	801	0	12	65
	811	0	01	26
	812	0	06	32
	813	0	03	19
	815	0	07	59
	817	0	13	91
मावल	926	0	06	32
	928	0	11	38
	923	0	16	44
	948	0	08	85
	954	0	08	85
	953	0	26	56
	952	0	18	97
	978	0	02	53
	975	0	32	88
	977	0	01	26
	956	0	01	26
	974	0	32	88
	634	0	40	47
	592	0	16	44
	588	0	11	38
	380	0	15	18
	581	0	06	32
	582	0	01	26
	577	0	12	65
	568	0	17	71
	569	0	01	26
	565	0	03	79
	563	0	13	91
	561	0	01	26
	562	0	01	26
	558	0	05	06
	554	0	05	06
	556	0	02	53
	555	0	07	59
	487	0	02	53
	488	0	26	56
	498	0	11	38
	496	0	11	38
	497	0	07	59
	514	0	10	12
	515	0	20	23
	511	0	02	53
	512	0	01	26
आम्बा	12	0	02	53
	11	0	18	97
	10	0	20	23
	9	0	01	26
	8	0	03	79
	1	0	02	53
	4	0	02	53
	97	0	03	79

1	2	3	4	5
चन्द्रावती	442	0	02	53
	441	0	05	06
	447	0	02	53
	446	0	02	53
	436	0	07	59
	449	0	06	32
	451	0	12	65
	452	0	11	38
	453	0	15	18
	432	0	18	97
	433	0	05	06
	462	0	08	85
	415	0	37	94
	414	0	11	38
	393	0	10	12
	390	0	20	29
	391	0	01	26
	395	0	20	29
	387	0	34	15
	382	0	01	26
	381	0	13	91
	373	0	45	53
	370	0	69	56
सांतपुर (सीयावा)	1270	0	07	59
	1271	0	08	85
	1272	0	07	59
	1273	0	01	85
	1274	0	21	50
	1275	0	01	26
	1276	0	26	56
	1277	0	07	59
	1278	0	15	18
	1279	0	10	12
	1259	0	20	23
	1245	0	39	20
	1054	0	17	71
	1053	0	05	06
	1052	0	08	85
	1048	0	08	85
	1047	0	01	26
	1049	0	10	12
	1050	0	01	26
	1041	0	03	79
	1045	0	04	06
	1043	0	10	12
	1042	0	02	53
	1031	0	16	44
	1030	0	01	26
	1032	0	06	32
	1029	0	06	32
	1024	0	21	09
	1025	0	24	03

1	2	3	4	5
सांतपुर (सीयावा) (क्रमशः)	1026	0	11	38
	979	0	11	38
	963	0	13	91
	941	0	08	85
	940	0	20	23
	939	0	01	26
	944	0	01	26
	964	0	16	44
	966	0	08	85
	967	0	01	26
	973	0	18	97
	974	0	31	62
	972	0	01	26
	971	0	07	59
	643	0	10	12
	642	0	02	53
	616	0	10	12
	617	0	03	79
	641	0	05	06
	640	0	07	59
	639	0	05	06
	637	0	05	06
	634	0	12	65
	633	0	06	32
	630	0	03	79
	632	0	08	85
	631	0	03	79
	694	0	11	38
	693	0	07	59
	692	0	10	12
	691	0	07	59
	690	0	16	44
	701	0	05	06
	689	0	01	26
	702	0	02	53
	687	0	07	59
	716	0	12	65
	717	0	27	82
	733	0	01	26
	742	0	02	53
	757	0	01	26
	738	0	27	82
	788	0	03	79
	807	0	20	23
	791	0	06	32
	806	0	16	44
	805	0	03	79
	803	0	18	97
	802	0	16	44
	817	0	01	26
	818	0	02	53

1	2	3	4	5
आबू रोड	237	0	01	26
	238	0	08	85
	244	0	18	97
	245	0	01	26
	246	0	01	26
	151	0	11	38
	152	0	06	32
	156	0	12	65
	157	0	10	12
	172	0	01	26
	161	0	03	79
	168	0	02	53
	167	0	05	06
	164	0	15	18
	163	0	05	06
	129	0	10	12
	118	0	01	26
	119	0	05	06
	125	0	20	23
	126	0	01	26
तरंताली	352	0	06	32
	348	0	12	65
	350	0	08	85
	351	0	01	26
	336	0	15	18
	335	0	41	73
	327	0	05	06
	370	0	13	91
	369	0	08	85
	367	0	13	91
खड़ात	569	0	21	50
	565	0	12	65
	566	0	01	26
	568	0	18	97
	567	0	13	91
	583	0	17	71
	519	0	06	32
	544	0	02	53
	543	0	08	85
	542	0	08	85
	221	0	01	26
	222	0	08	85
	223	0	15	18
	224	0	13	91
	225	0	12	65
	260	0	01	26
	226	0	02	53
	259	0	24	03
	255	0	24	03
	271	0	16	44
	138	0	01	26

1	2	3	4	5
खड़ात (क्रमशः)	137	0	11	38
	136	0	08	85
	135	0	08	85
	124	0	08	85
	119	0	10	12
	117	0	11	38
धोर	311	0	20	23
	308	0	16	44
	306	0	18	97
	300	0	06	32
	298	0	07	59
	295	0	06	32
	287	0	12	65
	286	0	13	91
	284	0	10	12
	229	0	02	53
	226	0	03	79
	225	0	10	12
	224	0	10	12
	223	0	15	18
	216	0	12	65
	210	0	08	85
	209	0	01	26
	200	0	07	59
	199	0	05	06
	195	0	01	26
	194	0	03	79
	193	0	08	85
	192	0	13	91
	185	0	16	44
	198	0	16	44
	180	0	26	56
	35	0	01	26
	34	0	03	79
	33	0	10	12
	30	0	17	71
	28	0	01	26
	28	0	01	26
	10	0	01	26
	14	0	01	26
	13	0	12	65
	12	0	11	38
	11	0	11	38
	1	0	10	12
मोरथला	55	0	12	65
	54	0	15	18
	53	0	02	53
	52	0	07	59
	46	0	11	38
	45	0	10	12

1	2	3	4	5
मेमथला (क्रमशः)	13	0	07	59
	12	0	10	12
	8	0	10	12
किवरली	1320	0	03	79
	1321	0	11	38
	1314	0	20	23
	1315	0	01	26
	1316	0	03	79
	1303	0	07	59
	1302	0	08	85
	1301	0	10	12
	1300	0	05	06
	1292	0	16	44
	1288	0	20	23
	1286	0	11	38
	1287	0	11	38
	1273	0	12	65
	1271	0	05	06
	1270	0	08	85
	1257	0	03	79
	1256	0	06	32
	1255	0	01	36
	1243	0	08	85
	1235	0	01	26
	1242	0	06	32
	1241	0	07	59
	1234	0	01	26
	1231	0	01	26
	1232	0	12	65
	1233	0	01	26
	1228	0	03	79
	1229	0	01	26
	1220	0	02	53
	1205	0	05	06
	1202	0	06	32
	1203	0	03	79
	1204	0	08	85
	904	0	01	26
	905	0	11	38
	910	0	05	06
	911	0	05	06
	912	0	07	59
	920	0	05	06
	918	0	06	32
	925	0	07	59
	926	0	03	79
	927	0	03	79
	928	0	06	32
	929	0	10	12
	943	0	02	53
	944	0	12	65
किवरली (क्रमशः)	963	0	12	65
	962	0	02	53
	964	0	18	97
	965	0	02	53
	978	0	08	85
	993	0	05	06
	979	0	08	85
	992	0	05	06
	989	0	10	12
	853	0	03	79
	852	0	01	26
	851	0	02	53
	848	0	12	65
	847	0	12	65
	856	0	17	71
	855	0	02	53
	854	0	03	79
	831	0	03	79
	784	0	08	85
	782	0	16	44
	781	0	21	50
	780	0	02	53
	779	0	01	26
	774	0	02	53
	765	0	01	26
	569	0	20	23
	568	0	08	85
	564	0	18	97
	771	0	21	50
	766	0	06	32
	764	0	03	79
	559	0	12	65
	558	0	12	65
	557	0	11	38
	536	0	03	79

[सं० 12020/15/76-प्रोडक्शन-I]

New Delhi, the 10th January, 1977

S.O. 434.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any Person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Abu Road	District : Sirohi	State : Rajasthan		
Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M
1	2	3	4	5
Khara	26	0	01	26
	32	0	21	50
	33	0	05	06
	38	1	78	31
Wasra	550	0	10	12
	552	0	01	26
	556	0	01	26
	561	0	15	18
	562	0	16	44
	801	0	12	65
	811	0	01	26
	812	0	06	32
	813	0	03	19
	815	0	07	59
	817	0	13	91
Maval	926	0	06	32
	928	0	11	38
	923	0	16	44
	948	0	08	85
	954	0	08	85
	953	0	26	56
	952	0	18	97
	978	0	02	53
	975	0	32	88
	977	0	01	26
	956	0	01	26
	974	0	32	88
	634	0	40	47
	592	0	16	44
	588	0	11	38
	580	0	15	18
	581	0	06	32
	582	0	01	26
	577	0	12	65
	568	0	17	71
	569	0	01	26
	565	0	03	79
	563	0	13	91
	561	0	01	26
	562	0	01	26
	558	0	05	06
	554	0	05	06
	556	0	02	53
	555	0	07	59
	487	0	02	53
	488	0	26	56
	498	0	11	38
	496	0	11	38
	497	0	07	59
	514	0	10	12
	515	0	20	23
	511	0	02	53
	512	0	01	26
Amba.	12	0	02	53
	11	0	18	97
	10	0	20	23
	9	0	01	26
	8	0	03	79
	1	0	02	53
	4	0	02	53
	97	0	03	79
Chandrawati	442	0	02	53
	441	0	05	06
	447	0	02	53
	446	0	02	53
	436	0	07	59
	449	0	06	32
	451	0	12	65
	452	0	11	38
	453	0	15	18
Chandrwati (contd)	432	0	18	97
	433	0	05	06
	462	0	08	85
	415	0	37	94
	414	0	11	38
	393	0	10	12
	390	0	20	29
	391	0	01	26
	395	0	20	29
	387	0	34	15
	382	0	01	26
	381	0	13	91
	373	0	45	53
	370	0	69	56
Santpur (Seeyawa)	1270	0	07	59
	1271	0	08	85
	1272	0	07	59
	1273	0	08	85
	1274	0	21	50
	1275	0	01	26
	1276	0	26	56
	1277	0	07	59
	1278	0	15	18
	1279	0	10	12
	1259	0	20	23
	1245	0	39	20
	1054	0	17	71
	1053	0	05	06
	1052	0	08	85
	1048	0	08	85
	1047	0	01	26
	1049	0	10	12
	1050	0	01	26
	1041	0	03	79
	1045	0	04	06
	1043	0	10	12
	1042	0	02	53
	1031	0	16	44
	1030	0	01	26
	1032	0	06	32
	1029	0	06	32
	1024	0	21	09
	1025	0	24	03
	1026	0	11	38
	979	0	11	38
	963	0	13	91
	941	0	08	85
	940	0	20	23
	939	0	01	26
	944	0	01	26
	964	0	16	44
	966	0	08	85
	967	0	01	26
	973	0	18	97
	974	0	31	62
	972	0	01	26
	971	0	07	59
	643	0	10	12
	642	0	02	53
	616	0	10	12
	617	0	03	79
	641	0	05	06
	640	0	07	59
	639	0	05	06
	637	0	05	06
	634	0	12	65
	633	0	06	32
	630	0	03	79
	632	0	08	85
	631	0	03	79
	694	0	11	38
	693	0	07	59
	692	0	10	12
	691	0	07	59
	690	0	16	44
	701	0	05	06
	689	0	01	26
	702	0	02	53
	687	0	07	59
	716	0	12	65
	717	0	27	82
	733	0	01	26
	742	0	02	53

1	2	3	4	5
Santpur (Seeyawa) (contd.)	757	0	01	26
	738	0	27	82
	788	0	03	79
	807	0	20	23
	791	0	06	32
	806	0	16	44
	805	0	03	79
	803	0	18	97
	802	0	16	44
	817	0	01	26
	818	0	02	53
Abu Road	237	0	01	26
	238	0	08	85
	244	0	18	97
	245	0	01	26
	246	0	01	26
	151	0	11	38
	152	0	06	32
	156	0	12	65
	157	0	10	12
	172	0	01	26
	161	0	03	79
	168	0	02	53
	167	0	05	06
	164	0	15	18
	163	0	05	06
	129	0	10	12
	118	0	01	26
	119	0	05	06
	125	0	20	23
	126	0	01	26
Tartoli	352	0	06	32
	348	0	12	65
	350	0	08	85
	351	0	01	26
	336	0	15	18
	335	0	41	73
	327	0	05	06
	370	0	13	91
	369	0	08	85
	367	0	13	91
Khadat	569	0	21	50
	565	0	12	65
	566	0	01	26
	568	0	18	97
	567	0	13	91
	583	0	17	71
	519	0	06	32
	544	0	02	53
	543	0	08	85
	542	0	08	85
	221	0	01	26
	222	0	08	85
	223	0	15	18
	224	0	13	91
	225	0	12	65
	260	0	01	26
	226	0	02	53
	259	0	24	03
	255	0	24	03
	254	0	21	50
	271	0	16	44
	138	0	01	26
	137	0	11	38
	136	0	08	85
	135	0	08	85
	124	0	08	85
	119	0	10	12
	117	0	11	38
OR	311	0	20	23
	308	0	16	44
	306	0	18	97
	300	0	06	32
	298	0	07	59
	295	0	06	32
	287	0	12	65
	286	0	13	91
	284	0	10	12
	229	0	02	53
	226	0	03	79
	225	0	10	12
	224	0	10	12
	223	0	15	18
	216	0	12	65
	210	0	08	85
	209	0	01	26
	200	0	07	59
	199	0	05	06
	195	0	01	26
	194	0	03	79
	193	0	08	85
	192	0	13	91
	185	0	16	44
	198	0	16	44
	180	0	26	56
	35	0	01	26
	34	0	03	79
	33	0	10	12
	30	0	17	71
	28	0	01	26
	10	0	01	26
	14	0	01	26
	13	0	12	65
	12	0	11	38
	11	0	11	38
	1	0	10	12
Morthala	55	0	12	65
	54	0	15	18
	53	0	02	53
	52	0	07	59
	46	0	11	38
	45	0	10	12
	13	0	07	59
	12	0	10	12
	8	0	10	12
Kiwarli	1320	0	03	79
	1321	0	11	38
	1314	0	20	23
	1315	0	01	26
	1316	0	03	79
	1303	0	07	59
	1302	0	08	85
	1301	0	10	12
	1300	0	05	06
	1292	0	16	44
	1288	0	20	23

1	2	3	4	5
Kiwarli (contd.)	1286	0	11	38
	1287	0	11	38
	1273	0	12	65
	1271	0	05	06
	1270	0	08	85
	1257	0	03	79
	1256	0	06	32
	1255	0	01	26
	1243	0	08	85
	1235	0	01	26
	1242	0	06	32
	1241	0	07	59
	1234	0	01	26
	1231	0	01	26
	1232	0	12	65
	1233	0	01	26
	1228	0	03	79
	1229	0	01	26
	1220	0	02	53
	1205	0	05	06
	1202	0	06	32
	1203	0	03	79
	1204	0	08	85
	904	0	01	26
	905	0	11	38
	910	0	05	06
	911	0	05	06
	912	0	07	59
	920	0	05	06
	918	0	06	32
	925	0	07	59
	926	0	03	79
	927	0	03	79
	928	0	06	32
	929	0	10	12
	943	0	02	53
	944	0	12	65
	963	0	12	65
	962	0	02	53
	964	0	18	97
	965	0	02	53
	978	0	08	85
	993	0	05	06
	979	0	08	85
	992	0	05	06
	989	0	10	12
	853	0	03	79
	852	0	01	26
	851	0	02	53
	848	0	12	65
	847	0	12	65
	856	0	17	71
	855	0	02	53
	854	0	03	79
	831	0	03	79
	784	0	08	85
	782	0	16	44
	781	0	21	50
	780	0	02	53
	779	0	01	26
	774	0	02	53
	765	0	01	26
	569	0	20	23
	568	0	08	85
	564	0	18	97
	771	0	21	50
	766	0	06	32
	764	0	03	79
	559	0	12	65
	558	0	12	65
	557	0	11	38
	536	0	03	79

[No. 12020/15/76-Prod-I]

का० आ० 435—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइप लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, शिवमार्ग बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तहसील : बस्सी	जिला : जयपुर		राज्य राजस्थान	
ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्ग-मीटर
1	2	3	4	5
माधो वाला	72/1	0	01	26
	69	0	17	70
	63	0	13	91
	62	0	07	59
	6	0	10	12
	7	0	15	18
	22	0	01	26
	8	0	06	32
	9	0	35	41
	11	0	02	53
सांवलियावाला	97	0	65	76
	95	0	63	22
	92	0	17	70
	88	0	70	82
	1	0	18	97
	1/111	0	11	38
	25	0	20	23

1	2	3	4	5
	21	0	15	18
	19	0	08	85
	17	0	15	18
	14	0	15	18
	12	0	34	14
चकलवाण	16	0	15	18
	13	0	08	85
टीडीयावाला	77	0	03	79
	74	0	18	97
	2	0	10	12
	1	0	05	06
	3	0	15	18
	6	0	11	38
	7	0	18	97
	8	0	27	82
चकदेवरी	32	0	02	53
	31	0	10	12
	29	0	06	32
	26	0	01	26
	28	0	03	79
	27	0	03	79
	19	0	06	32
जयरामकावास	92	0	10	12
	90	0	03	79
	91	0	08	85
	89	0	02	53
	59	0	20	23

[सं० 1220/15/76 प्रोडक्शन-II]

S.O. 435.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right or user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Bassi District : Jaipur State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Madhowala	72/1	0	01	26
	69	0	17	7
Madhowala (contd.)	63	0	13	91
	62	0	07	59
	6	0	10	12
	7	0	15	18
	22	0	01	26
	8	0	06	32
	9	0	35	41
	11	0	02	53
Sanwaliwala	97	0	65	76
	95	0	63	22
	92	0	17	70
	88	0	70	82
	1	0	18	97
	1/111	0	11	38
	25	0	20	23
	21	0	15	18
	19	0	08	85
	17	0	15	18
	14	0	15	18
	12	0	34	14
Chaklawan	16	0	15	18
	13	0	08	85
Tiddiwala	77	0	03	79
	74	0	18	97
	2	0	10	12
	1	0	05	06
	3	0	15	18
	6	0	11	38
	7	0	18	97
	8	0	27	82
Chak Deori	32	0	02	53
	31	0	10	12
	29	0	06	32
	26	0	01	26
	28	0	03	79
	27	0	03	79
	19	0	06	32
Jairamkawas	92	0	10	12
	90	0	03	79
	91	0	08	85
	89	0	02	53
	59	0	20	23

[No. 12020/15/76-Prod-II]

का० आ० 436.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

अपनें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइप लाइन प्रोजक्ट, बी-18, शिवमार्ग बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तहसील : लालसोट जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्ग-मीटर
कूपावास	46	0	18	97
	49	0	20	23
	44	0	10	12
	36	0	25	29
	30	0	13	91
	35	0	18	97
हेमलियावास	132	0	07	59
	131	0	01	26
	130	0	27	82
	124	0	17	70
	127	0	05	06
	122	0	07	59
	75	0	12	65
	116	0	01	26
	111	0	02	53
	77	0	32	88
	78	0	01	26
	109	0	11	38
	104	0	30	35
	79	0	36	67
	42	0	02	53
	41	0	02	53
	40	0	25	29
	37	0	13	91
	38	0	01	26
	32	0	17	70
	31	0	01	26

[सं० 12020/15/76-प्रोडक्शन-III]

S.O. 436.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Lalsot District : Jaipur State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
Koopawas	46	0	18	97
	49	0	20	23
	44	0	10	12
	36	0	25	29
	30	0	13	91
	35	0	18	97
Hemaliyawas	132	0	07	59
	131	0	01	26
	130	0	27	82
	124	0	17	70
	127	0	05	06
	122	0	07	59
	75	0	12	65
	116	0	01	26
	111	0	02	53
	77	0	32	88
	78	0	01	26
	109	0	11	38
	104	0	30	35
	79	0	36	67
	42	0	02	53
	41	0	02	53
	40	0	25	29
	37	0	13	91
	38	0	01	26
	32	0	17	70
	31	0	01	26

[No. 12020/15/76-Prod.-III]

का० आ० 437.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)

द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, मलाया-मथुरा पाईप लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, शिवमार्ग बनी पार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करनेवाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तहसील : दौसा जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हैक्टर	एयर	वर्ग-मीटर
1	2	3	4	5
देवरी	206	0	01	26
रजवास	65	0	56	91
	63	0	02	53
	60	0	40	47
	53	0	08	85
	58	0	41	73
	75/1	0	18	97
	78	0	45	52
	77	0	01	26
	80	0	08	85
	79	0	01	26
	84	0	08	85
	85	0	07	59
	94	0	07	59
	100	0	08	85
	97	0	01	26
	103	0	24	03
अगसहायपुरा	2	0	50	58
हरिराण (हरनाथ पुरा)	61/7	0	37	91
	65/11	0	06	32
	65/10	0	08	85
	63/12	0	07	59
	90	0	21	50
झोपड़ी	11	0	10	12
	9	0	26	56
	12	0	06	32
	8	0	17	70
	16	0	14	26
	26	0	01	26
	2	0	16	44
	46	0	03	79
	49	0	06	32
	44	0	16	44
	51	0	22	76
	53	0	01	26
	52	0	18	97
खानवास	64	0	06	32
	63	0	06	32
	59	0	13	91
	60	0	03	79
	58	0	10	12
	56	0	05	06
	8	0	13	91
	6	0	13	91
	5	0	01	26
	7	0	02	53
	17	0	29	08
	28	0	01	26
भांडेरा सुन्दरपुरा	226	0	72	08
	237	0	27	82
	238	0	13	91
	236	0	29	08
	235	0	34	14
	263	0	08	85
	262	0	12	65
	275	0	72	08
	287	0	37	94
	307	0	20	23
	306	0	10	12
	305	0	12	65
	304	0	02	53
चक हरपट्टी	14/34/1	0	07	59
	14	0	21	50
	2	0	18	97
	3	0	13	91
डूंगरावास	329	0	13	91
	331	0	22	76
	335/1	0	16	44
	335/2	0	01	26
बिदरथा	29/5	0	03	79
	29/1	0	10	12
	29/2	0	10	12
	27/1	0	07	59
	4/2	0	03	79
	4/3	0	05	06
	4/1	0	07	59
	5/1	0	06	32
	7/3	0	07	59
	7/4	0	07	59
	7/2	0	03	79
किशनपुरा बारा	24	0	20	23
	25	0	27	82
नया गांव	40/4/101	0	25	29
	40/4/100	0	15	18
	40/4/99	0	02	53
कोल्यावास	71/1	0	03	79
	71	0	12	65
	63/8	0	11	38

1	2	3	4	5
कोल्यावास क्रमशः	63/9	0	11	38
	58/5	0	16	44
	58/6	0	05	06
	58/3	0	37	94
	58/2	0	11	38
	57	0	54	37
	58/7	0	01	26
	55/1	0	02	53
रामचला	73/10	0	02	53
	73/9	0	05	06
	73/8	0	01	26
	73/7	0	03	79
	73/5	0	02	53
	73/6	0	01	26
	73/4	0	13	91
कानपुरा	175/3	0	02	53
	175/2	0	05	06
	175/1	0	06	32
	180/4	0	06	32
	180/2	0	01	26
	180/5	0	12	65
	180/7	0	11	38
	180/8	0	02	53
	155/2	0	12	65
	142/3	0	08	85
	141	0	01	26
	142/2	0	01	26
	133/13	0	10	12
	133/14	0	24	03
	133/12	0	01	26
	133/11	0	05	06
	133/10	0	13	91
	133/9	0	05	06
	132	0	12	65
	131/1	0	03	79
	131/2	0	02	53
	131	0	05	06
	130/2 एवं 130/3	0	06	32
	130/1	0	01	26
	126	0	02	53
	128/1	0	03	79
	127 एवं 127/1	0	18	97
मानपुरा	1	0	05	06
बड़ागांव	766/9	0	20	23
	781/799/1	0	20	23
	781/799/2	0	13	91
	781/25	0	35	41
	781/24	0	01	26
	781/10	0	08	85
	781/9	0	07	59
	781/8	0	10	12
	782/2	0	03	79
	782/1	0	05	06
	782/3	0	02	53
रानीवास	7/2	0	07	59
	7/1	0	02	53
	7/5	0	01	26
	6/4	0	02	53
	6/7	0	05	06
	6/9	0	03	79

1	2	3	4	5
रानीवास क्रमशः	6/8	0	01	26
	11/3	0	02	53
	11/2	0	02	53
	11/5	0	05	06
	11/4	0	01	26
	11/6	0	10	12
	11/7	0	02	53
	11/1	0	01	26
	12/5	0	20	23
	12/1	0	01	26
	18/4	0	02	53
	17/2	0	05	06
	17/1	0	01	26
	17/3	0	03	79
	17/4	0	08	85
	20/4	0	03	79
	51/5	0	02	53
	51/4	0	01	26
	51/1	0	02	53
	51/2	0	03	79
	50/2	0	08	85
	50/4	0	01	26
	50/3	0	17	70
	49/2	0	12	65
	49/1	0	07	59
	49/3	0	05	06
	49/4	0	01	26
	46/4	0	05	06
	45/4	0	10	12
	45/5	0	03	79
	45/3	0	03	79
	45/7	0	06	32
	45/8	0	06	32
	45/9	0	12	65
	45/10	0	03	79
	27/5	0	10	12
	27/4	0	01	26
	43/2	0	02	53
	43/1	0	07	59
	42/2	0	05	06
	42/3	0	05	06
	42/4	0	10	12
	37/1	0	03	79
	41/2	0	11	38
	41/3	0	10	12
	30/1	0	08	85
	30/4	0	13	91
लाहड़ी का वास	3	0	08	85
छिकरिया (छिकरया)	343/3	0	15	18
	341/7	0	02	53
	341/8	0	13	91
भलूवा	744	0	24	03
	748	0	01	26
	739	0	20	23

1	2	3	4	5
मगूदा-(क्रमश)	756	0	24	03
	734	1	02	43
	762	0	13	91
	730/1	0	93	58
	728/1457	0	10	12
	723	0	26	56
	721	0	10	47
	718	0	02	53
	702	0	26	56
	703	0	16	44
	668	0	02	53
	673/1	0	13	91
	673/2	0	25	29
	674	0	02	53
	675	0	01	26
	665	0	15	18
	638	0	16	41
	642	0	30	35
	645	0	15	18
	599	0	37	94
	533	0	15	18
	534	0	01	26
	535	0	12	65
	531	0	13	91
	530	0	08	85
	522	0	31	62
	519	0	20	23
	513	0	05	06
इटारडा	29	0	01	26
	36	0	26	56
	25	0	12	65
	23	0	10	12
	16	0	11	38
	15	0	01	26
	14	0	17	70
	12	0	15	18
	9	0	01	26
भ्यालाबास	62/491	0	16	44
	62/495	0	17	70
	61	0	13	91
	60	0	24	03
	57	0	02	53
	41/137	0	13	91
	49	0	16	44
	49/452	0	06	32
	48	0	02	53
	47	0	51	85
	26	0	02	53
	27	0	49	32
	30	0	01	26
	28	0	18	97
	29	0	25	29

1	2	3	4	5
नागलचापा	108	0	20	23
	225	0	25	29
	112	0	26	56
	113	0	02	53
	116	0	13	91
	115	0	05	06
	121/315	0	06	32
	121/314	0	25	29
	120	0	22	76
	219	0	34	14
	129	0	07	59
	135	0	45	52
	136	0	12	65
	138	0	03	79
	141	0	24	03
	139	0	01	26
	144/2	0	11	38
	144/1	0	06	32
	147	0	13	91
	161	0	02	53
	208	0	07	59
	207	0	02	53
	205	0	26	56
	200	0	02	53
	198	0	22	76
	196	0	01	26
	201	0	10	12
मडखिस्या	1	0	03	79
खारडी	60	0	05	06
	61	0	07	59
	59	0	05	06
	62	0	12	65
	54	0	11	38
	53	0	21	50
	52	0	34	14
	72	0	20	23
	114	0	07	59
	109	0	10	12
	106	0	08	85
	107	0	01	26
	85	0	11	38
	84	0	10	12
बिरामना	118	0	29	08
	114	0	26	56
	88	0	11	38
	87	0	18	97
सगाय	43	0	07	59
	42	0	08	85
	44	0	13	91
	41	0	10	12
	45	0	08	85

1	2	3	4	5
समय (क्रमशः)	35	0	06	32
	48	0	20	23
	49	0	01	26
	62	0	10	12
	61	0	01	26
	50	0	01	26
	60	0	27	82
	57	0	13	91
	58	0	01	26
	81	0	11	38
	82	0	12	65
	5	0	06	32
	87	0	10	12
	96	0	05	06
	95	0	10	12
	99	0	01	26
	111	0	03	79
	109	0	13	91
	108	0	22	76

[सं० 12020/15/76-प्रोडक्शन-IV]

S.O. 437.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Banipark, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Dausa District : Jaipur State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Deori	206	0	01	26
Rajwas	65	0	56	91
	63	0	02	53
	60	0	40	47
	53	0	08	85
	58	0	41	73
	75/1	0	18	97
	78	0	45	52
Rajwas (Contd.)	77	0	01	26
	80	0	08	85
	79	0	01	26
	84	0	08	85
	85	0	07	59
	94	0	07	59
	100	0	08	85
	97	0	01	26
	103	0	24	03
Jagsaraipura Hariyana (Hernathpura)	2	0	50	58
	61/7	0	37	94
	65/11	0	06	32
	65/10	0	08	85
	65/12	0	07	59
	90	0	21	50
Jhopadi	11	0	10	12
	9	0	26	56
	12	0	06	32
	8	0	17	70
	16	0	44	26
	26	0	01	26
	2	0	16	44
	46	0	03	79
	49	0	06	32
	44	0	16	44
	51	0	22	76
	53	0	01	26
	52	0	18	97
Khanwas	64	0	06	32
	63	0	06	32
	59	0	13	91
	60	0	03	79
	58	0	10	12
	56	0	05	06
	8	0	13	91
	6	0	13	91
	5	0	01	26
	7	0	02	53
	17	0	29	08
	28	0	01	26
Monderasunderapura	226	0	72	08
	237	0	27	82
	238	0	13	91
	236	0	29	08
	235	0	34	14
	263	0	08	85
	262	0	12	65
	275	0	72	08
	287	0	37	94
	307	0	20	23
	306	0	10	12
	305	0	12	65
	304	0	02	53
Chak Harpatti	14/34/1	0	07	59
	14	0	21	50
	2	0	18	97
	3	0	13	91
Dugrawata	329	0	13	91
	331	0	22	76
	335/1	0	16	44
	335/2	0	01	26

1	2	3	4	5
Biderkha	29/5	0	03	79
	29/1	0	10	12
	29/2	0	10	12
	27/1	0	07	59
	4/2	0	03	79
	4/3	0	05	06
	4/1	0	07	59
	5/1	0	06	32
	7/3	0	07	59
	7/4	0	07	59
	7/2	0	03	79
Kishanpura Bara	24	0	20	23
	25	0	27	82
Nayagaon	40/4/101	0	25	29
	40/4/100	0	15	18
	40/4/99	0	02	53
Koliyawas	71/1	0	03	79
	71	0	12	65
	63/8	0	11	38
	63/9	0	11	38
	58/5	0	16	44
	58/6	0	05	06
	58/3	0	37	94
	58/2	0	11	38
	57	0	54	37
	58/7	0	01	26
	55/1	0	02	53
Ramthala	73/10	0	02	53
	73/9	0	05	06
	73/8	0	01	26
	73/7	0	03	79
	73/5	0	02	53
	73/6	0	01	26
	73/4	0	13	91
Kanpura	175/3	0	02	53
	175/2	0	05	06
	175/1	0	06	32
	180/4	0	06	32
	180/2	0	01	26
	180/5	0	12	65
	180/7	0	11	38
	180/8	0	02	53
	155/2	0	12	65
	142/3	0	08	85
	141	0	01	26
	142/2	0	01	26
	133/13	0	10	12
	133/14	0	24	03
	133/12	0	01	26
	133/11	0	05	06
	133/10	0	13	91
	133/9	0	05	06
	132	0	12	65
	131/1	0	03	79
	131/2	0	02	53
	131	0	05	06
	130/2 & 130/3	0	06	32
Kanpura (Contd.)	130/1	0	01	26
	126	0	02	53
	128/1	0	03	79
	127 & 127/1	0	18	97
Mahpura	1	0	05	06
Baragam	766/9	0	20	23
	781/799/1	0	20	23
	781/799/2	0	13	91
	781/25	0	35	41
	781/24	0	01	26
	781/10	0	08	85
	781/9	0	07	59
	781/8	0	10	12
	782/2	0	03	79
	782/1	0	05	06
	782/3	0	02	53
Raniwas	7/2	0	07	59
	7/1	0	02	53
	7/5	0	01	26
	6/4	0	02	53
	6/7	0	05	06
	6/9	0	03	79
	6/8	0	01	26
	11/3	0	02	53
	11/2	0	02	53
	11/5	0	05	06
	11/4	0	01	26
	11/6	0	10	12
	11/7	0	02	53
	11/1	0	01	26
	12/5	0	20	23
	12/1	0	01	26
	18/4	0	02	53
	17/2	0	05	06
	17/1	0	01	26
	17/3	0	03	79
	17/4	0	08	85
	20/4	0	03	79
	51/5	0	02	53
	51/4	0	01	26
	51/1	0	02	53
	51/2	0	03	79
	50/2	0	08	85
	50/4	0	01	26
	50/3	0	17	70
	49/2	0	12	65
	49/1	0	07	59
	49/3	0	05	06
	49/4	0	01	26
	46/4	0	05	06
	45/4	0	10	12
	45/5	0	03	79
	45/3	0	03	79
	45/7	0	06	32
	45/8	0	06	32
	45/9	0	12	65
	45/10	0	03	79
	27/5	0	10	12
	27/4	0	01	26
	43/2	0	02	53
	43/1	0	07	59

1	2	3	4	5
Raniwas (contd.)	42/2	0	05	06
	42/3	0	05	06
	42/4	0	10	12
	37/1	0	03	79
	41/2	0	11	38
	41/3	0	10	12
	30/1	0	08	85
	30/4	0	13	91
Lahedikawas	3	0	08	85
Thikariya	343/3	0	15	18
	341/7	0	02	53
	341/8	0	13	91
Aluda	744	0	24	03
	748	0	01	26
	739	0	20	23
	756	0	24	03
	734	1	02	43
	762	0	13	91
	730/1	0	93	58
	728/1457	0	10	12
	723	0	26	56
	721	0	40	47
	718	0	02	53
	702	0	26	56
	703	0	16	44
	668	0	02	53
	673/1	0	13	91
	673/2	0	25	29
	674	0	02	53
	675	0	01	26
	665	0	15	18
	638	0	16	44
	642	0	30	35
	645	0	15	18
	599	0	37	94
	533	0	15	18
	534	0	01	26
	535	0	12	65
	531	0	13	91
	530	0	08	85
	522	0	31	62
	519	0	20	23
	513	0	05	06
Itarda	29	0	01	26
	36	0	26	56
	25	0	12	65
	23	0	10	12
	16	0	11	38
	15	0	01	26
	14	0	17	70
	12	0	15	18
	9	0	01	26
Shyalawas	62/491	0	16	44
	62/495	0	17	70
	61	0	13	91
	60	0	24	03
	57	0	02	53
	41/437	0	13	91
	49	0	16	44
	49/452	0	06	32
	48	0	02	53

1	2	3	4	5
Shyalawas (contd.)	47	0	51	85
	26	0	02	53
	27	0	49	32
	30	0	01	26
	28	0	18	97
	29	0	25	29
Nagal Chapa	108	0	20	23
	225	0	25	29
	112	0	26	56
	113	0	02	53
	116	0	13	91
	115	0	05	06
	121/315	0	06	32
	121/314	0	25	29
	120	0	22	76
	219	0	34	14
	129	0	07	59
	135	0	45	52
	136	0	12	65
	138	0	03	79
	141	0	24	03
	139	0	01	26
	144/2	0	11	38
	144/1	0	06	32
	147	0	13	91
	161	0	02	53
	208	0	07	59
	207	0	02	53
	205	0	26	56
	200	0	02	53
	198	0	22	76
	196	0	01	26
	201	0	10	12
Mund Ghishya	1	0	03	79
Kharandi	60	0	05	06
	61	0	07	59
	59	0	05	06
	62	0	12	65
	54	0	11	38
	53	0	21	50
	52	0	34	14
	72	0	20	23
	114	0	07	59
	109	0	10	12
	106	0	08	85
	107	0	01	26
	85	0	11	38
	84	0	10	12
Virasna	118	0	29	08
	114	0	26	56
	88	0	11	38
	87	0	18	97
Sarai	43	0	07	59
	42	0	08	85
	44	0	13	91
	41	0	10	12
	45	0	08	85
	35	0	06	32
	48	0	20	23
	49	0	01	26
	62	0	10	12
	61	0	01	26

1	2	3	4	5
	50	0	01	26
	60	0	27	82
	57	0	13	91
	58	0	01	26
	81	0	11	38
	82	0	12	65
	5	0	06	32
	87	0	10	12
	96	0	05	06
	95	0	10	12
	99	0	01	26
	111	0	03	79
	109	0	13	91
	108	0	22	76

[No. 12020/15/76-Prod. IV]

का० आ० 438—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि असम के शिवसागर जिले में रुद्रसागर कूप नं० 76 से रुद्रसागर जी० जी० एस० नम्बर 2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः; अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़ बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 76 से रुद्रसागर जी० जी० एस० नम्बर 2 तक की पाइप लाइन

राज्य—असम जिला : शिवसागर तालुक : मेतेका बोनगाव

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	एरे	सेन्टी एरे
2	2	3	4	5
रूपाहीबिल	15 ख	0	5	89
	157 ख	0	1	34
	152 ख	0	6	02
	155 ख	0	1	87
	156 ख	0	2	41
	158 ख	0	0	40
	221 ख	0	2	27
	159 ख	0	1	20
	161 ख	0	1	20
रूपाहीबिल (क्रमशः)	162 ख	0	1	20
	165 ख	0	1	20
	166 ख	0	0	94
	167 ख	0	0	67
	168 ख	0	2	41
	181 ख	0	1	34
	214 ख	0	0	54

[सं० 12020/13/76-प्रोडक्शन-I]

S.O. 438.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Rudrasagar well No. 76 to Rudrasagar Group Gathering Station No. 2 in Sibsagar Distt., Assam, Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 76 to Rudrasagar Group gathering Station No. 2

State : Assam Distt. : Sibsagar Taluk : Metehabongaon.

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Rupahibill	5 Kha	0	5	89
	157 Kha	0	1	34
	152 Kha	0	6	02
	155 Kha	0	1	87
	156 Kha	0	2	41
	158 Kha	0	0	40
	221 Kha	0	2	27
	159 Kha	0	1	20
	161 Kha	0	1	20
	162 Kha	0	1	20
	165 Kha	0	1	20
	166 Kha	0	0	94
	167 Kha	0	0	67
	168 Kha	0	2	41
	181 Kha	0	1	34
	214 Kha	0	0	54

[No. 12020/13/76-Prod. I]

का० आ० 439.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में असम के शिवसागर जिले में लकवा जी० जी० एस० नम्बर 7 से रुद्रसागर लकवा ट्रंक पाइपलाइन के जंकशन पाइन्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोडा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

लकवा जी० जी० एस० नम्बर 7 से रुद्रसागर लकवा ट्रंक पाइपलाइन के जंकशन पाइन्ट तक राजगढ़ अली के पास

राज्य : असम जिला : शिवसागर तालुका : सिलाकुटी

ग्राम	सर्वेक्षण नम्बर	हेक्टेयर	ऐरे	सेन्टीऐरे
सोला चाह बगीचा	2 ख	0	4	82
	3 ख	0	5	89
	5 ख	0	0	80
	6 ख	0	2	01
	6 क	0	1	74
	7 ख	0	15	52
	7 घ	0	4	82
	8 ख	0	8	83
	9 ख	0	25	55
	9 ङ	0	6	69

[सं० 12020/13/76-प्रोडक्शन-II]

S.O. 439.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lakwa GGS No 7 to Junction Point of RDS-LKW Pipeline in Sibsagar Dist., Assam, pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz., the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Lakwa GGS No. 7 to Junction & Point of Rudrasagar-Lakwa Trunk Pipeline Near Rajgarh Ali.

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Silakuti

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Sola Chah Bagicha	2 Kha	0	4	82
	3 Kha	0	5	89
	5 Kha	0	0	80
	6 Kha	0	2	01
	6 Unga	0	1	74
	7 Kha	0	15	52
	7 Gha	0	4	82
	8 Kha	0	8	83
	9 Kha	0	25	55
	9Unga	0	6	69

[No. 12020/13/76-Prod. II]

का० आ० 440.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि असम के शिवसागर जिले में गलेकी जी० जी० एस० संख्या 2 से रुद्रसागर लकवा ट्रंक पाइप लाइन के जंकशन पाइन्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोडा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

गेलिकी जी० जी० एस० नम्बर 2 से रुद्रसागर लकवा ट्रंक पाइपलाईन का जंकशन पाइन्ट तक की पाइपलाइन

राज्य : असम जिला : शिवसागर तालुक : जांकलगी

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टीऐरे
1	2	3	4	5
केनेकीबारी	318 ख	0	26	49
	316 ख	0	18	06
	284 ख	0	5	08

1	2	3	4	5
केतेकीबारी (ऋमशः)	303 ख	0	15	79
	353 ख	0	3	08
	288 ख	0	0	94
	296 क	0	5	08
	285 ख	0	5	89
	349 ख	0	2	81
	350 ख	0	0	54
	372 ख	0	1	87
	373 ख	0	2	68
	373 घ	0	2	81
	401 ख	0	2	01
	401 ग	0	4	55
	569 ख	0	6	29
	404 ख	0	5	89
	510 ख	0	2	94
	550 ख	0	0	40
	370 ख	0	5	62
	568 ख	0	1	47
	367 ख	0	12	31
	368 ख	0	1	07
	399 ख	0	1	07
	400 ख	0	6	96
	511 ख	0	8	16
	485 ख	0	0	13
	509 ख	0	4	41
	498 ख	0	12	31
	498 घ	0	8	83
	501 ख	0	8	16
	495 ख	0	2	94
	548 ख	0	1	74
	549 ख	0	9	63
	549 घ	0	1	07
	555 ख	0	11	77
	554 क	0	2	68
	557 ख	0	0	80
	490 ख	0	12	31
	486 ख	0	15	79
	489 ख	0	3	61
	348 ख	0	10	84
	491 ख	0	3	75

[सं० 12020/13/76-प्रोडक्शन-III]

S.O. 440.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Geleki GGS No. 2 to junction Point of Rudrasagar-Lakwa Trunk Pipeline in Sibsagar Distt., Assam, Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz., the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Geleki GGS No. 2 to Junction Point of Rudrasagar-Lakwa Trunk Pipeline.

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Joktali

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
	318Kha	0	26	49
	316 Kha	0	18	06
Ketekibari	284 Kha	0	5	08
	303 Kha	0	15	79
	353 Kha	0	3	08
	288 Kha	0	0	94
	296 Kha	0	5	08
	285 Kha	0	5	89
	349 Kha	0	2	81
	350 Kha	0	0	54
	372 Kha	0	1	87
	373 Kha	0	2	68
	373 Gha	0	2	81
	401 Kha	0	2	01
	401 Gha	0	4	55
	569 Kha	0	6	29
	404 Kha	0	5	89
	510 Kha	0	2	94
	550 Kha	0	0	40
	370 Kha	0	5	62
	568 Kha	0	1	47
	367 Kha	0	12	31
	368 Kha	0	1	07
	399 Kha	0	1	07
	400 Kha	0	6	96
	511 Kha	0	8	16
	485 Kha	0	0	13
	509 Kha	0	4	41
	498 Kha	0	12	31
	498 Gha	0	8	83
	501 Kha	0	8	16
	495 Kha	0	2	94
	548 Kha	0	1	74
	549 Kha	0	9	63
	549 Gha	0	1	07
	555 Kha	0	11	77
	554 Ka	0	2	68
	557 Kha	0	0	80
	490 Kha	0	12	31
	486 Kha	0	15	79
	489 Kha	0	3	61
	348 Kha	0	10	84
	491 Kha	0	3	75

[No. 12020/13/76-Prod. III]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1977

का० आ० 441.—भूमि के अधिकार के अर्जन के लिए गुजरात राज्य के जिला मेहसाना में डी० एस० के-159 से के-162 से सी० टी० एफ० तक पाइपलाइन बिछाने के लिए पैट्रोलियम पाइपलाइन अधिनियम 1962 की धारा 3(1)

के अन्तर्गत जारी की गई पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय के पैट्रोलियम विभाग की अधिसूचना संख्या आई० एस०-12016/2/75 एल एण्ड एल/11 दिनांक 16-10-75 से संलग्न अनुसूची में :

पढ़ें			के स्थान पर		
गांव	तालुका	जिला	गांव	तालुका	जिला
कलोल सर्वेक्षण नं० 273/1	कलोल	मेहसाना	कलोल सर्वेक्षण नं० 273/3	कलोल	मेहसाना

[संख्या 12016(2)/75-एल एण्ड एल/प्रोडक्शन]
टी० पी० सुब्रह्मनियन, अवर सचिव

ERRATUM

New Delhi, the 17th January, 1977

S.O. 441.—In schedule appended to the Government Notification Ministry of Petroleum Department of Petroleum, New Delhi No. IS?12016/2/75-L&L/II dated 16-10-75, issued under section 3(1) for the acquisition of right of user for laying pipeline from d.s. K-159 to K-162 C.T.F. in Gujarat State, District Mehsana.

Read			For		
Village	Taluka	District	Village	Taluka	District
Kalol Survey No. 273/1	Kalol	Mehsana	Kalol Survey No. 273/3	Kalol	Mehsana

[No. 12016/2/75-L&L/Prod.]
T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

स्वास्थ्य व परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1977

का० आ० 442.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 27 मार्च, 1962 की अधिसूचना सं० 16-15/61-चि० I द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए वैलेन्शिया विश्वविद्यालय (स्पेन) द्वारा प्रदत्त 'लाइसेंशिएडो आन मेडिसिन साइरूजिया' मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० पेरेडो ओरटिज डि जेरेटे एमेलिया, जिनके पास उपर्युक्त अर्हता है धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल नाजारेठ हास्पिटल शिलांग, मेघालय के साथ सम्बद्ध हैं ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा—

(1) 13 अक्तूबर, 1976 से आगे और दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा,

(2) उस अवधि को जब तक डा० पेरेडो ओरटिज डि जेरेट एमेलिया, नाजरेठ हास्पिटल, शिलांग, मेघालय के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो, वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर प्रैक्टिस कर सकेंगे ।

[सं० बी० 11016/21/76-एम० पी० टी०]
विवेक कुमार अग्निहोत्री, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 18th January, 1977

S.O. 442.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-15/61-MI, dated the 27th March, 1962, the Central Government has directed that the medical qualification, "Licenciado an Medicine Cirugir" granted by the University of Valencia (Spain) shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Peredo Ortiz de Zarate Amalia, who possesses the said qualification is for the time being attached to the Mazareth Hospital, Shillong, Meghalaya, for the purposes of charitable work ;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a further period of two years with effect from the 13th October, 1976, or

(ii) the period during which Dr. Peredo Ortiz de Zarate Amalia is attached to the said—Mazareth Hospital, Shillong, Meghalaya, whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/21/76-MPT]
V. K. AGNIHOTRI, Under Secy.

कृषि व सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1977

का० आ० 443.—राष्ट्रपति, मूल नियम के नियम 45 के अनुसरण में राष्ट्रीय चीनी संस्थान (निवासों का आबंटन) नियम, 1965 में, जिसे भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य और कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3353 तारीख 16 अक्तूबर, 1965 के अन्तर्गत अनुपूरक नियम में प्रभाग 26-प के रूप में अन्तःस्थापित किया गया है, निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय चीनी संस्थान (निवासों का आबंटन) संशोधन, नियम, 1977 है ।

(2) ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2 राष्ट्रीय चीनी संस्थान (निवासों का आबंटन) नियम, 1965 में, अनुपूरक नियम 317-प-3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :—

"अनु० नि० 317-प-3 निवासों का वर्गीकरण :—

इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट मासिक उपलब्धियां पाने वाला अधिकारी उसके स्तम्भ (1) में तत्संबंधी प्रविष्टि में वर्णित प्रकार का निवास आबंटित किए जाने का पात्र होगा ।

सारणी

निवास का प्रकार	मासिक उपलब्धियां
i	259 रु० तक
ii	260 से 499 रु० तक
iii	500 से 999 रु० तक
iv	1000 से 1499 रु० तक
v	1500 और उस से अधिक

[स० डी-11012/1/76-चीनी]
सी० पी० सेठ, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 17th January, 1977

S.O. 443.—In pursuance of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the National Sugar Institute ((Allotment of Residences) Rules, 1965, inserted as Division XXVI-U in the Supplementary Rules, under the notification of the Government of India in the late Ministry of Food and Agriculture (Department of Food), No. S O 3353, dated the 16th October, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Sugar Institute (Allotment of Residences) Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Sugar Institute (Allotment of Residences) Rules, 1965, for rule S.R. 317-U-3, the following rule shall be substituted, namely :—

"S R. 317-U-3 Classification of residences:—

Save as otherwise provided in these rules, an Officier drawing monthly emoluments as specified in Column (2) of the Table below shall be eligible for allotment of residence of the type mentioned in the corresponding entry in Column (1) thereof.

TABLE

Type of residence	Monthly emoluments
I	Upto 259
II	260 to 499
III	500 to 999
IV	1000 to 1499
V	1500 and above"

[No. D-11012/1/76-Sugar]
C. P. SETH, Under Secy.

शुद्धी पत्र

का० आ० 444—इस विभाग के तारीख 22-11-76 के आदेश स० 52/4/71-एफ० सी० 3 (बाल० 5) में निम्नलिखित शुद्धियां की जाए —

आदेश मे क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियां
	(i) कालम 3 में "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" के स्थान पर 'सलैक्शन ग्रेड क्लर्क' पढ़ें।
	(ii) कालम 4 में "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" के स्थान पर "सलैक्शन ग्रेड क्लर्क पढ़ें।

2. इस विभाग के तारीख 27-12-76 के आदेश स० 52/4/71-एफ० सी० 3 (बाल० 6) में निम्नलिखित शुद्धियां की जाए —

आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियां
26	कालम 2 मे "श्री टी० जहान" के स्थान पर "श्री टी० जगन" पढ़ें।

3 इस विभाग के तारीख 7-8-1974 के आदेश संख्या 52/21/68-एफ० सी० 3 (ई० जेड/बाल० 74) मे निम्नलिखित शुद्धियां की जाएं —

आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियां
7	क्रम संख्या 12 की दृष्टि मे इसे निकाल दिया जाए।
31	क्रम संख्या 29 की दृष्टि मे इसे निकाल दिया जाए।

4 इस विभाग के तारीख 11-6-1974 आदेश संख्या 52/21/68-एफ० सी० 3 (एन० जेड) बाल०7 में निम्नलिखित शुद्धियां की जाए –

आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियां
17	कालम 5 में तारीख "4-11-69" के स्थान पर "3-11-69" पढ़ें।

[स० 52/4/71–एफ० सी० 3 (बाल० 6)]
बख्शी राम, उप सचिव

CORRIGENDUM

S.O.444.—In this Department Order No. 52/4/71-FC-III(Vol. V) dated 22-11-76, the following correction shall be carried out :

Sl. No in the Order	Correction to be carried out
9	(i) For the words "Senior Godown Keeper" in col. 3, read "Selection Grade Clerk".
	(ii) For the words "Senior Godown Keeper" in col. 4, read "Selection Grade Clerk".

2. In this Department Order No. 52/4/71-FC. III(Vol. VI) dated 27-12-76, the following correction shall be carried out. :

Sl. No. in the Order	Correction to be carried out
26 . .	For the words "Shri T. Janan" in col. 2, read "Shri T. Jagan".

3. In this Department Order No. 52/21/68-FC. III(EZ)/Vol. IV dated 7-8-1974, the following correction shall be carried out :

Sl. No. in the Order	Correction to be carried out
7	May be deleted in view of Sl. No. 12
31 . .	May be deleted in view of Sl. No. 29

4. In this Department Order No. 52/21/68-FC. III (NZ)/Vol. VII dated 11-6-1974, the following correction shall be carried out :

Sl. No. in the Order	Correction to be carried out
17	For the date "4-11-69" in col. 5, read "3-11-69".

[No. 52/4/71-FC. III(Vol. VI)]
BAKHSHI RAM, Dy. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1977

का० आ० 445.—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (ग) के अनुसरण में श्री जगन्नाथ पहाड़िया, श्रम मंत्रालय में उप मंत्री, को श्री बाल गोविन्द वर्मा के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० संख्या 1517, दिनांक 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (ग) के अधीन नामनिर्दिष्ट शीर्षक के नीचे मद 3 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"श्री जगन्नाथ पहाड़िया
श्रम मंत्रालय में उप मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली"

[फा० संख्या यू० 16012/22/76-एच० आई०]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th January, 1977

S.O. 445.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (c) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Jagannath Pahadia, Deputy Minister in the Ministry of Labour as a Member of the Employees' State Insurance Corporation, in the place of Shri Bal Govind Verma;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1517 dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under heading "(Nominated by the Central Government under clause (c) of section 4)", for the entry against item 3, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri Jagannath Pahadia, Deputy Minister in the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi."

[F. No. U-16012/22/76-HI]

का० आ० 446.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2981, तारीख, 27 जून, 1976 के अनुक्रम में इंडियन रिफाइनरीज लिमिटेड, गौहाटी, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 19 अक्तूबर, 1976 से 18 अक्तूबर, 1977 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाअपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से सम्बन्धित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक, या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाये, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के नवीकरण के लिए महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सिफारिश देर से प्राप्त हुई थी। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को आरम्भ में छूट दी गई थी, वे अब भी विद्यमान हैं और कारखाना छूट का पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस०-38014(46)/76-एच० आई०]

S.O. 446.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2981 dated 27th July, 1976, the Central Government hereby exempts the Indian Refineries Limited, Gauhati, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from

the 19th October, 1976 upto and inclusive of the 18th October. 1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Director General, Employees State Insurance Corporation for the renewal of exemption was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 38014/46/76-HI]

का० आ० 447.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2053, तारीख 15 मई, 1976 के अनुक्रम मे नेशनल इन्स्ट्रूमेंटस लिमिटेड कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 13 नवम्बर, 1976 से 12 नवम्बर, 1977 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप मे और ऐसे विशिष्टियो सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि के बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियो को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथापेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नही ; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदो को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद मे और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर मे किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियो के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर मे पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के नवीकरण के लिए महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सिफारिश देर से प्राप्त हुई थी। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियो मे कारखाने को आरम्भ मे छूट दी गई थी वे अभी भी विद्यमान है और कारखाना छूट का पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नही पड़ेगा।

[सं० एस०-38017(3)/76-एच आई]

S.O. 447—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S O No 2063 dated the 15th May, 1976, the Central Government hereby exempts the National Instruments Limited, Calcutta from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 13th November, 1976 upto and inclusive of the 12th November, 1977.

2 The above exemption is subject to the following conditions, namely —

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950,

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub section (1) of section 44 for the said period, or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification, or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory,

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary , or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary, or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee, or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Director General, Employees' State Insurance Corporation for renewal of the exemption was received late However, it is certified that the conditions under which factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely

[No S 38017/3/76-H I]

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1977

का० आ० 448—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खंड (क) के अनुसरण मे श्री जगन्नाथ पहाडिया, श्रम मंत्रालय मे उप मंत्री को श्री बाल गोविन्द वर्मा के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थाई समिति के अध्यक्ष के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है,

अत अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का, 34) की धारा 8 के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के श्रम मत्रालय की अधिसूचना सख्या का० आ० 477 ई० दिनाक 16 जुलाई, 1976 मे निम्नलिखित सशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना मे [केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 8 के खंड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट] शीर्षक के नीचे मद 1 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

"श्री जगन्नाथ पहाडिया,
श्रम मत्रालय मे उप मत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली"

[फा० संख्या यू० 16012/22/76-एच० आई०]

New Delhi, the 17th January, 1976

S.O 448.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (a) of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri Jagannath Pahadia, Deputy Minister in the Ministry of Labour as the Chairman of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation, in the place of Shri Bal Govind Verma;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S O 477E, dated the 16th July, 1976, namely —

In the said notification, under the heading "(Nominated by the Central Government under clause (a) of section 8)", for the entry against item 1, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri Jagannath Pahadia.
Deputy Minister in the Ministry of Labour.
Government of India, New Delhi"

[F No U-16012/22/76-HI]

का० आ० 449—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 4 के उप-पैरा (1) के खड (ख) और (ग) के अनुसरण मे (1) उपसचिव, श्रम विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम और (2) श्री जेम्स मैकिल, सचिव, केरल प्लान्टर्स संस्था, कालूर–डाकघर, कोचीन 682017 को केरल राज्य के लिए गठित प्रादेशिक समिति के सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना स० का० आ० 1072 तारीख 21 फरवरी, 1976 मे निम्नलिखित और सशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना मे, क्रम सख्या 3 और 4 तथा स्तम्भ 2 मे इन क्रम सख्याओ के सामने दी गई प्रविष्टियो के स्थान पर क्रमश निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी, अर्थात्—

"3 उप सचिव, श्रम विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम 1," तथा
"4 श्री जेम्स मैकिल, सचिव, केरल प्लान्टर्स सस्था, कालूर- डाकघर कोचीन 682017, केरल।"

[स० डी० 20012(2)/73-पी० एफ ०2]

एस० एस० सहस्रनामन, उप सचिव

S.O. 449.—In pursuance of clause (b) and (c) of sub-paragraph (i) of paragraph 4 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, the Central Government hereby appoints (i) The Deputy Secretary to the Government of Kerala. Labour Department, Trivandrum and (ii) Mr. James Mackil, Secretary, Association of Planters of Kerala, Kaloor Post Office, Cochin 682017 as members of the Regional Committee set up for the State of Kerala and makes the following further amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour No. S.O. 1072 dated the 23rd February, 1976, namely :—

In the said notification for serial numbers. 3 and 4 and for the entries against these serial numbers in Column 2, the following entries shall be substituted respectively, namely :—

"3. The Deputy Secretary to the Government Kerala. Labour Department, Trivandrum".

and

"4. Mr. James Mackil, Secretary, Association of Planters of Kerala, Kaloor Post Office, Cochin-682017, Kerala."

[No. V-20012(2)/73 PF. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy

आदेश

का० आ० 450.--केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टार कंस्ट्रक्शन एंड ट्रांसपोर्ट कम्पनी, संकरी एण्ड इंडिया सीमेंट्स लि०, संकरी के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14 की धारा 7 क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० एन० सिंगारवेलु होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स स्टार कंस्ट्रक्शन एंड ट्रांसपोर्ट कम्पनी संकरी और इंडिया सीमेंट्स लि०, संकरी के प्रबन्धतन्त्र का--

(क) 1976 के बजाय 1973 में विद्यमान पूर्वतन वेतनमान के अधिकतम तक पहुंचने की तारीख को लेते हुए विस्फोटकों (ब्लास्टर्स) की श्रेणी को "घ" से "ग" में परिवर्तित करके कुछ कर्मचारियो के मामले में, जो 1973 से 1976 तक की अवधि के दौरान वेतनमान के अधिकतम तक पहुंच गए थे, भेदभाव करना,

(ख) पुष्टिकरण के लिए कम्पनी के नोटिस बोर्ड पर उल्लिखित 98 कर्मकारों में से अन्तिम छह कर्मकारों की पुष्टि न करना;

न्यायोचित है?

यदि नहीं, तो प्रभावित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है ?

[सं० एल०-29011/24/76-डी०-3बी०]

डी० डी० चाफला, अवर सचिव

ORDER

S.O. 450.—WHEREAS the Central Government is of opinion that an Industrial dispute exists between the employers in reltion to the management of Star Construction and Transport Ctmpany, Sankari & India Cements Ltd. Sankari and their workmen in respect of the matters specified in the schedule hereto annexed.

AND, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication,

NOW, therefore in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. N. Singaravelu shall be the Presiding Officer, with head quarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the management of *M/s Star Construction and Transport Co., Sankari and India Cements Ltd., Sankari* are justified :

(a) In changing the grade of Blasters from "D" to "C" by taking the date of reaching the maximum in the earlier grade as existing in 1973, instead of 1976, thereby discriminating the cases of certain employees who have reached the maximum during the period 1973 to 1976;

(b) In not confirming the last six workmen cut of the 98 workmen mentioned in the Notice Board of the Company for confirmation.

If not, to what relief are the affected workmen entitled ?

[No. L-29011/24/76-D.IIIB]

D. D. CHAUFLA, Under Secy.

New Delhi, the 15th January, 1977

S.O. 451.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Digwadih Colliery of Tata Iron and Steel Company Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th January, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industarial Disputes Act, 1947

Reference No. 10 of 1971

(Ministry's Order No. L-2012/77/71-LRII, *dated*, 3-6-'71)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

For the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate

For the Workmen—Shri B. Lal, Advocate.

State : Bihar. **Industry : Coal**

Dhanbad, dated the 10th January, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the

Industrial Disputes Act has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal, namely :—

"Whether the action of the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad in dismissing Shri Ram Prabesh Ojha, Banksman from service with effect from the 17th November, 1970 is justified ? If not, to what relief is he entitled ?

2. Ram Prabesh Ojha was employed as a Banksman in the Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited. He was on duty in A shift at 9 Pit top on September 29, 1970. K. B. Trehan, the Colliery Manager, and A. N. Acharya, the Assistant Manager of 16, Seam, were on a round of the colliery and reached 9 Pit top at 12.15 p.m. and found Ram Prabesh Ojha missing from the place of his duty, without authorisation. They enquired from Ram Nagina, the surface Trolley-man, as to where Ram Parbesh Ojha was and Ram Nagina informed them that he was absent for the last one hour. On these allegations, a chargesheet Ext. M-2 was issued to Ram Prabesh Ojha on October 1, 1970 for commission of 'misconduct' under Standing Order No. 19(18) and (19) and for violation of Coal Mines Regulation No. 52(1)(d). The Standing Order is Ext. M-5, Standing Order No. 19 says that an employee may be dismissed if he is found to be guilty of misconduct. There are 20 different misconducts specified in this Standing Order. Under Standing Order No. 19(18), leaving work without permission; and under Standing Order No. 19(19) any breach of the Indian Mines Act or of any other Act or of any rules etc. thereunder, are 'misconducts'. Regulation 52(1)(d) says that every Banksman shall observe the provisions contained in clauses (a) to (p). Clause (d) says that he shall devote the whole of his time to his duty, and shall not leave his post during the period of his duty. Where persons are raised or lowered in the shaft, he shall not leave his post at the end of his shift unless all the persons have come out of the shaft or unless relieved by a duly appointed substitute. It is for the commission of the above two 'misconducts' under Standing Order No. 19(18) and (19) and for the contravention of the above quoted regulation that Ram Parbesh Ojha was given the chargesheet.

3. His reply to the chargesheet is Ext. M-3. His version of the incident is that there was no arrangement for drinking water at 9 Pit top and since he was feeling thirsty, he went away from his place of duty to the drinking water-tap, situate near the colliery gate, at about 12.15 p.m., after informing Sheo Balak and Mangra that he was going to have a drink at the tap. He further alleged that it hardly took him 10 minutes to go to and come back from the tap; and when he returned, Sheo Balak informed him that K.B. Trehan and A. N. Acharya had come on a round and had found him absent and he had informed them that he (Ram Prabesh Ojha) had gone to quench his thirst at the tap.

4. R. I. Luther MW-1, the Colliery Personnel Officer, was appointed the Enquiry Officer to conduct the domestic enquiry. The enquiry commenced on October 15, 1970. The Management examined K. B. Trehan who was duly cross-examined by Ram Prabesh Ojha. The second to be examined was A. N. Acharya who was also cross-examined at length, but while his cross-examination was still on, Ram Prabesh Ojha stated that the evidence was being recorded rather slowly and he had to join his shift from 4 p.m. and consequently he will no more participate in the enquiry proceedings. K. B. Trehan attempted to persuade him to continue to participate as the time was still 10 a.m. while the shift was to start at 4 p.m. and further assured him that even if he was late in joining the shift, he would take no notice of his absence but Ram Prabesh Ojha paid no heed to this advice. R. I. Luther then asked Ram Prabesh Ojha to sign the statement of A. N. Acharya but he refused to do so and walked out of the room. R. I. Luther then examined Ram Nagina exparte. The statements of K. B. Trehan, A. N. Acharya and Ram Nagina are Ext. M-9, M-10 and M-11. R. I. Luther submitted his report Ext. M-12 on October 22, 1970 holding that Ram Prabesh Ojha had committed the two alleged 'misconducts' and had violated the said regulation. The Agent accepted his report and passed the order of dismissal Ext. M-4 on November 11, 1970, effective from November 17, 1970.

5. Ram Prabesh Ojha approached the Assistant Labour Commissioner (Central) for conciliation but that ended in a failure, necessitating the present reference.

6. The reference was made on June 3, 1971 before the insertion of section 11A in the Industrial dispute Act. It has been held by the Supreme Court in Workmen of Firestone Tyre and Rubber Co. Vs. Management, 10 S.C.L.J. 159 that section 11A does not apply to disputes which have been referred prior to December 15, 1971; and that this section applies only to disputes which are referred on or after the said date. It was further made clear by their Lordships that disputes referred for adjudication prior to December 15, 1971 will have to be dealt with in accordance with the earlier decisions of the Court.

7. The learned counsel for the colliery raised a preliminary point that it be decided first whether the domestic enquiry was or was not fair and proper. Arguments were heard and a decision was given on December 9, 1976 that the domestic enquiry was held in a fair and proper manner and the charges were established, namely, that Ram Prabesh Ojha was absent from his place of duty for one hour near about 12.15 p.m. on September 29, 1970 without permission. The case was then listed for final hearing. The learned counsel for the Management wanted to examine one witness on the date of final hearing to prove the past record of service of Ram Prabesh Ojha but this was seriously objected to by the learned counsel for Ram Prabesh Ojha who urged that it was no longer open to the Management to lead fresh evidence after it had been held that the domestic enquiry was fair and proper and the charges had been established, and if it was intended to prove the past record, it should have been done when evidence was led to prove the proceedings of the domestic enquiry. The attempt to examine the witness to prove the past record was then given up by the learned counsel for the Management. The only point now remaining for decision is whether the punishment of dismissal is justified or not, keeping in view the fact that the matter has to be decided within the ambit of the law enunciated before the insertion of section 11A.

8. The old law is well-settled that the Tribunal is not to examine the quantum of punishment because the whole of the dispute is not really open before it as it is ordinarily before a Court of Appeal. In respect of punishment it has been ruled that the award of punishment for misconduct under the standing orders, if any, is a matter for the management to decide and if there is any justification for the punishment imposed, the Tribunal should not interfere. The Tribunal is not required to consider the propriety or adequacy of the punishment or whether it is excessive or too severe. But where the punishment is shockingly disproportionate, regard being had to the particular conduct and the past record or is such, as no reasonable employer would ever impose, in like circumstances, the Tribunal may treat the imposition of such punishment as itself showing victimization or unfair labour practice. See Hind Construction and Engineering Co. Ltd. vs. Their Workmen, 1965 (I) LLJ.462. These principles can be gathered from the following cases also :

Bengal Bhatdee Coal Company Ltd. vs. Ram Prabesh Singh, 1963 (I) LLJ.291; Buckingham and Carnatic Company Ltd. vs. Their Workers, 1951 (II) LLJ314; Titaghar Paper Mills Company Ltd. vs. Ram Naresh Kumar, 1961 (I) LLJ.511; Doom Dooma Tea Co. Ltd. Vs. Assam Chah Karamchari Sangh, 1960 (II) LLJ.56; Punjab National Bank Ltd. vs. Their Workmen, 1969 (II) LLJ. 666; Chartered Bank vs. Chartered Bank Employees' Union, 1960 (II) LLJ. 222, and Management of Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry vs. Their Workmen, 1971 (II) LLJ.630.

9. In the written statement filed by the management, it has been alleged in paragraphs 9 and 11 that Ram Prabesh Ojha was suspended several times for similar and other acts of proved misconducts and his past record was such that dismissal was eminently justified in his case. The plea that the past record was taken into consideration in imposing the punishment was denied by Ram Prabesh Ojha in paragraph 20 of his written statement. With regard to the allegation of previous suspension, it was averred in paragraph 27 that "presuming but not admitting suspension only some times in the past long services did not warrant dismissal." Similarly, it was alleged in paragraph 28 "that it may be noted that it is not always possible for a workman to challenge the suspension even if it was not proper and legal for avoiding litigation which does not pay." There is thus neither a clear denial, nor a clear admission. However, no presumption can be made that a workman's past record must have been good or must have been bad. It is a matter which requires proof either way. Nothing turns therefore, on the

basis of the so-called past record, which the Management failed to prove. I shall now look into the particular conduct to see if the punishment of dismissal is warranted I have no doubt in my mind that the job of a Banksman who works on the surface of a mine, and the corresponding job of an Onsetter who works below ground, is an important one. It is on the signal given by a Banksman that the Winding Engine Khalasi operates the engine. He also gets similar signals from the Onsetter. It is on his signal that cages are lowered from the surface to the pit bottom for hauling up coal or other materials or men. If he absents himself from duty, the lowering down of the cage or its hauling up, will come to a stand-still. Officers and workmen may have to stand on the surface waiting to go down; or officers and workmen may have to stand at the pit bottom to be hauld up. Excavated coal or other materials may lie in tram wagons at the pit bottom or vacant or loaded wagons may be stabled on the pit surface, and this may create congestion. If some misfortune happens below ground during the period of absence, like water-inundation or fire or caveins, valuable lives may be lost unless some one else acts in the emergency for the Banksman to meet the calamity and disaster. That no misfortune actually took place and no one was required to act in any emergency, would not justify the absence when the regulation is pre-emptory that a Banksman cannot leave the place of his duty. It was argued that Ram Prabesh Ojha was absent only for 10 minutes and had gone merely to have a drink at the water tap; but it has been held in the domestic enquiry that this plea was untrue and that finding has been accepted by the Tribunal as fair and proper. It is obvious, therefore, that Ram Prabesh Ojha was valuntarily absent for a period of one hour and failed to perform an important duty. The regulation prescribes that he was bound to devote the whole of his time to his duty and was not to leave his post during the period of his duty. Indeed, the duties are of such an onerous nature that even if the shift is over, he has to remain on duty till all persons have come out of the mine or till such time as he is relieved by a substitute. A very lenient view, therefore, cannot be taken. Nor is it a case where the order of dismissal can be said to be justified. He had put in 20 years service in the colliery and I think that dismissal for absence for one hour would be shockingly disproportionate, having regard to the particular breach. Standing Order No. 19 provides for three kinds of punishment for 'miscorduct', namely, suspension, fine, or dismissal. I think a fine of three months wages will amply meet the needs of justice.

10. My award is that the management of Digwadih Colliery were not justified in dismissing Ram Prabesh Ojha from service. However, in view of the fact that the two 'misconducts' were proved and there was also a violation of regulation 52(1)(d), the dismissal is substituted by a fine of three months wages. He will be reinstated with effect from November 17, 1970 with continuity of service. With regard to back wages, since both parties were at fault I think that Ram Prabesh Ojha is entitled only to half back wages, after deduction of the fine amounting to three months full wages, inclusive of all allowances.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-20012/77/71-LRII/DIIIA]
S. H. S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 24th January, 1977

S.O. 452.—In pursuance of section 17 of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Naresh Kumar and Company, Contractor, Digwadih Colliery, Chopra Villa Bastacolla, P.O. Dhansar, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th January, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 15 of 1974.

(Ministry's Order No L-2012/116/74-LRII, dated, 'nil', 1974).

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Messrs. Naresh Kumar and Company, Contractor, Digwadih Colliery, Chopra Villa, Bastacolla, Post Office Dhansar, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. B. Srivastava (Retd.)

Presiding Officer.

For the Employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen.—Shri B. N. Sharma, President Congress Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 12th January, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal, namely :—

"Whether the action of the Management of Messrs. Naresh Kumar and Company, Contractor, Digwadih Colliery Chopra Villa, Bastacolla, Post Office Dhansar, District Dhanbad in dismissing from service Shri B. C. Banerjee, Cabinman with effect from the 29th May, 1974 is justified ? If not to what relief is the conecrned workman entitled?"

2. On behalf of Messrs Naresh Kumar and Co., a preliminary objection has been raised against the validity of the reference itself. It is urged that under Section 2(a) of the Industrial Disputes Act, the 'appropriate Government' which could make a valid reference in relation to the present dispute between the parties is the State Government of Bihar and not the Central Government and so, the reference made by the latter Government is unauthorised and incompetent and the Tribunal has, therefore, no jurisdiction to deal with it.

3. Before dealing with this point, it is necessary to refer to the relevant material facts in regard to the dispute. The Tata Iron & Steel Company Limited (hereinafter referred to as the TISCO) owns six collieries, namely, the Sijua Colliery, the Bhelatand Colliery, the Malkera Colliery, the Jamadoba Colliery, the 6 & 7 Pits Colliery at Jamadoba and the Digwadih Colliery. The TISCO also owns a Coal Washery which is situate on the premises of the Jamadoba Colliery. The TISCO appointed Messrs Naresh Kumar & Co. (hereinafter referred to as the Company) as their coal-transport contractor for the carriage of coal from 6 & 7 Pits Colliery and from Digwadih Colliery to the Coal Washery at Jamadoba. The Company carries the coal in its own trucks and employs workmen in connection with this transport business. B. C. Banerjee was employed by the Company as a Cabinman. He was dismissed from service with effect from May 28, 1974. The present reference relates to the justification or otherwise of that dismissal.

4. The Company has, *inter alia*, pleaded that it has taken the contract from the TISCO for transporting coal from the said two collieries to the said Coal Washery, where the transported coal is washed, before its despatch to TISCO's Steel Factory at Jamshedpur for use in the manufacture of steel. The Company contends that it is not the owner either of the said two collieries or of the said Washery and does not undertake either any mining operations in the two collieries or any washing operations in the Coal Washery and its workmen are also not engaged in any of these operations and work solely in connection with the execution of the coal-transport contract. Let us see if these facts, as alleged by the Company, are or are not well-founded. B. C. Banerjee examined A. K. Ghose as WW-1. He is a Mine Surveyor in TISCO's Expansion-Project, whose duty is to prepare plans for future exapansion. He has admitted that

the Coal Washery is on a part of the premises of the Jamadoba Colliery. It is obvious, therefore, that it is not on any part of the premises of No. 6 & 7 Pits Colliery or Digwadih Colliery. He has further admitted that the Coal Washery is an integral part of the Jamadoba Colliery. He has further admitted that the Company is the contractor merely for the carriage of coal to the Washery and appoints its own workmen for the execution of its contract work and that B. C. Banerjee was the Company's employee as a Cabinman. B. C. Banerjee was thus not appointed by the TISCO as a workman either in the said two collieries or in the said Washery. These facts are clearly admitted in paragraphs 2 and 3 of the written statement also of B. C. Banerjee.

5. There being thus no controversy regarding the facts, the question now is as to which Government would be the 'apppropriate Government' for making the reference. Sec. 2(a)(i) provides, inter alia, that unless there is anything repugnant in the subject or context, 'appropriate Government' means in relation to an industrial dispute concerning a mine, the Central Government. The question which arises is whether the present dispute can be said to be an industrial dispute concerning a mine. In judging the question, we must keep in mind the following observation of their Lordships of the Supreme Court in Serajuddin & Co. vs. Their Workmen, 1962(I) LLJ. 450 :

"On the other hand, if we look to the definition in Sec. 2(a)(i), it would be noticed that where it was intended to refer to an industry as such, the definition uses the word industry, as for instance, it refers to an industrial dispute concerning any such controlled industry as may be specified in this behalf by the Central Government, whereas in referring to the dispute in regard to a mine, the definition does not refere to an industrial dispute concerning a mining industry but it merely says an industrial dispute concerning a mine. In the context, a mine is referred to just as a banking or an insurance company is referred. Therefore, in construing the words 'an industrial dispute' in relation to a mine, we must first determine what a mine means and this must be done without reference to the broad definition of industry prescribed by Sec. 2(j)."

It will be apparent, therefore, that in trying to find out whether the Company's workmen are workmer in a mine, it will have to be ignored whether or not they are workmen in a mining industry. We will have to confine ourselves to the question whether they are workmen in a mine.

6. Section 2(1b) of the Industrial Disputes Act defines the expression 'mine' as meaning a mine as defined in clause (j) of sub-section (1) of Section 2 of the Mines Act, 1952. Sec. 2(1)(i) of the Mines Act says that unless the context otherwise requires; 'mine' means any excavation where any operation for the purpose of searching for or obtaining minerals has been or is being carried on, and includes—

(i) all borings, bore holes and oil wells;

(ii) all shafts, in or adjacent to and belonging to a mine, whether in the course of being sunk or not;

(iii) all levels and inclined planes in the course of being driven;

(iv) all open cast workings;

(v) all conveyors or serial ropeways provided for the bringing into or removal from a mine of minerals or other articles or for the removal of refuse therefrom;

(vi) all adits, levels, planes, machinery, works, railways, tramways and sidings, in or adjacent to and belonging to a mine;

(vii) all workshops situated within the precincts of a mine and under the same management and used solely for purposes connected with that mine or a number of mines under the same management;

(viii) all power stations for supplying electricity solely for the purpose of working the mine or a number of mines under the same management;

(ix) any premises for the time being used for depositing refuse from a mine, or in which any operation in connection with such refuse is being carried on, being premises exclusively occupied by the owner of the mine;

(x) unless exempted by the Central Government by notification in the Official Gazette, any premises or part thereof, in or adjacement to and belonging to a mine, on which any process ancillary to the getting, dressing or preparation for sale of minerals or of coke is being carried on.

7. The definition is both exhaustive and inclusive. The business of transporting coal from the collieries to the Washery cannot amount to any excavation where any operation for the purpose of searching for or obtaining minerals has been or is being carried on. It is admitted even by Shri B. N. Sharma, President of the Congress Mazdoor Sangh, who appeared for B. C. Banerjee that the business in question will not fall within the ambit of clauses (i), (ii), (iii), (iv), (vi), (vii), (viii) and (ix) of Section 2(1)(j). Let us see if the transport business is covered by clauses (v) or (x) of the definition. Clause (v) says that 'mine' includes all conveyors or serial ropeways provided for the bringing into or removal from a mine of minerals or other articles or for the removal of refuse therefrom. I am of the view that the expression 'conveyor' cannot be taken to include a motor-vehicle or truck. The word has been used in clause (v) in the sense of a mechanical contrivance for conveying heavy articles or materials, that is to say, in the sense of coal-conveyors or conveyor-belts. In Chambers's Twentieth Century Dictionary 'conveyor' has been defined as meaning a mechanism for continuous transport of materials, packages, goods in process of manufactures etc.—also conveyor-belt. It appears that the word 'conveyors' has been used ejusdem generis with the word 'ropeways'. Since we are dealing with the question of the definition of 'mine', we must read the word used in the definition in the sense in which it is ordinarily understood in mining terminology or parlance. I must exclude, therefore, trucks from the category of conveyors. There is also difficulty in including trucks under clause (x). In order that clause (x) should cover the business in question, it is necessary that (1) there should be any premises or part thereof, (2) in a mine or (3) adjacent to a mine, (4) and belonging to a mine, (5) on which any process is carried on, (6) which process is ancillary to the (a) getting, (b) dressing or (c) preparation for sale of minerals or of coke. The process that must be carried on is a process which must be ancillary, that is to say, subservient or subordinate to and assisting some other thing. That other thing is 'getting' or 'dressing' or 'prepration for sale'. 'Getting' can only mean gaining, obtaining, procuring, like extracting coal from a mine. 'Dressing' can signify straightening, flattening, smothing, cleaning or trimming etc. The transport business has nothing to do with any such process which is ancillary to the getting, dressing, or preparation for sale of minerals. The transport of ready coal cannot be designated as a part of any mining operation. I am, therefore, of the view that the industry of transport is not a 'mine', within the definition of a 'mine' under the Mines Act.

8. One must be clear about the conception of a mining industry and a transport industry. Now, who can be said to be employed in a mine. Section 2(1)(h) of the Mines Act says that a person is said to be employed in a mine who works under appointment by or with the knowledge of the manager, whether for wages or not, in any mining operation, or in cleaning or oiling any part of any machinery used in or about the mine, or in any other kind of work whatsoever incidental to, or connected with, mining operations. I have observed earlier that transport of excavated coal from one place to another cannot be called a part of any mining operation. Were it not so, any purchaser of coal who transports the purchased coal in his own truck from a coal mine, can be said to be engaged in a mining operation although what he is doing is only transporting the ready coal. His business starts after the mining operations are over. The Company transports the coal from the two collieries after mining operations in both the collieries are over. It takes the coal to the Coal Washery, where the Washery operations commence after the arrival of the coal. The Company plays no part either in the mining operations in the collieries or in the washing operations in the Washery. The expression 'any other kind of work whatsoever incidental

to, or connected with, mining operations' also indicates that any other kind of work must have relation to mining operations. It was observed by their Lordships of the Supreme Court in Serajuddin's case Supra that work at the Calcutta Head Office really begins after the minerals are ready and all operations incidental to or connected with them are over. The workman employed by the Company cannot, therefore, be said to be workman employed in a mine. Section 2(2) of the Mines Act says that a person working or employed in or in connection with a mine is said to be working or employed—(a) below ground, if he is working or employed—(i) in a shaft which has been or is in the course of being sunk, or (ii) in any excavation which extends below superjacent ground, and (b) above ground, if he is working in an open cast working or in any other manner not specified in clause (a). A workman in a mine thus works either below ground or above ground. The Company does not work in any of these two situations. Its workmen do not work below ground or in any open cast working. They only carry the coal and dump it at the Washery. Of course, the Company employed B. C. Banerjee as Cabinman to keep track of its trucks but he cannot be said to be working in a mine. His nature of job was working in connection with the coal transport contract. In this connection, advantage can also be taken of the law laid down in Assam Rly. Trading Co. vs Central Government Industrial Tribunal, 1970 Lab. I.C. 488.

9. It now remains to consider a decision of the Orissa High Court in Ambika Prasad vs State of Orissa, 1974 Lab. I.C. 405. Ambika Prasad was a contractor who handled loading and unloading business in respect of minerals at railway siding. He normally entered into handling contracts with different mine owners for loading of their goods. His workman raised an industrial dispute that their wages should be paid in accordance with recommendations of the Central Wage Board for Iron Ore Mining Industry. Ambika Prasad raised two contentions, namely, the work for which he was engaged as contractor, was not a part of the Iron Ore Mining Industry and, therefore, the Wage Board recommendations were not applicable to his workmen, and secondly, the reference by the State Government was without jurisdiction. The Orissa High Court held that the loading of ores even if it does not come under any other clause of the definition of mine, will certainly come under the residuary provision in clause (x). No reasons have been given for this view. The Supreme Court had clearly held in Serajuddin's case that in determining as to what is an industrial dispute in relation to a mine, one should not take into consideration the mining industry as such. The Orissa High Court then held that in the award of the Wage Board, ore loading and ore handling were included in mining industry and therefore operations of Ambika Prasad were within the purview of the definition of 'mine'. The Wage Board made only recommendations and gave no award. The recommendations have no statutory force. The observations made by the Wage Board were pursuasive in nature and could not be said to contain any exposition of law. If I may say so, in all humility and with all respects, the decision runs counter to the decision in Serajuddin's case. Presumably the Wage Board recommendations covered only such workmen in Iron Ore Mines as handled or loaded the ore in the mine as ore-loaders or ore-handlers and not transport business carried on by independent contractors.

10. On a consideration of all the facts and circumstances I am of the view that the Company and its workmen were not doing any work in any mine and therefore the Central Government was not the appropriate Government to make the reference. The making of the reference therefore will not confer jurisdiction on this Tribunal which it does not possess.

11. My award is that the reference is incompetent and this Tribunal has no jurisdiction to give an award.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-2012/116/74-LRII/DIIIA]

S. H. S. IYER, Desk Officer

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1977

का० आ० 453.—केन्द्रीय सरकार, भविष्य निधि (संशोधन) अधिनियम, 1975 (1975 का 46) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सात फरवरी, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम प्रवृत्त होगा।

[सं० एफ० 37(6)-ई० V (बी०)/70]

एस० एस० एल० मल्होत्रा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 22nd January, 1977

S.O. 453.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Provident Funds (Amendment) Act, 1975 (46 of 1975), the Central Government hereby appoints the Seventh day of February, 1977 as the date on which the said Act shall come into force.

[No. F. 37(6)-EV(B)/70]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

आयकर विभाग (केन्द्रीय), नई दिल्ली

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1976

का० आ० 454.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 237 के अनुसार, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग), नई दिल्ली के आदेश एफ० सं० 385/83/73-आई० टी० बी० दिनांक 5-7-1974, के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिकृत तथा निर्देशित, निम्नलिखित निर्धारितियों, जिनका वर्ष 1974-75 के दौरान निर्धारण हुआ है, के नाम और उनसे संबंधित अन्य विवरणों को एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है

(i) व्यष्टियां या हि० अ० कुटुम्बों के रूप में, जिनका एक लाख से अधिक की आय पर निर्धारण हुआ है।

(ii) कम्पनियों के रूप में, जिनका दस लाख से अधिक की आय पर निर्धारण हुआ है।

(I) सभी व्यष्टियों तथा हिन्दू अविभक्त कुटुम्बों के नाम जिनका वित्तीय वर्ष 1974–75 के दौरान एक लाख रुपये या अधिक की आय पर निर्धारण हुआ है —

(क) प्रास्थिति 'व्यष्टि' व्यक्ति को प्रगट करता है, हि० अ० कु० हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब को प्रगट करता है व क० कम्पनियों को प्रगट करता है।

(ख) निर्धारण वर्ष को प्रगट करता है।

(ग) विवरणी में दिखाई गई आय को प्रगट करता है।

(घ) निर्धारित आय को प्रगट करता है।

(ङ) देय कर को प्रगट करता है।

(च) अदा किये गये कर को प्रगट करता है।

(1) सेठ देवेन्द्र कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 102590
(घ) 112750 (ङ) 55984 (च) 55984

(2) श्री दीपेन्द्र सिंह, एन-102, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 38210 (घ) 101190
(ङ) 49273 (च) 11621

(3) श्री देवेन्द्र सिंह, एन० 102 पंचशील पार्क, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 35140 (घ) 198067
(ङ) 155490 (च) शून्य।

(4) श्रीमती गायत्री देवी मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 122880
(घ) 143640 (ङ) 87590 (च) 87590

(5) सेठ किशन कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदीनगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 124790
(घ) 124790 (ङ) 48927 (च) 48927

(6) सेठ के० एन० मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1963-64 (ग) 92030
(घ) 100656 (ङ) शून्य (च) शून्य।
(ख) 1964-65 (ग) 94460 (घ) 108641
(ङ) 41922 (च) 41922
(ख) 1972-73 (ग) 131650 (घ) 169650
(ङ) 13571 (च) शून्य

(7) श्री के० पी० सिंह, एन-98, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 87932
(घ) 249386 (ङ) 193072 (च) 17018

(8) श्री के० के० चोपड़ा, एक्स-56, नारायणा, लोहा मंडी, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 132646
(घ) 143550 (ङ) 131823 (च) शून्य
(ख) 1974-75 (ग) 110000 (घ) 115720
(ङ) 104035 (च) 5036

(9) श्री कैलाश लाम्बा द्वारा मैसर्स कन्टीनैन्टल फरनीशर्स, पंचकुयाँ रोड, नई दिल्ली।
(क) 'हि० अ० कु०' (ख) 1972-73 (ग) 143344
(घ) 146340 (ङ) 107508 (च) 74520

(10) श्री के० जी० खोसला, (एम० डी०), मैसर्स के० जी० खोसला एण्ड कं० (प्रा०) लि०, देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 125230
(घ) 125317 (ङ) 44521 (च) 44521

(11) सेठ मनमोहन मोदी, मोदीभवन, मोदीनगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 114460
(घ) 143220 (ङ) 73567 (च) 73567

(12) सेठ महेन्द्र कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 117381
(घ) 128790 (ङ) 40283 (च) 40283

(13) सेठ एम० एल० मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 114720
(घ) 125860 (ङ) 29851 (च) 29851

(14) श्री मदन लाम्बा द्वारा मैसर्स बोलगा रेस्टोरेंट, 19-बी, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 227520
(घ) 176785 (ङ) 131559 (च) 131559

(15) श्री एन० एच० डालमिया, 4-सिंधिया हाउस, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1974-75 (ग) 162860
(घ) 163688 (ङ) 58774 (च) 58774

(16) श्री प्रेम शमशेर सिंह, एन-100, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 21621
(घ) 221224 (ङ) 181087 (च) 25735

(17) श्री आर० एच० डालमिया, 4-सिंधिया हाउस, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1974-75 (ग) 104720
(घ) 104720 (ङ) 40859 (च) 40859

(18) मेजर शमशेर सिंह, एन-100, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 6616 (घ) 208131
(ङ) 177107 (च) 4031

(19) श्री सुरेन्द्र कुमार, साफेन, मारीस रोड, अलीगढ़।
(क) 'व्यष्टि (ख) 1972-73 (ग) 22500
(घ) 191460 (ङ) 184027 (च) 82382

(20) सेठ सतीश कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 99710
(घ) 111030 (ङ) 66240 (च) 66240

(21) सेठ सुरेश कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि (ख) 1972-73 (ग) 141060
(घ) 150560 (ङ) 64109 (च) 64109

(22) सेठ सुधीर कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 116740 (घ) 128860
(ङ) 69365 (च) 69365

(23) सेठ उमेश कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 93190 (घ) 104510
(ङ) 50347 (च) 50347

(24) सेठ विनय कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदीनगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 116470 (घ) 125552
(ङ) 39496 (च) 39496

(25) बी० एच० डालमिया, 4-सिंधिया हाउस, नई दिल्ली।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1974-75 (ग) 224540 (घ) 22454
(ङ) 101904 (च) 101904

(26) सेठ योगेन्द्र कुमार मोदी, मोदी भवन, मोदी नगर।
(क) 'व्यष्टि' (ख) 1972-73 (ग) 101940 (घ) 113260
(ङ) 68712 (च) 68712

(II) वर्ष 1974-75 के दौरान उन कम्पनियों के नाम जिनकी दस लाख रुपये या अधिक आय पर कर निर्धारण हुआ है :—

(1) मैसर्स दिल्ली लैंड एण्ड फाईनेन्स कं०, 40-एफ, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।
(क) 'क' (ख) 1970-71 (ग) शून्य (घ) 1303500
(ङ) 305300 (च) शून्य।

(2) मैसर्स इन्डस्ट्रियल केबल्स (इंडिया), राजपुरा (पंजाब)।
(क) 'क' (ख) 1972-73 (ग) 147020 (घ) 1218366
(ङ) 639470 (च) 82884

(3) मैसर्स के० जी० खोसला एण्ड कं० (प्रा०) लि०, 1-देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली।
(क) 'क' (ख) 1972-73 (ग) 714747
(घ) 1115265 (ङ) 702263 (च) 702263

[सं० एफ० एस० आई० /पब(1)सी/75-76]

एम० एस० शिवरामकृष्णा, आयुक्त

Income-tax Department (Central), New Delhi

New Delhi, the 27th December, 1976

S.O. 454.—As authorised and directed by the Central Government vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance), New Delhi's order F. No. 385/83/73-IT(B) dated 5-7-1974, in terms of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961); the names and other specified particulars relating to assessee :

(i) being Individuals or Hindu Undivided Families who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees,

(ii) being Firms, Association of Persons or Companies who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees,

assessed during the Financial year 1974-75 are hereby published

(I) Names of all Individuals and HUFs who have been assessed on an income of Rs. one lakh or more—during the Financial Year 1974-75 :—

(i) Indicates —'I' for Individuals, 'H' for Hindu Undivided Families and 'C' for Company.
(ii) Indicates — Assessment year
(iii) Indicates —Income returned
(iv) Indicates —Income assessed
(v) Indicates — Tax payable and
(vi) Indicates —Tax paid

(1) Seth Devendra Kumar Modi, Modi Bhavan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 102590 (iv) 112750 (v) 55984 (vi) 55984.

(2) Shri Deepinder Singh, N-102, Panchshil Park, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 38210 (iv) 101190 (v) 49273 (vi) 11621.

(3) Shri Devinder Singh, N-102, Panchshil Park, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 35140 (iv) 198067 (v) 155490 (vi) Nil.

(4) Smt. Gytri Devi Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 122880 (iv) 143640 (v) 87590 (vi) 87590.

(5) Seth Kishan Kumar Modi, Modi Bhavan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 124790 (iv) 124790 (v) 48927 (vi) 48927.

(6) Seth K.N. Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1963-64 (iii) 92030 (iv) 100656 (v) NIL (vi) NIL
(i) 'I' (ii) 1964-65 (iii) 94460 (iv) 108644 (v) 41922 (vi) 41922.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 131650 (iv) 169650 (v) 13571 (vi) NIL

(7) Shri K.P. Singh, N-98, Panchshil Park, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 87932 (iv) 249386 (v) 193072 (vi) 17018.

(8) Shri K.K. Chopra, X-56, Naraina, Loha Mandi, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 132646 (iv) 143550 (v) 131823 (vi) NIL.
(ii) 1974-75 (iii) 110000 (iv) 115720 (v) 104035 (vi) 5036

(9) Shri Kailash Lamba C/o M/s Continental Furnishers, Panchquia Road, New Delhi.
(i) 'H' (ii) 1972-73 (iii) 143344 (iv) 146340 (v) 107508 (vi) 74520.

(10) Sh. K.G. Khosla (MD) of M/s. K.G. Khosla & Co. (P) Ltd. 1-Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 125230 (iv) 125317 (v) 44521 (vi) 44521.

(11) Seth Man Mohan Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 114460 (iv) 143220 (v) 73567 (vi) 73567.

(12) Seth Mahendra Kumar Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 117381 (iv) 128790 (v) 40283 (vi) 40283.

(13) Seth M.L. Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 114720 (iv) 125860 (v) 29851 (vi) 29851.

(14) Sh. Madan Lamba C/o M/s Volga Restaurant, 19-B, Connaught Place, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 227520 (iv) 176785 (v) 131559 (vi) 131559.

(15) Sh. N.H. Dalmia, 4-Scindia House, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) 162860 (iv) 163688 (v) 58774 (vi) 58774.

(16) Sh. Prem Shamsher Singh, N-100, Panchshil Park, New Delhi. (i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 21621 (iv) 221224 (v) 181087 (vi) 25735.

17) Sh. R.H. Dalmia, 4-Scindia House, New Delhi
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) 104720 (iv) 104720 (v) 40859 (vi) 40859.

(18) Major Shamsher Singh, N-100, Panchsil Park, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 6616 (iv) 208131 (v) 177107 (vi) 4031.

(19) Sh. Surendra Kumar, Saket, Marris Road, Aligarh.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 22500 (iv) 191460 (v) 184027 (vi) 82382.

(20) Seth Satish Kumar Modi, Modi Bhawan, Modi Nagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 99710 (iv) 111030 (v) 66240 (vi) 66240.

(21) Seth Suresh Kumar Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 141060 (iv) 150560 (v) 64109 (vi) 64107.

(22) Seth Sudhir Kumar Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 116740 (iv) 128060 (v) 69365 (vi) 69365.

(23) Seth Umesh Kumar Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 93190 (iv) 104510 (v) 50347 (vi) 50347.

(24) Seth Viney Kumar Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 116470 (iv) 12552 (v) 39476 (vi) 39476

(25) Shri V.H. Dalmia, 4-Scindia House, New Delhi.
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) 224540 (iv) 224540 (v) 101904 (vi) 101904.

(26) Seth Yogendra Kumar Modi, Modi Bhawan, Modinagar.
(i) 'I' (ii) 1972-73 (iii) 101940 (iv) 113260 (v) 68712 (vi) 68912.

(II) Names of the Companies who have been assessed on an Income of more than ten lakhs of rupees—during the Financial Year 1974-75 :—

(1) M/s. Delhi Land Finance Co., 40-F, Connaught Place, New Delhi.
(i) 'C' (ii) 1970-71 (iii) NIL (iv) 1303500 (v) 305300 (vi) NIL.

(2) M/s Industrial Cables (India), Rajpura (Punjab)
(i) 'C' (ii) 1972-73 (iii) 147020 (iv) 1218366 (v) 639470 (vi) 82884.

(3) M/s. K.G. Khosla & Co. (P) Ltd., 1-Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
(i) 'C' (ii) 1972-73 (iii) 714747 (iv) 1115265 (v) 702263 (vi) 702263.

[F. No. SI/Pub. (1)/C/75-76]

M. S. SIVARAMAKRISHNA, Commissioner.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1977

का०आ० 455.—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए केकड़े के डिब्बा-बंद मांस को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का०आ० 1539, तारीख 1 मई, 1976 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग-2 खंड-3 उप-खंड (ii) तारीख 1 मई, 1976 को प्रकाशित किए गए थे।

और उक्त आदेश के प्रकाशन से तीस दिन के भीतर ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है, आक्षेप या सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 6 मई, 1976 को उपलब्ध करा दी गई थी:

और उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों तथा सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है:

अतः अब निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार की यह राय होने के कारण कि भारत सरकार के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, केन्द्रीय सरकार—

(1) अधिसूचित करती है कि केकड़े का डिब्बा बंद मांस निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन हो:

(2) निरीक्षण के प्रकार को केकड़े के डिब्बा बंद मांस के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1977 के अनुसार निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो कि निर्यात से पूर्व ऐसे केकड़े के डिब्बा बंद मांस पर लागू होगा;

(3) (क) उन विनिर्देशों को जो कि निर्यात संविदा के स्वीकृत विनिर्देशों के रूप में निर्यात कर्ता द्वारा घोषित के अनुसार राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय मानक विनिर्देश होंगे, या

(ख) उक्त (क) में दिये गये विनिर्देशों में से किसी के न होने की दशा में उस आदेश के उपाबंध में दिए गए विनिर्देशों को:

केकड़े के डिब्बा बंद मांस के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, केकड़े के डिब्बा बंद मांस के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन मुंबई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास में स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि ऐसे केकड़े के डिब्बा बंद मांस का परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण संबंधी शर्तों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है।

2. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को थल, समुद्र या वायु मार्ग द्वारा केकड़े के डिब्बा बंद मांस के नमूनों पर निर्यात पर लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब जबकि ऐसे नमूनों का जल रहित भार 4 कि० ग्रा० से अधिक न हो।

3. इस आदेश में "केकड़े के डिब्बा बंद मांस" से लवण जल में डिब्बा-बंद सेला सिरेट, प्राटोनस पेलाजियस जैसे खाद्य केकड़े का मांस अभिप्रेत है।

उपाबंध

[पैरा 1(3)(ख) देखिए]

लवण जल में डिब्बा बंद केकड़े के मांस के लिए विनिर्देश

1 कच्ची सामग्री

1.1. डिब्बे में बंद करने के लिए मांस केवल सेला सिरेट प्राटोनस पैलाजियस जैसे या उसी प्रकार के स्वस्थ, ताजे पकड़े हुए खाद्य जाति के जीवित केकड़े से प्राप्त किया जाएगा।

2. डिब्बे

2.1 केकड़े का मांस सफाई संबंधी शर्तों के अन्तर्गत प्रक्रमित किया जाएगा तथा गंधक विरोधी प्रलाक्ष के साथ भली प्रकार से प्रलाक्षित डब्बों में पैक किया जाएगा।

2.2 डिब्बों में खाली स्थान कम से कम 150 मि०मी० होगा।

2.3 सुसंगत रूप से सील करने के पश्चात् डब्बों में पट्टिका, विलहायन्दी, जंग या उभार नहीं होंगे।

3. लवण जल

3.1 प्रयुक्त लवण जल के सोडियम क्लोराइड अंश भार में 2% से अधिक नहीं होंगे।

4. पैकिंग तथा लेबल लगाना

4.1 केकड़े के शरीर का मांस और पंजे का मांस मिलाया नहीं जाएगा और उन्हें क्रेता और विक्रेता के मध्य हुई संविदा के निबन्धनों की शर्तों के अनुसार परतों में पैक किया जाएगा। संविदा के विनिर्देशों की अनुपस्थिति में पंजे का मांस अलग-अलग परतों में सबसे ऊपर या सबसे नीचे पैक किया जाएगा।

4.2. डिब्बे में केवल एक ही जाति के केकड़े का मांस पैक किया जाएगा।

4.3. उस देश में जहां माल निर्यात किया जाता है, प्रवृत्त नियमों के अनुसार लेबल लगाए जाएंगे।

5 जल रहित भार

5.1. प्रत्येक डिब्बे को सामग्री का जल रहित भार डिब्बे की कुल पानी की क्षमता के 65 प्रतिशत से कम नहीं होगा।

5.2. मांस का जल रहित भार घोषित भार से कम नहीं होगा।

6 अभीनिन्द्रिय क्वालिटी

6.1. डिब्बे को खोलने पर उसकी सामग्री में केकड़े की मांस की विशिष्ट रंग और गंध होगी और उनमें कोई बाह्य गंध नहीं होगी।

6.2. सामग्री ताजे पकाए हुए केकड़े के मांस को विशिष्ट गंध से भिन्न अन्य गंधों से तथा केकड़े के मांस से भिन्न अन्य बाह्य सामग्री से मुक्त होगी।

6.3. मांस का रंग नीलापन लिए हुए नहीं होगा, जो कि खराब होने का संकेत करता है।

6.4. पैक किए हुए डिब्बों में, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अंतर्गत अनुज्ञात परिरक्षण एवं स्थिरक तत्व होंगे।

6.5. डिब्बे की सामग्री में द्रवीकरण का कोई चिह्न नहीं होगा।

7 जीवाणु विषयक क्रिया-कलाप:

7.1. थियोग्लाइकोलेट सिस्टाइस ब्रोथ मेंक अड़तालीस (48) घंटों तक 37 से० पर उष्मायन के पश्चात् डिब्बे की सामग्री में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं होगी। सामग्री के थियोग्लाइकोलेट ब्रोथ में संचारित होने से

पहले डिब्बे सात दिन की अवधि तक 370 सें० पर उष्मायित किए जाएंगे।

8 संकेतन :

8.1 डिब्बो पर जल रहित भार, उत्पादक का नाम या उसकी फैक्ट्री का संकेतन तथा विनिर्माण का वर्ष मास तथा बैच के अंक एम्बौस किए जाएंगे। "भारत का उत्पाद" शब्द डिब्बे के एक ढक्कन पर एम्बौस किए जाएंगे। डिब्बों पर संक्षिप्त रूप से एम्बौस करने के लिए एक उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

सी बी 5 एक्स
6 जी वाई

उक्त उदाहरण में :—

सी बी लवण जल में डिब्बा-बंद केकड़े के मास के लिए आता है।

5 जल रहित भार के लिए आता है लेकिन इस उदाहरण में 50 जैड जल रहित भार का संकेतन करता है।

एक्स संक्षिप्त रूप में विनिर्माता के नाम या उसकी फैक्ट्री के संकेत के लिए आता है।

6 विनिर्माण के वर्ष के लिए आता है और इस उदाहरण में यह 1976 वर्ष को सूचित करता है।

जी विनिर्माण के माह के लिए आता है और इस उदाहरण में यह जुलाई महीने को सूचित करता है।

वाई 1976 के वर्ष के दौरान विनिर्माण की बैच संख्या के लिए आता है।

*विनिर्माण का मास इस प्रकार सूचित किया जाएगा :

मास	संक्षिप्त रूप
जनवरी	ए
फरवरी	बी
मार्च	सी
अप्रैल	डी
मई	ई
जून	एफ
जुलाई	जी
अगस्त	एच
सितम्बर	जे
अक्तूबर	के
नवम्बर	एल
दिसम्बर	एम

[सं० 6(21)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 5th Febrary, 1977

ORDER

S.O. 455.—Whereas for the development of the Export trade of India certain proposals for subjecting canned crab meat to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India—Part II-Section 3-Sub-section (ii) dated, the 1st May, 1976 under the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1539, dated the 1st May, 1976;

And whereas objections and suggestions were invited within thirty days of the publication of the said order from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 6th May, 1976.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby—

(1) notifies that Canned Crab Meat shall be subject to quality control and inspection prior to export ;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Export of Canned Crab Meat (Inspection) Rules, 1977 as the type of inspection which would be applied to such Canned Crab Meat prior to export ;

(3) recognises—

(a) the specifications, which shall be a national or international standard specification declared by the exporter as the agreed specifications of the export contract, or

(b) in the absence of any specifications as mentioned in (a) above, the specifications as set out in the Annexure to this order.

as the standard specifications for canned crab meat ;

(4) prohibits the export in the course of international trade of canned crab meat unless the same is accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of such canned crab meat satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

2. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of samples of canned crab meat to the prospective buyers, provided such samples do not exceed 4 kg. in nett drained weight.

3. In this Order "Canned crab meat" means meat of edible crabs like Seylla serrate, protonus pelagious and the like canned in brine.

ANNEXURE

(See paragraph 1 (3)(b)

SPECIFICATIONS FOR CRAB MEAT, CANNED IN BRINE

1. RAW MATERIAL

1.1. The meat used for canning shall be obtained from healthy, freshly caught, live crabs of the edible species, only such as Seylla serrata, Protonus palagious and the like.

2. CANS

2.1. The crab meat shall be processed under hygienic conditions and shall be packed in well lacquered cans with sulphur-resistant lacquer.

2.2 The cans shall have a minimum vacuum of 150 mm.

2.3. The cans after sealing harmatically shall not show flipper, panelling, rusting or swelling.

3. BRINE

3.1. The sodium chloride content of the brine used shall not exceed 2 per cent by weight.

4. PACKING AND LABELLING

4.1. The body meat and claw meat of the crab shall not be mixed and shall be packed in layers, according to the terms of contract agreed upon between the buyer and the seller. In the absence of contractual specifications, the claw meat shall be packed on the top or at the bottom in distinctly separate layers.

4.2. Only the meat of one species of crab shall be packed in a can.

4.3. The labelling shall be done according to the rules in force in the country where the material is to be exported.

5. DRAINED WEIGHT

5.1. The drained weight of the contents of each can shall not be less than 65 per cent of the nett water capacity of the can.

5.2. The drained weight of the meat shall not be less than the declared weight.

6. ORGANOLEPTIC QUALITY

6.1. The contents of can on opening shall present a characteristic colour and odour of crab meat and shall not display any foreign odour.

6.2. The material shall be free from any flavour other than the characteristic flavour of freshly cooked crab meat and any foreign material other than crab meat.

6.3. The colour of the meat shall not be bluish, which is indicative of spoilage.

6.4. The packed cans may contain preservative and firming agents as may be permitted under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

6.5. The contents of the can shall not show any signs of liquafaction.

7. BACTERIOLOGICAL ACTIVITY

7.1. The contents of the cans shall not show growth in thiollycollate Cystine broth after 48 hours of incubation at 37°C. The cans shall be incubated for a period of 7 days at 37°C before the contents are inoculated into the thioglycollate broth.

8. CODING

8.1. The cans shall be embossed with the markings of the drained weight, name of the manufacturer or his factory code, and year, month and batch of manufacturer. The words "Produce of India" shall be embossed on one of the lids of the can. An illustration for embossing the cans in the abbreviated form is given below.

CB5 x
6GY

Where in the above illustration :—

CB stands for Crab Meat, Canned in brine

5 stands for drained weight and in this illustration it signifies 5OZ drained weight

X stands for the name of the manufacturer in the abbreviated form or his factory code

6 stands for the year of the manufacturer and in this illustration it signifies the year 1976

G stands for the month of manufacture and in this illustration it signifies the month of July

Y stands for the batch number of manufacture during the year 1976

* The months of manufacturers shall be designated as :

Month	Abbreviation
January	A
February	B
March	C
April	D
May	E
June	F
July	G
August	H
September	I
October	K
November	L
December	M

[No. 6(21)/75/E.I. & E.P.]

का० आ० 456—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम केकड़े के डिब्बा-बन्द मांस का निर्यात निरीक्षण नियम, 1977 है,

(2) ये राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषा :—इन नियमो में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) में अभिप्रेत है·

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिप्रेत है :

(ग) "केकड़े के डिब्बा-बन्द मांस" से लवण जल में डिब्बा-बन्द सेला सिरेट प्रोटोनस, पेलाजिअस तथा उसी तरह के खाद्य केकड़े का मांस अभिप्रेत है ।

3 निरीक्षण का आधार :—निर्यात किया जाने वाला केकड़े के डिब्बा-बन्द मांस का निरीक्षण इस दृष्टि से किया जायेगा कि केकड़े का डिब्बा-बन्द मांस अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य मानक विनिर्देशों के अनुरूप है ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) केकड़े के डिब्बा-बन्द मांस का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात-कर्ता निर्यात किये जाने वाले परेषण का ब्यौरेवार वर्णन देते हुए अभिकरण के निकटतम कार्यालय को एक आवेदन पत्र देगा। ताकि अभिकरण ऐसे परेषण का, इस ओर से आश्वस्त होने के लिये कि वह नियम 3 में संदर्भित विनिर्देशों के अनुरूप है, निरीक्षण कर सके या ऐसी जांच करवाने की सुविधा देगा और निर्यात-कर्ता उसी समय ऐसे आवेदन-पत्र की एक प्रति निरीक्षण के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् के निकटतम कार्यालय को देगा । (2) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक आवेदन-निर्यात कर्ता के परिसर से परेषण के भेजे जाने के निर्धारित समय के कम से कम 15 दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुंचेगा ।

(3) उप-नियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर अभिकरण केकड़े के डिब्बा-बन्द मांस के परेषण का निरीक्षण, उसके लिये समय-समय पर निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा जारी किये गये निर्देशों के अनुसार, इस दृष्टि से करेगा कि वह नियम 3 में निर्दिष्ट मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है ।

(4) निर्यात-कर्ता अभिकरण को ऐसा निरीक्षण करने के लिये सभी आवश्यक सुविधायें देगा ।

5. निरीक्षण शुल्क :—प्रत्येक परेषण के लिये 15 पैसे प्रति किलोग्राम या उसके भाग की दर से फीस निर्यात कर्ता द्वारा अभिकरण को निरीक्षण फीस के रूप में दी जायेगी । फीस कम से कम पचास रुपये होगी ;

6. निरीक्षण का प्रमाण-पत्र यदि निरीक्षण के पश्चात् अभिकरण को अपना यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किया जाने वाला केकड़े के डिब्बा-बन्द मांस का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है तो अभिकरण आवेदन के 15 दिनों के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र देगा कि केकड़े के

डिब्बा-बन्द मांस का परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है ;

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं हो जाता वहां वह उक्त 15 दिनों की अवधि के भीतर ऐसे प्रमाण-पत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना कारणों सहित निर्यात कर्ता को देगा ।

7 निरीक्षित परेषण का अधीक्षण—यह अभिकरण इन नियमों के प्रयोजन के लिये ऐसा आवश्यक समझता है कि वह भंडारीकरण या अभिवहन के किसी स्थान पर परेषण पोत लदान से पूर्व निरीक्षित परेषण के अधीक्षण की ऐसी व्यवस्था कर सकता है जो वह इन नियमों के प्रयोजनों को पूरा करने की दृष्टि से आवश्यक समझता है ।

8 अपील—(1) नियम 6 के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र देने के इंकार से व्यथित निर्यात कर्ता, ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर इस प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त, कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकता है ।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो-तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ती तीन की होगी ।

(4) अपील प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जायेगी ।

[सं० 6(21)/75-नि०नि०तथा नि०उ०]

S.O. 456.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Canned Crab Meat (Inspection) Rules, 1977. (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means any on the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under Section 7 of the Act;

(c) "Canned Crab Meat" means the meat of edible crabs like seylla sarrata Protones polagius and the like canned in brine.

3. Basis of inspection—Inspection of canned crab meat for export shall be carried out with a view to seeing that the canned crab meat conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under Section 6 of the Act.

4. Procedure of inspection—(1) An exporter intending to export canned crab meat shall submit an application to the nearest office of the agency giving particulars of the consignment intended to be exported to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined to see whether the same conforms to the specifications referred to in rule 3 and the exporter shall at the same time endorse a copy of such application for inspection to the nearest office of the Export Inspection Council,

(2) Every application under sub-rule (1) shall reach the office of the Agency not less than 15 days before the anticipated time of despatch of the consignment from the exporters' premises.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2) the agency shall inspect the consignment of canned crab meat as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time with a view to seeing that the same complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3.

(4) The exporter shall provide all necessary facilities to the agency to enable them to carry out such inspection.

(5) Inspection fee—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee at the rate of 15 paise per kilogram or part thereof shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.

(6) Certificate of inspection—if, after inspection, the agency is satisfied that consignment of canned crab meat to be exported complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3, the agency shall, within 15 days of application issue a certificate declaring that the consignment of canned crab meat satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy:

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of 15 days, refuse to issue such certificates and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefore.

7. Supervision of inspected consignment—The Agency may exercise such supervision of the inspected consignment at any place of storage or transit prior to its shipment as it may consider necessary for satisfying the purposes of these rules.

8. Appeal—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under rule 6, may, within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts, consisting of not less than three but not more than seven persons as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days.

[No. 6(21)/75/E.I. & E.P.]

आदेश

का० आ० 457 :—केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन हो ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिये नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाये हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) के अधीन यथा अपेक्षित के अनुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः, अब उक्त उपनियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार इन प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिये जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करता है;

सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने की वांछा रखने वाला कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर, निर्यात निरीक्षण परिषद्, 14-1 बी०, एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल) कलकत्ता-700001 को भेज सकता है ।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाये ;

(2) इस आदेश के उपाबन्ध 1 मे दिये गय तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1976 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप मे विनिर्दिष्ट करना जो कि निर्यात से पूर्व ऐसी तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली पर लागू किया जाना चाहिये :

(3) इस आदेश के उपबन्ध-II मे दिये गये विनिर्देशों को तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली के लिये मानक विनिर्देशो के रूप मे मान्यता देना।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन बम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास मे स्थापित अभिकरणो मे से किसी एक द्वारा दिया गया इस आशय का प्रमाण पत्र न हो कि ऐसी तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली का परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण संबंधी शर्तों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है ।

2 इस आदेश की कोई भी बात भावी क्षेत्राओ को तेल मे डिब्बा-बन्द तूना मछली के नमूनो के भूमि, वायु या समुद्र मार्ग होकर निर्यात को लागू नही होगा परन्तु यह तब तक जब ऐसे नमूनो का जल रहित शुद्ध भार 4 कि० ग्रा० से अधिक न हो।

3. इस आदेश मे तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली से पहले पूरी तरह पकाई हुई, नमक लगाई गई तथा तेल के साथ डिब्बो मे बन्द की गई खाद्य तूना मछली का मांस अभिप्रेत है ।

उपाबन्ध—I

[पैरा 1 का उप-पैरा (2) देखिए]

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अन्तर्गत बनाये जाने के लिये प्रस्तावित नियमो का प्रारूप ।

1. संक्षिप्त नाम—इन नियमों का नाम तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली का निर्यात (निरीक्षण) नियम 1977 है।

2 परिभाषाए—इन नियमो मे जब तक कि सदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ,

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन बम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास मे स्थापित अभिकरणो मे कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है ,

(ग) तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली से पहले पूरी तरह पकाई हुई, नमक लगाई गई तथा तेल सहित डिब्बो मे बन्द की गई खाद्य तूना मछली का मांस अभिप्रेत है ।

3. निरीक्षण का आधार—(1) तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली का निरीक्षण इस दृष्टि से किया जायेगा कि तेल सहित डिब्बा-बन्द त । मछली अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा म मानक विनिर्देशो के अनुरूप है।

4 निरीक्षण की प्रक्रिया—(1) तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात कर्ता निर्यात किये जाने वाले परेषण का विवरण देते हुए अभिकरण के पास ही के कार्यालय को आवेदन पत्र देगा कि वह ऐसे परेषण का निरीक्षण कर सके या निरीक्षण किये जाने के लिये वैसा कारण यह देखने के लिये देगा कि वह नियम 3 मे निर्दिष्ट विनिर्देशो के अनुरूप है और निर्यात कर्ता उसी समय ऐसी सूचना की एक प्रति निरीक्षण के लिये परिषद् के पास ही के कार्यालय को देगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक आवेदन-पत्र, निर्यात कर्ता के परिसर से परेषण के भेजे जाने के निर्धारित समय से कम से कम 15 दिन पहले अभिकरण के कार्यालय मे पहुचेगा ।

(3) उप-नियम (2) मे निर्दिष्ट प्रत्येक आवदन-पत्र के प्राप्त होने पर अभिकरण तेल डिब्बा-बन्द तूना मछली के परेषण का इसके लिये परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किय गये निर्देशो के अनुसार निरीक्षण इस दृष्टि से करेगा कि वह नियम 3 मे निर्दिष्ट मान्य विनिर्देशो की अपेक्षाओ के अनुरूप है ।

(4) निर्यात कर्ता निरीक्षत अभिकरण को ऐसा निरीक्षण करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाए देगा ।

(5) यदि निरीक्षण के पश्चात अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किया जाने वाला तेल सहित डिब्बा-बद तूना मछली का परेषण नियम 3 मे निर्दिष्ट मान्य विनिर्देशो के अनुरूप है तो अभिकरण आवेदन पत्र के प्राप्त होने के 15 दिनो के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाणपत्र दे देगा कि तेल सहित डिब्बा-बन्द तूना मछली का परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से सबन्धित शर्तों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है

परन्तु जहा अभिकरण का इस प्रकार समाधान नही होता वहां वह उक्त 15 दिनो की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण पत्र देने से इकार कर देगा तथा ऐसे इकार की सूचना कारणो सहित निर्यात कर्ता को देगा ।

(6) अभिकरण यदि यह आवश्यक समझता है तो, इन नियमो के प्रयोजन के समाधान के लिए परेषण के पोत लदान से पूर्व भडारीकरण या अभिग्रहण के किसी स्थान पर निरीक्षित परेषण की ऐसी देखभाल कर सकता है ।

5 निरीक्षण शुल्क—प्रत्येक परेषण के निरीक्षण के लिए पोत पर्यन्त नि शुल्क मूल्य के 0 5 प्रतिशत की दर से निरीक्षण फीस निर्यात कर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी । यह फीस कम से कम पचास रुपए होगी ।

6 अपील —(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अधीन प्रमाण-पत्र देने के इकार से व्यथित निर्माण-कर्ता, उसके द्वारा ऐसे इकार की सूचना प्राप्त होने के तीन दिनो के भीतर, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त कम से कम किन्तु अधिक से अधिक सात व्यक्तियो से गठित विशेषज्ञो के पैनल को अपील कर सकेगा ।

(2) ऐसे पैनल मे विशेषज्ञो के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो तिहाई गैर सरकारी सदस्य होगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी ।

(4) अपील प्राप्त होने के 15 दिनो के भीतर निपटा दी जाएगी ।

उपाबन्ध II

[पैरा 1 का उप-पैरा (3) देखिए]

तेल सहित डिब्बा बद तूना मछली के लिए विनिर्देश

0 सामान्य

0 1 "तूना" शब्द निम्नलिखित प्रकारो के लिए लागू होगा

अंग्रेजी के प्रचलित नाम	जन्तु विज्ञान नाम
(क) ऐलोफिन तूना मछली	थूनस एलबाकेरस सिन निओथनस माकरीपटीरस निथोथूनस इटोसिबी

(ख) एलबाकोर	थूनस एल एलूनगा (बोनाटेरी)
(ग) ब्लूफिन तूना मछली	थूनस थायनस सिन थूनस थायनस ओरियन्टल (टेमीनक तथा सहगल)
(घ) बड़ी-बड़ी आंखों वाली तूना मछली	थूनस मेबाची सिन पाराथूनस ओविसस मेबाची
(ङ) उत्तरीय ब्लूफिन तूना मछली	थूनस टोंमोल सिन किशनोएला टोंगा
(च) समुद्री स्किपजैक	कटसुवोनस पेलामिस (निनाइग्रोमस)

2. कच्ची सामग्री

2.1. मछली:—डिब्बा बंद तूना मछली को तैयार करने के लिए प्रयुक्त कच्ची सामग्री ताजी या प्रशीतित, अदूषित, साबुत मछली, ठीक तरह से साफ की हुई तथा पुच्छ रहित होगी।

2.2. नमक:—केवल शुद्ध नमक का प्रयोग किया जाएगा।

2.3 तेल:—डिब्बा बंद तूना मछली के लिए केवल दुगुना परिष्कृत शुद्ध साफ तथा गंधरहित खाद्य वनस्पति तेल प्रयुक्त किया जाएगा जिसकी रंगहीन आभा या हल्का सुनहरी पीला रंग होगा। तेल किसी भी बाह्य पदार्थ या खनिज तेलों तथा आपत्तिजनक गंध से मुक्त होगा। तेल के फ्री फरबीवार एसिड अंश एक प्रतिशत से कम होगा।

3 तैयार करने की विधि

3.1. साफ करने के पश्चात् तूना मछली अच्छी तरह पहले पकाई जाएगी तथा चमड़ी, हड्डियों तथा लाल मांस की लम्बी धारियों, गन्दगी से मुक्त सुखाकर नमक लगाया हुआ मांस डिब्बों में तेल के साथ पैक किया जाएगा।

3.2. तूना मछली का मांस निम्नलिखित प्रकारों में से किसी भी प्रकार से डिब्बे में बन्द किया जा सकेगा।

(क) बड़ा टुकड़ा स्वास्थ्य मछली के फिलट्स से लिया गया पहले से पकाई हुई तूना का बड़ा टुकड़ा।

(ख) मध्यम टुकड़ा—स्वस्थ मछली के फिलट्स से लिया गया पहले से पकाई हुई तूना का मध्यम टुकड़ा।

(ग) छोटे-छोटे टुकड़े पूर्व पकाई हुई तूना के छोटे-छोटे टुकड़े।

4. डिब्बों में पैकिंग—(4.1) तूना मछली उपयुक्ततः, वायुरुद्ध सील किए हुए गोल या चपटे आयताकार (डिंगले प्रकार के) या अण्डाकार डिब्बों में पैक की जाएगी। यदि प्रलाक्षित डिब्बों का प्रयोग किया जाता है तो प्रयोग किए जाने वाले प्रलाक्ष की क्वालिटी ऐसी होगी कि यह डिब्बे के अंशों को कोई बाह्य स्वाद या गंध नहीं बताती है और न ही उत्पादन तथा उत्पाद के भंडारीकरण के दौरान छिलती है। प्रलाक्ष किसी भी सीमा तक तेल या लवण जल में घुलनशील नहीं होगी। डिब्बे जंग से मुक्त होंगे। डिब्बे अच्छी तरह साफ किए जाएंगे।

4 2. एक डिब्बे में तूना मछली के टुकड़े एकसार (समान) आकार के होंगे।

4.3 यदि डिब्बों में तूना मछली के लाल मांस के टुकड़े सफेद टुकड़ों से अलग बंद किए गए है तो डिब्बों पर वैसा ही लेबल लगा होगा।

5. फिनिश उत्पाद के लिए अपेक्षाएं

5.1. डिब्बा बंद तूना मछली की विभिन्न रंग की विशेषताएं होंगी जो कि सफेद गुलाबी या हल्का भूरा हो सकता है। मांस की उचित दृढ़ बनावट होगी तथा स्वाद और गंध अच्छी होगी।

5.2. डिब्बा खालने पर उसके अंश पर्याप्त खंडन नहीं दिखाएंगे। टुकड़े जिस भाग से अलग करके निकाले गए हैं वे खंडित एककों के रूप में माने जाएंगे। शुद्ध भार के आधार पर गिनी गई मछली के अलग किए हुए भाग की प्रतिशतता पांच डिब्बों की औसत पर आधारित 5% से अधिक नहीं होगी।

5.3. वैक्यूम:—डिब्बे को जब पंक्चर किया जाएगा तो वह नकारात्मक दबाव डालेगा और गोल डिब्बों की दशा में जब वैक्यूम विद्युत वैक्यूम सूचक से या वक्यूम मापक से मापा जाएगा तो वह 150 मि०मी० से कम नहीं होगा।

5.4. कुल मात्रा:—डिब्बे के पानी की मात्रा से प्रत्येक डिब्बे के अंशों की कुल मात्रा 70 प्र० से कम नहीं होगी।

5.5. तेल में लवण जल:—तेल में लवण जल का अनुपात 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

5.6. रंग देने वाला पदार्थ.—उत्पाद किसी भी रंग देने वाले कृत्रिम पदार्थ से मुक्त होगा।

5.7. नमक:—तूना मछली के टुकड़ों तथा छोटे-छोटे टुकड़ों का नमक अंश 2% से अधिक नहीं होगा।

5.8. सूक्ष्मजीव विज्ञान संबन्धी कार्य:—डिब्बे के अंश पकाने के पश्चात् थायोग्लाईकोलेट सिसटाईन मांस रस में कोई वृद्धि नहीं दिखाएंगे। इस प्रयोजन के लिए नमूने के लिए दिए गए डिब्बों में से आधे डिब्बों को कम से कम 14 दिन के लिए 37° सें०ग्रे० पर सेका जाएगा और शेष आधे डिब्बों को कम से कम 4 दिन के लिए 55° सें०ग्रे० पर सेका जाएगा।

[सं० 6(23)/75-नि०नि०तथा नि० 30]
के० बी० बालसुब्रह्मणियम, उप-निदेशक

ORDER

S.O. 457.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), Tuna Canned in oil should be subject to quality control and inspection prior to export; And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required under sub-rule (2) of rule II of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby;

Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this order in the official Gazette, to the Export Inspection Council of India, 14/1B, Ezra Street, (7th Floor), Calcutta-700001.

PROPOSALS

(1) To notify that Tuna Canned in Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) to specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Tuna Canned in Oil (Inspection) Rules, 1976 set out in Annexure-I to this Order as the type of inspection which would be applied to such Tuna Canned in Oil prior to export;

(3) to recognise the specifications as set out in Annexure-II to this Order as the standard specifications for Tuna Canned in Oil;

(4) to prohibit the export in the course of international trade of Tuna Canned in Oil unless the same is accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of such Tuna Canned in Oil satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

2. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of samples of Tuna Canned in Oil to the prospective buyers, provided such samples do not exceed 4 Kg. in nett drained weight.

3. In this Order Tuna Canned in Oil means meat of edible Tuna duly pre-cooked, salted and packed into Cans with oil.

ANNEXURE—I

[See sub-paragraph (2) of paragraph 1]

Draft Rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)

1. Short title.—These rules may be called the Export of Tuna Caned in Oil (Inspection) Rules, 1977;

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means any of the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act;

(c) Tuna Canned in Oil means the meat of edible Tuna, duly pre-cooked, salted and packed into cans with oil.

3. Basis of inspection.—Inspection of Tuna Canned in Oil for export shall be carried out with a view to seeing that Tuna Canned in Oil conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export Tuna Canned in Oil shall submit an application to the nearest office of the agency giving particulars of the consignment intended to be exported to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined to see whether the same conforms to the specifications referred to in rule 3 and the exporter shall at the same time endorse a copy of such intimation for inspection to the nearest office of the Council.

(2) Every application under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than 15 days before the anticipated time of despatch of the consignment from the exporter's premises.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2) the Agency shall inspect the consignment of Tuna Canned in Oil as per the instructions issued by the Council in this behalf from time to time with a view to seeing that the same complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3.

(4) The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable them to carry out such inspection.

(5) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Tuna Canned in Oil to be exported complies with the requirements of the recognised specifications referred to in rule 3, the agency shall, within 15 days of receipt of application issue a certificate declaring that the consignment of Tuna Canned in Oil satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is export worthy :

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of 15 days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefore.

(6) The Agency may exercise such supervision of the inspected consignment at any place of storage or transit prior to its shipment as it may consider necessary for satisfying the purposes of these rules.

5. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee at the rate of 0.5 per cent of f.o.b. value, shall be paid by the exporter to the Agency as inspection fee.

6. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may, within three days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of exports, consisting of not less than three but not more than seven persons as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days.

ANNEXURE—II

[See sub-paragraph (3) of paragraph 1]

Specifications for Tunna canned in oil

0. GENERAL

0.1 The term "Tuna" shall apply to the following species :

Common English Name	Zoological Name
(a) Yellowfin Tuna	Thunnus albacares Syn Neothunnus macropterus, Neothunnus itosibi
(b) Albacore	Thunnus al alunga (Bonnaterre)
(c) Bluefin Tuna	Thunnus thynnus Syn Thunnus—thynnus orientales (Temminck and Schegal)
(d) Big eye tuna	Thunnus mebachi Syn—Parathunnus obesues mebachi
(e) Northern bluefin tuna	Thunnus tonggol Skn Kishinoella tongga
(f) Oceanic Skipjack	Katsuwonus pelamis (Linnaeous)

2. Raw Materials

2.1 Fish.—The raw material used for preparation of canned tuna shall be fresh or frozen, sound, wholesome fish, properly cleaned and free from entrails.

2.2 Salt.—Only refined salt shall be used.

2.3 Oil.—Only double refined, pure, clear and deodourized edible vegetable oil having colourless appearance or light golden yellow colour shall be used for canning tuna. The oil shall be free from any foreign matter or mineral oils and objectionable flabour. The free fatty acid content of the oil shall be less than one per cent.

3. Preparation.—3.1 Tuna, after dressing, shall be properly pre-cooked and the meat freed from skin, bones and large streakes of red flesh, drained, dry salted shall be packed into cans with oil.

3.2 Tuna meat may be canned in any of the following forms :—

(a) Large chunks—Large pieces of pre-cooked tuna taken from fillets of healthy fish.

(b) Medium chunks—Medium pieces of pre-cooked tuna from fillets of healthy fish.

(c) Flakes—Small pieces of pre-cooked Tuna.

4. Packing in Cans.—(4.1) The tuna shall be packed in suitable, hermatically sealed round or flat rectangular (Dingley-type) or oval cans. If lacquered cans are used, the lacquer

used shall be of such quality that it does not impart any foreign taste and smell to the conterts of the can and does not peel off during processing and storage of the product The lacquer shall not be soluble in oil or brine to any extert The cans shall be free from rust The cans shall be thoroughly cleaned

4 2 Tuna pieces in a can shall be of fairly uniform size

4 3 The red meat pieces of tuna, if canned separately from white pieces shall be so labelled on the can

5 Requirements for Finished Product,

5 1 Canned tuna shall have colour characteristic of the variety which may be either white pink or light brown The meat shall have a reasonable firm texture and shall have pleasant flavour and odour

5 2 The contents of the can on opening shall not show any appreciable disintegration Pieces from which portions have been separated out shall be treated as disintegrated units The percentage of detached portions of fish calculated on the basis of drained weight shall not exceed 5 per cent by weight based on an average of 5 cans.

5 3 Vacuum—The can shall give a negative pressure when punctured and the vacuum shall be not less than 150 mm in case of round cans when measured with an electric vacuum reorder or a vacuum gauge

5 4 Drained Mass—The drained mass of the contents in each can shall be not less than 70 per cent by mass of the water holding capacity of the can

5 5 Brine in oil—The proportion of the brine in oil shall be not more than 5 per cent

5 6 Colouring matter—The product shall be free from any artificial colouring matter

5 7 Salt—The salt content of the tuna shunks or flakes shall not be more than 2 per cent

5 8 Microbiological Activity—The contents of the cans shall not show any growth in Thioglycollate Cystine broth after incubation For this purpose, half of the sampled cans shall be incubated at 37°C for not less than 14 days and the remaining half of the sampled cans shall be incubated at 55°C for not less than 4 days

[No 6(23)/75/E I &E P]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy Dir

नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1976

का०आ० 458.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सुरेन्द्र नगर काटन आयल एड आयलसीड एसोसियेशन लि०, सुरेन्द्र नगर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किये गये आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसियेशन को कपास की अग्रिम संविदाओं के बारे में, 11 दिसम्बर, 1976 से 10 दिसम्बर, 1977 (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

2 एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एसोसियेशन ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाए ।

[एफ० सं० 12(28)—आई०टी०/76]

ए० मुखर्जी, उप-सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

New Delhi, the 10th December, 1976

S O. 458.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act 1952 (74 of 1952) by the Surandranagar Cotton Oil and Oilseeds Association Ltd, Surendranagar, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 11th December, 1976, to the 10th December, 1977 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton

2 The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such direction, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission

[File No 12(28) IT/76]

A MUBAYI, Dy Secy

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1977

का० आ० 459.—नारियल जटा उद्योग अधिनियम, 1953 (1953 का 45) की धारा 4 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नारियल जटा उद्योग नियम 1954 के नियम 4 और नियम 5 के उपनियम (1) के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से 3 वर्षों की अवधि के लिए नारियल जटा बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है, अर्थात् —

(क) नारियल उगाने वाले तथा भूसी और नारियल जटा के धागों के उत्पादक—

1. श्री ओ० ए० साहमन, प्रधान, नलिका कोकोनट ग्रोवर्स एसोसियेशन, ओलाप्रथ, मथिलाकम, त्रिचूर जिला, केरल ।
2. श्री वी० आर० बास्कर, प्रोपराइटर, मे० वेनुगोपाल फाइबर इण्डस्ट्रीज, पटटकोटाई, तंजौर जिला, तमिलनाडु ।
3. डा० आई० एम० पटेल, एम० एस० सी०, पी० एच० डी०, म० 8 XVII क्रास, XII मेन मालेश्वरम्, बंगलौर-3 ।

(ख) भूसी, नारियल जटा और उसके धागे के उत्पादन में तथा नारियल जटा उत्पादों के विनिर्माण में लगे हुए व्यक्ति—

4. श्री के० सी० ऐपन, अध्यक्ष, कयर लेबर यूनियन, (इन्टक) एलेप्पी ।
5. श्री वी० रामेशन, उपाध्यक्ष, ट्रावनकोर कयर फैक्टरी वर्कर्स यूनियन, (ए० आई० टी० यू० सी०), एलेप्पी ।
6. बाद में अधिसूचित किया जायेगा ।

(ग) नारियल जटा उत्पादों के विनिर्माता—

7. श्री रवि करणाकरन, प्रबन्ध निदेशक, दी एलप्पी कम्पनी लि०, एलप्पी एण्ड अध्यक्ष, इण्डियन सेन्ट्रल काकोनट डेवलपमेंट काउन्सिल, एर्नाकुलम ।
8. श्री सी० प्रभाकरन, मैसर्स एस्पिनवाल एण्ड को० (ट्रावं) लि०, एलप्पी ।

9. श्री रमन कुट्टी अच्छन, प्रधान, दी गुण्डू आइलैण्ड कयर प्रोडक्ट कोआपरेटिव सोसाइटी लि०, गुण्डू आइलैण्ड, कोचीन ।

(घ) नारियल जटा, उसके धागे और उसके उत्पादों के व्यापारी जिसमें निर्यातकर्त्ता और आन्तरिक व्यापारी दोनों सम्मिलित है—

10. श्री वी० आर० प्रसाद, प्रबन्धक, पार्टनर, दी ट्रावनकोर मैट्स एण्ड मैटिंग कम्पनी, शेरतलाई ।

11. श्री थकडी प्रभाकरन, प्रधान, दी एलप्पी सेन्ट्रल कोआपरेटिव कयर मार्केटिंग सोसाइटी लि०, एलप्पी ।

12. अध्यक्ष, केरल अय स्टेट कयर कारपोरेशन लि०, एलप्पी ।

(ङ) संसद सदस्य—

13. }
14. } बाद में अधिसूचित किया जायेगा ।
15. }

(च) नारियल उगाने वाले प्रधान राज्यों की सरकारें—

16. निदेशक, कयर विकास, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम ।

17. संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य, मद्रास (तमिलनाडु) ।

18. संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य, बंगलौर, कर्नाटक राज्य ।

19. निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य, हैदराबाद, आन्ध्रप्रदेश ।

20. संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य, भुवनेश्वर, उड़ीसा राज्य ।

(छ) ऐसे अन्य व्यक्ति या व्यक्ति वर्ग जिनकी बाबत केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उनका बोर्ड में प्रतिनिधित्व होना चाहिए—

21. श्री बी० एस० शंकरप्पा, अध्यक्ष, मैसूर कयर इण्डस्ट्रियलिस्ट्स एशोसियेशन, अर्सिकरे, कर्नाटक राज्य ।

22 प्रशासक, संघ राज्य लक्षद्वीप ।

23. बाद में अधिसूचित किया जायेगा ।

[फा० सं० 16(1)/76-सी० एण्ड एस० (आई०सी० सी०)]

ए० वी० गोकाक, उप-सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th January, 1977

S.O. 459.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Coir Industry Act 1953 (45 of 1953), read with rule 4 and sub-rule (1) of rule 5 of the Coir Industry Rules, 1954, the Central Government hereby appoints the following persons as members of the Coir Board for a period of three years from the date of publication of this notification in the Official Gazette namely :—

(a) Growers of coconuts and producers of husks and coir yarn—

1. Shri O. A. Simon, President, Nattika Coconut Growers' Association, Olaprath, Mathilakam, Trichur Distt. Kerala.

2. Shri V. R. Basker, Proprietor, M/s. Venugopal Fibre Industries, Pattukottai, Thanjavur District, Tamil Nadu.

3. Dr. I. S. Patel, M. Sc., Ph.D. No. 8 XVII Cross, XII Main Malleswaram, Bangalore-3.

(b) Persons engaged in the production of husks, coir and coir yarn and in the manufacture of coir products—

4. Shri K. C. Eapen, Vice President, Coir Labour Union (INTUC), Alleppey.

5. Shri V. Ramesh, Vice President, Travancore Coir Factory Workers' Union (AITUC), Alleppey.

6. To be notified later.

(c) Manufacturers of Coir Products—

7. Shri Revi Karuna, Managing Director, The Alleppey Co. Ltd., Alleppey and Chairman, Indian Central Coconut Development Council, Ernakulam.

8. Shri C. Prabhakaran, M/s. Aspinwall and Co. (Trav) Ltd., Alleppey.

9. Shri Ramankutty Achan, President, The Gundu Island Coir Products Coop. Society Ltd., Gundu Island, Cochin.

(d) Dealers in coir, coir yarn and coir products including both exporters and internal traders—

10. Shri V. R. Prasad, Managing Partner, The Travancore Coir Mats and Matting Company, Shertallai.

11. Shri Thachady Prabhakaran, President, The Alleppey Central Cooperative Coir Marketing Society Ltd., Alleppey.

12. The Chairman, Kerala State Coir Corporation Ltd., Alleppey.

(e) Members of Parliament—

13. To be notified later.

14. To be notified later.

15. To be notified later.

(f) Governments of principal coconut growing States—

16. Director of Coir Development, Government of Kerala, Trivandrum.

17. Joint Director of Industries and Commerce, Madras (Tamil Nadu).

18. Joint Director of Industries and Commerce, Bangalore, Karnataka States.

19. Additional Director of Industries and Commerce, Hyderabad, Andhra Pradesh.

20. Joint Director of Industries and Commerce, Bhubaneswar, Orissa State.

(g) Such other persons or class of persons who, in the opinion of the Central Government, ought to be represented on the Board—

21. Shri B. S. Shankarappa, President, Mysore Coir Industrialists' Association, Arsikere, Karnataka State.

22. The Administrator, Union Territory of Lakshadweep

23. To be notified later.

[F. No. 16(1)/76-C&S(ICC)]

A. V. GOKAK, Dy. Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1977

का०आ० 460.—हज समिति नियम, 1963, अधिनाम संशोधित, के नियम 6(1क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार इसके द्वारा बम्बई को हजसमिति जो भारत सरकार की अधिसूचना सं० एम-11-1181/19/70 दिनांक 4 जुलाई, 1972 द्वारा गठित की गयी थी—के सदस्य, सर्वश्री जियौर रहमान अन्सारी और इशाक सम्भाली के स्थान रिक्त घोषित करती है क्योंकि वे अब लोक सभा के सदस्य नहीं रहे ।

[सं० एम (हज)/118-1/11/75]

ए० खलीली, संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं हज)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 24th January, 1977

S.O. 460.—In exercise of the powers conferred by Rule 6 (IA) of the Haj Committee Rules, 1963, as amended to date, the Government of India hereby declare vacant the seats of S/Shri Ziaur Rehman Ansari and Ishaq Sambhali, members of the Haj Committee, Bombay, as established by the Government of India under their Notification No. M.II-1181/19/70 dated the 4th July, 1972 as they have ceased to be members of the Lok Sabha.

[No. M(HAJ)/118-1/11/75]

A. KHALEELI, Joint Secy. (AD & HAJ)

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1977

का०आ० 461.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने अंकलेश्वर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-3-77 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है ।

[सं 5-5/77-पी० एच० बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 22nd January, 1977

S.O. 461.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-3-77 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Ankleshwar Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-5/77-PHB.]

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1977

का०आ० 462.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने वापी मेन व वापी जी०आई०डी०सी टेलीफोन केन्द्रों में दिनांक 16-2-77 से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है ।

[संख्या 5-5/77-पी०एच० बी]

म०च० वर्मा, सहायक महानिदेशक

New Delhi, the 25th January, 1977

S.O. 462.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-2-1977 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Vapi Main and Vapi GIDC Telephone Exchanges, Gujarat Circle.

[No. 5-5/77-PHB.]

M. C. VERMA, Asstt. Director Gen. (PHB)

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1977

का० आ० 463.—अनुच्छेद (ट) के साथ पठित नगर-भूमि (अधिकतम सीमा और विनियमन) अधिनियम, 1976 (1976 का 33) की धारा 2 के अनुच्छेद (घ) में दिए गए उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निर्माण और आवास मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 17 फरवरी, 1976 के का० आ० सं० (119) ई की अधिसूचना में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत :—

उक्त अधिसूचना में, :—

(क) क्रम सं० 1, 3, 5, 7, 11, 18, 21 और 23 और उससे सम्बन्धित इन्दराजों के लिए निम्नलिखित क्रम संख्या और इन्दराज प्रतिस्थापित किए जाएंगे, नामत :—

1	2	3
"1. सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) सिकन्दराबाद ।	सिकन्दराबाद छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	अध्याय III और अध्याय IV की धाराएं 26 और 27 ।
3. सेना सम्पदा अधिकारी बम्बई और गुजरात परिमण्डल, बम्बई ।	(क) अहमदाबाद छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	अध्याय III और अध्याय IV की धाराएं 26 और 27 ।
	(ख) कम्पटी छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	
5. सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) बैलगांव ।	बेलगांव छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	अध्याय III और अध्याय IV की उपधाराएं 26 और 27 ।
7. सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) पूना ।	(क) पूना छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	अध्याय III और अध्याय IV की धाराएं 26 और 27 ।
	(ख) किरकी छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	
	(ग) देहुरोड छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	
11. सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) देवलाली ।	देवलाली छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	अध्याय III और अध्याय IV की धाराएं 26 और 27 ।
18. सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) मेरठ ।	(क) मेरठ छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	—वही—
	(ख) देहरादून छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	

1	2	3
21. सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) आगरा ।	(क) आगरा छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र । (ख) बरेली छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।	अध्याय III और अध्याय IV की धाराएं 26 और 27 ।
23 सेना सम्पदा अधिकारी (नगर भूमि अधिकतम सीमा) लखनऊ ।	(क) कानपुर छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र । (ख) इलाहाबाद छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र । (ग) लखनऊ छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र । (घ) वाराणसी छावनी की स्थानीय सीमाओं के भीतर समस्त क्षेत्र ।" तथा	—वही—

(ख) क्रम संख्या 16 और 27 और उनसे संबंधित इन्दराजों को हटा दिया जाएगा ।

[फ० सं० 1/40/76 यू० सी० यू०]
एस० महादेव अय्यर, उप-सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 27th January, 1977

S.O. 463.—In pursuance of the provisions contained in clause (d) of section 2 of the Urban Land (Ceiling and Regulation) Act, 1976 (33 of 1976), read with clause (k) thereof, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Works and Housing No. S O. (119) E, dated the 17th February, 1976, namely :—

In the said notification,—

(a) for serial Nos. 1, 3, 5, 7, 11, 18, 21 and 23 and the entries relating thereto, the following serial Nos. and entries shall be substituted, namely :—

(1)	(2)	(3)
"1. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Secunderabad.	Entire area within the local limits of the Cantonment of Secunderabad.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
3. Military Estate Officer, Bombay and Gujarat Circle, Bombay.	(a) Entire area within the local limits of the Cantonment of Ahmedabad. (b) Entire area within the local limits of the Cantonment of Kamptee.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
5. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Belgaum.	Entire area within the local limits of the Cantonment of Belgaum.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
7. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Poona.	(a) Entire area within the local limits of the Cantonment of Poona. (b) Entire area within the local limits of the Cantonment of Kirkee. (c) Entire area within the local limits of the Cantonment of Dehu Road.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
11. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Deolali.	Entire area within the local limits of the Cantonment of Deolali.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
18. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Meerut.	(a) Entire area within the local limits of the Cantonment of Meerut. (b) Entire area within the local limits of the Cantonment of Dehra Dun.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
21. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Agra.	(a) Entire area within the local limits of the Cantonment of Agra. (b) Entire area within the local limits of the Cantonment of Bareilly.	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.
23. Military Estate Officer (Urban Land Ceiling), Lucknow.	(a) Entire area within the local limits of the Cantonment of Kanpur. (b) Entire area within the local limits of the Cantonment of Allahabad. (c) Entire area within the local limits of the Cantonment of Lucknow. (d) Entire area within the local limits of the Cantonment of Varanasi."; and	Chapter III and sections 26 and 27 of Chapter IV.

(b) serial Nos.16 and 27 and the entries relating thereto shall be omitted.

[F. No. 1/40/76-UCU]
S. MAHADEVA AYYAR, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 31st January, 1977

S.O. 464.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Bank of Baroda, Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-1-77.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT

JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(27)/1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen represented through the General Secretary, Eastern Maharashtra Bank Employees' Association, C/o G.T. Joshi, Ajni Chowk, Jail Road, Nagpur (M.S.)

APPEARANCES :

For workmen—Shri P. S. Nair, Advocate.

For employers—Shri M. H. Moonje, Advocate.

INDUSTRY: Bank DISTRICT : Nagpur (M.S.)

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its order No. L-12012/8/75-DII/A dated 28th April, 1975 for the adjudication of the following industrial dispute:—

"Whether the action of the management of the Bank of Baroda is justified in terminating the services of Shri S. G. Bagde, Clerk, Bank of Baroda, Dharampeth Branch, Nagpur, with effect from the close of the business of 21st August, 1974 ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. It is not disputed that for the first time Shri Bagde, a scheduled caste candidate, was appointed as a temporary hand on 18-10-1973 for a period ending on 1st November, 1973. This appointment was subsequently extended upto 22nd December, 1973. Thereafter, by a fresh appointment order dated 24th December, 1973, he was appointed, this time on probation against a permanent post. On receiving the said order he joined his duties on 27th December, 1973 at Itwari Branch, Nagpur. During his probationary period he worked at the following branches for the periods mentioned against them :

(1) Itwari Branch Nagpur—27-12-73 to 17-2-74.

(2) Remained at Poona for training—18-2-74 to 6-4-74.

(3) Chandrapur Branch Nagpur—9-3-74 to 29-4-74.

(4) Itwari Branch, Nagpur—1-5-74 to 12-5-74.

(5) Dharampeth Branch, Nagpur—13-5-74 onwards till the termination of his services.

His probation period was extended but a few days before the ending of such extended period his services were terminated on 21-8-1974 on the ground of unsatisfactory work. Except for the letter extending his probationary period Shri Bagde was never before warned in writing or noticed for any misconduct or unsatisfactory working on his part. At Dharampeth branch he worked for some time on Savings Bank counter and thereafter was transferred to the Despatch Section.

3. The case of the Union is that the initial appointment of Shri Bagde was against a clear vacancy and since he was subsequently selected for appointment against a permanent vacancy that period beginning from 18th October, 1973 shall be counted towards the probationary period. In this way he had completed the probationary period of six months on 18-4-1974 because there was no gap between the temporary service and the service that was started on probation. With the lapse of six months period he became automatically confirmed and the order extending the probationary period passed subsequently was ineffective being based on a misconception of the clauses of the Bipartite Settlement. After automatic confirmation of Shri Bagde in April 1974 his services could not be terminated on the ground of unsatisfactory work without framing a proper charge and without holding a proper domestic enquiry.

4. Another legal ground of which validity of the termination has been challenged is that neither notice pay nor retrenchment compensation were paid to him as required by law and such payments were the sine-quanon for validating such termination order. The Branch Manager was biased against the scheduled caste employees and he was interested in such termination of his services because he wanted to recruit his own man on that vacancy. He was found working satisfactorily in all other branches before he came to Dharampeth branch. The termination amounted to a colourable exercise of the power by the management. All the allegations against his conduct and satisfactory nature of working have been denied.

5. Management's case is that the initial temporary appointment was against temporary leave vacancies and on account of temporary increase in work because permanent workman of Itwari Branch had gone on leave. That appointment order was a self operating termination order under which his service stood terminated on 22nd December, 1973. With a gap of two days the order of his appointment on probation was passed on 24th December, 1973 consequent to which Shri Bagde joined his duties only on 27th December, 1973. Thus there was a gap of four clear days between the termination of the previous temporary service and the new probationary appointment. In this way that previous temporary service could not be tagged with the subsequent probationary appointment and could not be counted for the purposes of calculating the probationary period. Shri Bagde, by accepting the probationary appointment with distinct conditions and with a break as aforesaid, admitted that his probationary period started only on 27th December, 1973 and is now estopped from saying otherwise. He did not raise any objection of automatic confirmation at the time when his probationary period was extended and this further estops him from raising such a plea at this stage. He had been orally warned because he was not found courteous in his behaviour with the customers. He was slow in working so that there used to be a collection of persons at the Savings Bank counter. He was not flagging the ledger which made it difficult to check the entries and was thus not following the long standing practice, in spite of being warned several times. This sometimes caused mistake in postings and resulted in embarrassment to the officers.

6. Having been found unsatisfactory at the Savings Bank counter he was tried in the Despatch Section. He could not read and write English and could not finish the work within the prescribed hours when the work was so light that it could have been completed by any other person within the span of half working day. Consequently he had to work overtime. In spite of extension of probationary period no improvement was found in his work and ultimately his services had to be terminated. There was no mala fides and another scheduled caste candidate was approved and posted in his place by the superior officers, hence the question of bias of the Branch Manager had not relevance. The management has raised a plea of loss of confidence because he is suspected to have opened the confidential letters and presented one of them before the Assistant Labour Commissioner.

7 The following issues were framed :—

ISSUES

1. Whether the service of the workman should be deemed as continuous and without break ?

2. Whether the extension of probationary period was illegal, arbitrary and without jurisdiction being in violation of Shastri Award and Bipartite Agreement ?

3. Whether Shri Bagde's appointment was against the permanent vacancy ?

4. (a) Whether the termination was due to the unsatisfactory nature of work ?

(b) Whether the report about the unsatisfactory nature of work is biased one ?

(c) Whether the Tribunal is competent to analyse the subjective findings of the management on the unsatisfactory nature of the work done by the workman ?

5. Whether the termination without holding domestic enquiry, was illegal ?

6. Whether the termination was bad as retrenchment compensation was not paid ?

7. Relief & Costs ?

ISSUES NOS. 1, 2, 3, 4 & 5 :

8. Shri Bagde was initially appointed on 18-10-1973 vide Ex. M/35. The letter clearly mentions that he was appointed as a temporary clerk in the vacancy caused due to the absence of some person whose name is not mentioned in the letter. This appointment was admittedly continued under various orders Ex. M/30 to Ex. M/34 up to 22nd December, 1973.The question is whether this appointment was under Clause 20.7 of the Settlement being against a temporary vacancy or due to temporary increase in work as alleged by the management, or it was under Clause 20.8 against a permanent vacancy as alleged by the Union.

9. The appointment letter Ex. M/35 dated 18-10-1973 does not throw any light on this point. It has the cyclostyled words, "in the vacancy caused by the absence of Shri....." but the bank line drawn ahead of the word 'shri' for filling up the name of the employee whose absence caused the vacancy, has not been filled up. It was not an accidental omission on the part of the management. A dash appears to have been purposefully placed on that line indicating that it was not possible to mention the particular name or names. It was so because a broken chain of vacancies were anticipated as per statement of Shri K. D. Patankar (M.W. 2) who was then an Accountant in Itwari branch. His statement on this point is corroborated by the documentary evidence, Ex. M/21, M/21/1, M/21/2—the abstracts of the leave registers which show that following persons proceeded on leave for the period shown against their names :

1. Shri D. H. Vajre	..15.10.73 to 20.10.73
2. Shri A. P. Aurangabadkar	.29.10 73 to 7.11.73
3. Shri Gurwant Rai H. Suchak	..9.11-73 to 1.12.73
4. Shri D. H. Vajre	..13-12-73 to 27.12.73

These vacancies were anticipated from 15-10-1973 to 27-12-1973 with small breaks in between. According to the statement of Shri Patankar sanction for appointing Shri Bagde had been received on 15th October, 1973 but it appears that the processing of the appointment order took sometime and the appointment order could be issued only on 18th October, 1973. Shri Patankar has further stated that the appointment of Shri Bagde could not be made piece-meal for two days or four days but it was continued for a period through extension orders because sanction for his continued appointment for two months had already been received from the Regional Office. All this evidence goes to prove satisfactorily that Shri Bagde was initially appointed in the leave vacancies. His appointment was continued till 22nd December, 1973 more so because according to the statement of Shri Paranjpe there was always a temporary increase in work during the month of December.

10. The Union has produced no evidence to show that his appointment was against a permanent vacancy. Shri Parranjpe did state in cross-examination at one place that as per Ex. W/4 a request had been made for sanctioning four permanent posts of clerks at that branch but in fact two permanent posts had been sanctioned and against one of them Shri Bagde was working from October, 1973. In the second breath the witness further stated that Shri Bagde was working against leave vacancy from August, 1973 and that leave vacancy was caused because one of the permanent clerks proceeded on leave. Thus by saying that Shri Bagde was working against a permanent post the witness clearly meant to say that he was working in the leave vacancy because one of the permanent employees had proceeded on leave. There is thus no evidence that Shri Bagde was appointed or was working agalnst a permanent post between 18th October, 1973 to 22nd December, 1973. Thus the appointment of Shri Bagde was clearly governed by clause 20 7 of the Bipartite Settlement.

11. The initial appointment letter Ex. M/35 clearly mentioned that he was appointed as a temporary clerk and as discussed above he was appointed in a leave vacancy. The letter clearly mentioned that the appointment shall automatically terminate on the expiry of the particular period which was extended from time to time on the terms and conditions of the initial appointment letter which specifically mentioned that rights of a permanent employee will not accrue to Shri Bagde under any circumstances on account of such appointment. The benefit of the period of that temporary service shall be available to an incumbent only if his initial temporary appointment falls within clause 20.8 of the settlement. That clause contemplates appointments against a permanent vacancy and proceeds further to say that 'if such temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy the period of such temporary appointment will be taken into account as part of his probationary period.' The qualifying word 'such' used before the words 'temporary workman' in this clause clearly rules out any other type of temporary workman contemplated under clause 20.7 of the Settlement. As the case of Shri Bagde clearly fell within the mischief of clause 20.7 he could not be given the benefit of such period being counted towards the probationary period on his eventual selection to the permanent post.

12. Secondly Shri Bagde worked on a temporary post only upto 22nd December, 1973 vide letter Ex. M/34. As admitted in the reply to the rejoinder Shri Bagde joined the service as a probationer on 27th December 1973. There was thus a gap of four days. This gap was not accidental. It was purposeful and was devised under the directions of the superior officers. After the selection of Shri Bagde by the Selection Committee of Shri S. Y. Kane and Shri S. D. Paranjape on 9th November, 1973 the Assistant General Manager vide his letter dated 5th December, 1973 (Ex. M/29) informed the Agent of the Itwari branch Nagpur authorising him to appoint Shri Bagde on probation for a period of six months on usual terms with a clear postscript direction that a clear break between the temporary service and the fresh appointment should be managed before allowing Shri Bagde to report to his fresh appointment as probationer It was in compliance of this direction that Shri Bagde was not allowed to join before 27th December, 1973. The Union's plea, that because he worked upto 22nd December 1973 and 23rd was the Sunday while 24th, 25th and 26th were spent in undergoing medical test, his service should be deemed to have continued during the period between 22nd December, 1973 to 27th December 1973, has no legs to stand. Shri Bagde was thus not even a temporary workman on the date on which he joined the probationary appointment and as such he will not be entitled to the benefit contemplated under clause 20.8 because that benefit is available only if a man continues to hold a temporary appointment while being eventually selected. More over even if it is presumed that he was hoding a temporary appointment at least on 9th November, 1973 when he appeared for the test and was eventually selected or on 5th December 1973 when the Assistant General Manager authorised Itwari branch Manager to appoint Shri Bagde, still that temporary appointment being not the one under clause 20.8 could not be counted for the benefit contemplated under clause 20.8 as discussed above.

13. For all these reasons I am inclined to hold that Shri Bagde's appointment was against a temporary leave vacancy and later on also because of the temporary increase in work in December, 1973. He was not appointed against a permanent vacancy and as such the period of his service from 18th October 1973 to 22nd December 1973 could not be counted towards his probationary period as contemplated in clause 20 8 of the Settlement.

14. This basic conclusion leads to the fact that his probationary period started from 27th December, 1973 and the six months of that probationary period expired on 21st June, 1974. The theory of automatic confirmation in April, 1974 raised by the Union has thus no legs to stand. The plea of estoppel raised by the management against the workman on account of accepting the probationary appointment and extension orders without a demur needs no specific consideration because of the findings given above.

15. The next question is whether the extension of his probationary period was illegal because his consent for such extension was not obtained. The appointment letter Ex. M/1 contains a condition that 'you will be appointed on probation for a period of six months which may be extended by the bank at it's discretion'. Shri Bagde has on the second page of this appointment letter signed the typed endorsement that the condition was acceptable to him. Thus by a contract in writing the Bank was authorised and Shri Bagde consented to the eventuality of the extension of probationary period. Though it was not the literal compliance of clause 495 of Shastri Award which requires the consent to be obtained before the extension which should normally mean at the time of extension and prior to the service of the order but the word 'before' can also be read as having no such time limit and such consent could therefore be obtained even at the time of appointment. That would amount to its substantial compliance specially when, as admitted by Shri Bagde, he raised no objection to the extension of the probationary period when that order Ex. M/2 was served upon him and he acknowledged the receipt of the same. This acknowledgement in the above back ground did amount to his consent in writing.

16. Moreover the provision as to the obtaining of such consent in writing appears to have been carved out with a view to afford an opportunity to the employee to raise legal or other technical objections against such extension and for showing that he stood automatically confirmed. No employee is otherwise likely to give his consent in writing. The provision does not give a licence to an employee to get automatically confirmed simply by withholding such consent. It is in the nature of directory provision literal noncompliance of which may not render the extension illegal so as to make the clause of automatic confirmation applicable to the employee whose work is really found unsatisfactory. Shri Bagde had ample opportunity to make a representation or raise a voice against such extension but he took no such step and such as by his conduct accepted and surrendered to the unfortunate situation of extension. I am, therefore, inclined to hold that extension of probationary period was not illegal for the alleged want of the employee's consent in writing.

17. Learned Counsel for the Union has further argued that the Bank had no right to terminate the service of Shri Bagde before the expiry of the extended probationary period. Shri Bagde joined the service on 27-12-1973. The period of nine months probation (6+3) would have expired on 26-9-1974. But his service was terminated on the close of the business on 21-8-74 Thus the termination was done one month and five days prior to the expiry of the extended probationary period.

18. The fundamental principle in this respect was reiterated by the Supreme Court in Management of Brooke Bond India (P) Ltd. Vs. V. Y. K. Gautam (10 SCLJ 311 at page 315) in the following words :

> "Without anything more an appointment on probation for six months gives the employer no right to terminate the service of an employee before six months expire except on the ground of misconduct or sufficient reasons under which case even the services of a permanent employee could be terminated."

However, opening words 'without anything more' are more important then the latter text. They contemplated that if there is a contract to the contrary this principle of law shall not apply. In management of Utkal Machinery Ltd. Vs. Workman Shanti Patnaik (1966 (12) FLR 45) there was a stipulation in the service conditions as in the present case vide Ex. M/1 that during the probationary period the services of the employee could be terminated without notice and without assigning any reason (Such termination of the service of a probationer is also contemplated in clause 522(1) of Shastri Award). Considering that fact the Supreme Court observed that :—

> "In other words the management had the contractual right to terminate the services of the respondent without assigning any reason therefor."

In both the aforesaid cases the employment was terminated during and before the expiry of probationary period and the Supreme Court held that such termination was valid and could not be challenged on the ground that it was not legal to terminate the services without framing a regular charge-sheet and holding a domestic enquiry. The right to terminate the services was reserved by the management under the contract. But in such a case if the bona fides are challenged and it is held that the termination order was malafide then the tribunal has the power to go into the facts of the case. The observations of the Supreme Court in this respect made in Utkal Machinery case may be cited as follows :—

> "But if the validity of the termination is challenged in an industrial adjudication it would be competent to the industrial tribunal to enquire whether the order of termination has been effected in the bonafide exercise of its power the industrial tribunal will not interfere with it but it is open to the industrial tribunal to consider whether the order of termination is malafide or whether it amounts to victimization of the employee or an unfair labour practice or is so capricious or unreasonable as would lead to the inference that it has been passed for ulterior motive and not in bonafide exercise of the powers arising out of the contract. In such a case it is open to the industrial tribunal to interfere with the order of the management and to afford proper relief to the employee."

In this way the next question for the decision would be about the bonafides of the management.

19. So far as bonafides are concerned it was alleged in para 9 of the written statement filed by the Union that the action of the Manager Dharampeth branch was patently malafide and the Manager wanted to engage one of his own men and in order to create a vacancy he deliberately and in a malafide manner appeared to have spoiled the C.R. of the workman. The Union made an improvement in this stand by raising a plea in para 3 of its rejoinder. It is alleged in that rejoinder that Shri Aiyer, Manager of Dharampeth branch was very much annoyed with Shri Badge. He was a vicious man hence the Union had to complain against him at Lucknow, Poona and other places. Even the management was not satisfied with him hence his junior Shri Apte superseded him. Even at Dharampeth branch Shri Aiyer was quarreling with the Union office bearers and had once abused the General Secretary which led to the Union to make a demand for an enquiry against Shri Aiyer. He came from a high caste family and was most unhappy with the scheduled caste personnel. He used to abuse them and say that the scheduled caste people were absolutely unfit for bank services and they should never be recruited or retained in service. It was because of his personal animosity with the scheduled caste employees that he deliberately and maliciously created a bad record against Shri Bagde without any basis and he did not send the report for confirmation and delayed it. With that end such report was demanded through a telegraphic message from the head office. In this way the earlier allegation that Shri Aiyer wanted to recruit his own men and for that end wanted to create a vacancy by getting Shri Bagde terminated from his service was developed into his general animosity against the scheduld caste personnel and his misbehaviour against the Union. This change in stand was deliberate because the Union realised that it was difficult for it to prove the earlier allegation when the management came out with a clear reply that there was no such move by Shri Aiyer to create a vacancy for his own man and in fact in the place of Shri Bagde another scheduled caste candidate was recruited by the head office. Shri Aiyer could not be deemed to be having such a hold on the head office as to be so sure of getting his own man recruited in place of Shri Bagde. In any case the events proved that his so called candidate whose name was never disclosed by the Union could not at all get an entry in the service by such a move. The management has stated in the rejoinder that a scheduled caste candidate was

recruited in place of Shri Bagde and in view of the allegations raised by the Union that Shri Aiyer had a repulsive attitude against the scheduled caste candidates and he thought that they were unfit for bank services, such a scheduled caste candidate as was recruited in place of Shri Bagde, could not be Mr. Aiyer's man. The Union has absolutely failed to substantiate its plea in this respect raised initially in the written statement.

20. With respect to the plea raised in the rejoinder, it is obvious that this case has nothing to do with Shri Aiyer's dispute, if any, with the Union. Shri Aiyer may be a good man or a bad person. He may be pleased or annoyed with the Union but it has no bearing on his bonafides with respect to Shri Bagde. No question was put in cross-examination to Shri Aiyer (M.W.1) about his general apathy against the scheduled caste employees of the Bank and about his opinion that as a class they were unworthy of being kept in the bank services. According to Shri G. S. Deshpande, Incharge of Staff Department during the period when Shri Bagde was appointed and was in service about 31 scheduled caste candidates were appointed by the Bank in Maharashtra region and out of them 30 were confirmed. It cannot, therefore, be said that the Bank or its officers had any such alleged apathy against the scheduled caste candidates and naturally Shri Bagde was not a victim of any such ulterior or malafide motivated move.

21. During the course of the evidence the management tried to prove its assessment that Shri Bagde's work and conduct were not satisfactory and the Union tried to rebut the same but in my opinion there is no need to go into that evidence because jurisdiction of the tribunal to go into the question of correctness of the assessment comes to an end as soon as it comes to a finding that the termination was not malafide. Individual assessment differs as the individual officers are lenient or strict in their out look—hard working or easy going. The fact that there were no adverse reports against Shri Bagde from the other branches will not render the assessment of Shri Aiyer inaccurate if within a short time Shri Aiyer found that Shri Bagde's work was not proper and he was not doing the work satisfactorily. The immediate officer was the best judge of the work and conduct of the employee, his judgment could be challenged only by his superior officer who on the other hand accepted it and acted upon it. This Tribunal is unable to substitute its own judgement over the assessment of work and conduct made by Shri Aiyer.

22. It has been held in Air India Corporation Bombay vs. V.A Rebellow (1972-9 SCLJ 286 at page 297) that :

> "The opinion formed by the employer about the suitability of his employee for the job assigned to him even though erroneous, if bonafide, is in our opinion final and not subject to review by the industrial adjudication. Such opinion may legitimately induce the employer to terminate the employee's services, but such termination can on no rational grounds be considered to be of misconduct and must, therefore, be held to be permissible and immune from challenge."

23. It was never pleaded that there was some other hidden ulterior motive (the alleged one being not proved) which impelled Shri Aiyer to act prejudicially against Shri Bagde and therefore the reports made by Shri Aiyer should not be judged in the light of prevailing circumstances and then an inference should be drawn about his bonafides. Therefore this Tribunal is not inclined to go through the evidence about the work and conduct of Shri Bagde and then say that the evidence disclosed that the report against Shri Bagde i.e. Shri Aiyer's assessment about his suitability was incorrect and therefore malafide. Incorrectness of assessment does not necessarily lead to the inference of malafides because as said above by the Supreme Court, even an incorrect assessment is not open to be revised by this Tribunal if it is bonafide. Such an approach of judging unspecified malafides from over all circumstances is not called for in the present case there being no pleadings to that effect. In any case, it was obvious at the times of cross-examination of Shri Bagde that he did not understand English sufficiently. he could not give the meaning of the terms generally used in the bank transactions. He could not understand the questions in English. This weakness of Shri Bagde was by itself sufficient to declare him unfit for service in the bank where the customers usually comes speaking that language. I am not inclined to discuss his other failings and deficiencies. It is, therefore, held that the order of extension was neither illegal, arbitrary, and without jurisdiction nor it violated the Shastri Award or the provisions of Bipartite Settlement.

24. It is argued that there was no compliance of Shastri award according to which it was a precondition for the validity of such termination that notice pay should have been given to the workman at the time of termination. No such pay was given or offered to him. This plea has no force. The letter of termination containing advise for notice pay Ex. M/10 was sent to Shri Bagde by registered post. The letter bears endorsements of several dates and purports to have been ultimately refused on 9-9-74. Shri Bagde, W.W.2, did not say that this endorsement was incorrect. Merely saying that he never received an order of termination is not sufficient. The postal endorsement shall be presumed to be correct unless the contrary is proved. It was so held in Pawada Venkateshwara Rao Vs. Chidmanavenkata Ramana [AIR 1976 SC 869(871)]

25. On the return of this letter another one giving it's reference Ex. M/11 also sent under certificate of posting. Shri Aiyer has stated that it never returned back to the sender. It will be presumed that the same was delivered to Shri Bagde. Mere denial by Shri Bagde is not sufficient to rebut this fact. This had given him sufficient information that notice pay had been offered to him along with the termination order. On the other hand, a copy of it was produced before the Assistant Labour Commissioner. General Secretary of the Union has not come forward in the witness box to assert as to how he obtained the copy. That would have given the management an opportunity to cross-examine him and test his veracity. In the absence of such evidence it will be presumed that Shri Bagde had supplied the copy to the Secretary for being produced. Shri Bagde has not denied this fact in the witness box. Thus Shri Bagde had the knowledge of such termination and offer of notice pay.

26. It is obvious that Shri Bagde came to know that sanction for passing termination order had been received in the branch office and knowing this he slipped away from the office for avoiding service of such order. No medical certificate of his alleged illness was produced before the Tribunal even when he said that he was treated by a doctor who had promised to give him medical certificate. On the first day of his cross-examination he stated that he left an application in the office. Nobody has testified that the application was handed over to him for being given to the agent. On the next day he stated that he had sent the application from his home and had left the office on 21-8-74 without leaving any such application. Obviously he is telling lies.

27. He then extended his leave by application dated 22-8-74 Ex. M/24 for a day or two but then he remained absent for about 8 days without moving any application for extension as per his own statement. No person who wanted to remain in employment could have been so callous. He was not very particular because he knew that his service has already been terminated as on 23-8-74 the postman must have knocked his doors for delivering the registered letter Ex. M/10 vide endorsement on it. If Shri Bagde was seriously ill as he says in cross-examination, suffering from fever and cold. he should have been in his house when the postman reached there. The fact that he was not found in the house goes to show that he was not ill as alleged. It is, therefore, held that the bank offered the notice pay along with the termination order and Shri Bagde avoided to get it served upon him. He cannot reap the benefit of his own unclean maneuvre and the order of termination cannot be held to have been vitiated on account of want of payment of notice pay.

28. The Union has further raised an argument that at least the pay so offered was not one month's salary because no bank employee is paid less than Rs. 400 while the amount so offered was only Rs. 283.65. This argument developed at the last stage can hardly be entertained when parties closed their evidence and when no such issue was raised in the pleadings. The Bank had alleged in para 4 of its written statement that one month's salary was offered in lieu of notice Neither in the written statement nor in the rejoinder the Union ever denied the fact that what was offered was not the salary of one month. It was thus an admitted case that if at

all the salary was so offered, it was the salary of one month. No argument can be heard against such admission specially when the bank had no opportunity to prove as to how the amount so offered was one month's salary. Issues are decided accordingly.

ISSUE NO. 6

29. The Union has relied upon Sundra Money's case reported in AIR 1976 SC. 1111 for raising the plea that all termination of service are covered by the definition of retrenchment. Hence this is also a case of retrenchment in which the order was void because no retrenchment compensation was paid. It is argued that it was a case of three judges bench which could not upset the law laid down previously by the bench of five judges of the Supreme Court. The obvious reference is to the case of Hari Prasad Shiv Shankar Shukla Vs. A. D. Divelkar of 1957 but that point stands decided in Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa (1976 (33) FLR 257) which clearly confirms the decision in Sundra Money's case saying that Shukla's case was on different premises. After discussing the facts of that case and the law laid down by it the Supreme Court said in this latest decision of Hindustan Steel Company that :

> "We do not find any thing in Hari Prasad's case which is inconsistent with what has been held in State Bank of India Vs. Sundra Money."

30. However for a workman to swim within the harbour of S. 25F it will be necessary that he should have been in continuous service of 240 days within a span of 12 months counted back from the date of retrenchment. It is obvious that Shri Bagde had not completed 240 days service within the spell of 12 calender months nor was he in employment with that period continuously. (See General Manager, K.S.R.T. Corporation Trivandrum Vs. C. Sundra Raj T. C.; 1976 (33) FLR 30 Kerala). As such Sec. 25F was not attracted and the termination cannot be said to be illegal because of the nonpayment of retrenchment compensation as required by Sec. 25F of the Industrial Disputes Act. The issue is answered accordingly.

31. It is thus held that the action of the management cannot be said to be unjustified in terminating the services of Shri S. C. Bagde with effect from the close of the business of 21st August, 1974. The reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

Dated : the 31st December, 1976.

[F. No. L-12012/9/75-D. II. A.]

R. P. NARULA, Undedr Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1977